ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य में कांग्रेस सरकार आने के बाद कानून व्यवस्था पूरी तरह से हुई ध्वस्त : अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 14 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-165

जैश और लश्कर को चीन दे रहा है घातक हथियार और स्टील बुलेट्स

पाकिस्तान की आड़ में चीन कर रहा है कश्मीर में शैतानी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से बौखलाया चीन पाकिस्तान की आड़ में जम्मू कश्मीर में आतंकी शैतानियां करा रहा है। पाकिस्तान को सामने रख कर चीन अपने यहां बने हथियार और गोले बारूद पाकिस्तानी आतंकियों को मुहैया करा रहा है। चीन ने इस मामले में अमेरिका अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को भी बदनाम करने की चाल चल दी है। चीन ने अपने पिट्ठू देश के मीडिया तंत्र से यह खबर फैलाई है कि जम्मू कश्मीर में एक बार फिर सक्रिय होने की कोशिश कर रहे आतंकी संगठन जैश ए मुहम्मद और लश्कर ए तैयबा ने हथियारों के लिए तालिबान से करार किया है। अफगानिस्तान में छोड़ कर गए हथियार और आयुधों को हासिल करने के लिए जैश और लश्कर ने तालिबान से करार किया है। इस करार में अमेरिकी एम-16 और एम4 कार्बाइन हासिल करने की शर्त शामिल है।

लेकिन यह बात चीन द्वारा फैलाई जा रही है। पाकिस्तान से बिगड़े हुए सम्बन्धों के कारण तालिबान पाकिस्तान सरकार या पाकिस्तान सरकार द्वारा पोषित जैश और लश्कर जैसे आतंकी संगठनों के साथ कोई करार नहीं करने वाला है।

इनमें से कोई भी हथियार अभी तक कश्मीर घाटी तक नहीं पहुंचा है, लेकिन चीन के हथियार और चीन की स्टील बुलेट्स का इस्तेमाल जम्मू कश्मीर में धड़ल्ले से किया जा रहा है। इसके पुख्ता सबूत भी मिल रहे हैं। चीन के स्टील बुलेट्स बुलेट प्रूफ जैकेट्स के कवच भी बेध देते हैं, जिससे हमारे सैनिकों की शहादतें हो रही हैं।

बुलेट प्रूफ जैंकेट का कवच भेद रही चीन की स्टील बुलेट

जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमलों के मद्देनजर, कई क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। चार दिन में चार जगहों पर हुए आतंकी हमलों ने कश्मीर से लेकर दिल्ली तक के माहौल को गरमा दिया है। विपक्ष, सरकार पर सवाल उठा रहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस की खुफिया इकाई एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों का कहना है कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने और एनडीए की सरकार के तिबारा स्थापित होने से आतंकवादी बौखला गए हैं।

कठुआ में मारे गए आतंकी के पास से जो एम-4 कार्बाइन बरामद हुई है, वह चीन की बनी हुई है, लेकिन उसका मेक मिटाया हुआ है। ऐसी हरकतें चीन की करता आया है। वह भारत के आतंकवादियों को अपने यहां बने हथियार देता है, लेकिन उसका मेक मिटा देता है, ताकि कोई सबूत न बचे। दहशतगर्दों द्वारा जो घातक हथियार इस्तेमाल किए जा रहे हैं, उनके लिए खास स्टील की बुलेट इस्तेमाल की जा रही हैं। ये बुलेट चीन निर्मित हैं। साथ ही जो ड्रोन और हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं, वे भी चीन निर्मित हैं। पाकिस्तान बॉर्डर से इन हथियारों को भारतीय सीमा में भेजा जाता है।

गत दो वर्षों में राजौरी और पुंछ के इलाकों में हुए आतंकी हमलों में चीन से मिले हथियार, प्रयोग में लाए गए हैं।

आतंकियों ने स्टील बुलेट इस्तेमाल की हैं। ये बुलेट किसी भी बख्तरबंद गाड़ी को भेद सकती हैं। सामान्य बुलेटप्रूफ जैकेट और पटका, इससे बचाव नहीं कर पाते। चीन निर्मित स्टील बुलेट्स बड़ी तादाद में पाकिस्तान के रास्ते जम्मू कश्मीर में पहुंच रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा की

आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा संबंधी स्थिति से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और अन्य अधिकारियों को आतंकवाद रोधी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने को कहा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी फोन बात की। पीएम मोदी ने अमित शाह से आंतकवाद रोधी अभियानों की गति और प्रगति पर चर्चा की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और केंद्र शासित प्रदेश का विस्तार से जायजा लिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और शीर्ष नौकरशाहों के साथ विचार विमर्श

गृहमंत्री अमित शाह से गहन मंथन, उपराज्यपाल से भी लिया जायजा

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए हैं। जिमसें दस तीर्थयात्रियों की मौत हुई। साथ ही सीआरपीएफ के एक जवान भी शहीद हुए। इसके अलावा, सात सुरक्षा कर्मी और कई अन्य घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा अलग-अलग जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी हो रहे हैं। 72 घंटे में तीन हमले, एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ताजा घुसपैठ की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। भले ही बॉर्डर पर सीजफायर लागू है,

▶10पर

मोदी-शाह की गहन वार्ता

कश्मीर में कुछ बड़ा होने वाला है...

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रहे आतंकी हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह से वर्तमान स्थिति पर लंबी बातचीत की। इस गहन वार्ता के बारे में सुरक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि अब कश्मीर में कुछ बड़ा होने वाला है। प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के साथ भी प्रदेश की स्थिति पर मंथन किया।

पिछले चार दिनों में जम्मू-कश्मीर में चार बार एनकाउंटर हो चुका है। कठुआ से लेकर डोडा तक कई इलाकों में सेना और आतंकियों के बीच में संघर्ष की स्थिति दिखी है। इन एनकाउंटर में एक जवान शहीद हुआ है तो दो आतंकियों को भी ढेर किया गया है। जम्मू के रियासी में हुए आतंकी हमले के बाद से ही घाटी में तनाव बढ़ा हुआ है। शीर्ष सत्ता गलियारे में चर्चा चल रही है कि आतंकियों के खिलाफ भारतीय सेना कोई बड़ा ऑपरेशन चला सकती है। अब इस ऑपरेशन के तहत कहां तक कार्रवाई की जाएगी, यह स्पष्ट नहीं, लेकिन सरकार ने शांत नहीं बैठने का निर्णय लिया है। मोदी सरकार ने ही इससे पहले आतंकी हमलों के जवाब में सर्जिकल और एयर स्ट्राइक तक करवाई थी।

▶10पर

केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति का फैसला

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बने रहेंगे अजित डोभाल

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए भी अजित डोभाल को ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया है। डोभाल का भी यह तीसरा कार्यकाल होगा। प्रधानमंत्री ने अपने प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया है। पीके मिश्रा प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव बने रहेंगे।

पीके मिश्रा भी प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव यथावत

अमित खरे, तरुण कपूर पीएम के सलाहकार बने

अजित डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था। तब से डोभाल यह पद पूरी सक्षमता से संभाल रहे हैं। उनसे पहले शिवशंकर मेनन देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। 1968 बैच के आईपीएस अधिकारी अजित डोभाल को कूटनीतिक समझ और काउंटर टेररिज्म का विशेषज्ञ माना जाता है। अजित डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य मामले और इंटेलिजेंस की जिम्मेदारी संभालेंगे।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अजित डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। वह पिछले 1 दशक से प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रधान सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। पीके मिश्रा प्रशासनिक मामले और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में नियुक्तियों का काम देखेंगे।

केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने बताया कि अजित डोभाल और पीके मिश्रा की नियुक्ति 10 जून से प्रभावी मानी जाएगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल या अगले आदेश जो भी पहले हो, तब तक रहेगी।

▶10पर

जम्मू कश्मीर के सभी स्कूलों में राष्ट्रगान से शुरू होगी सभा

जम्मू, 13 जून (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर स्कूली शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने एक सर्कुलर के माध्यम से सभी स्कूलों को केंद्र शासित प्रदेश में सुबह की सभा को एक समान बनाने का निर्देश देते हुए कहा है कि सभा की शुरुआत जन-गण-मन के गान से होगी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, एकरूपता बनाए रखने के लिए सभी हितधारकों से आग्रह है कि वे अपने-अपने स्कूलों में सुबह की सभा आयोजित करें। सुबह की सभा 20 मिनट की होगी और सभी छात्र और शिक्षक स्कूल शुरू होने के समय निर्धारित स्थान पर एकत्रित होंगे। सुबह की सभा राष्ट्रगान के साथ शुरू होगी। परिपत्र में कहा गया है कि एनईपी-2020 के

▶10पर

खांडू ने तीसरी बार अरुणाचल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

अमित शाह सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद, पीएम मोदी ने दी बधाई

ईटानगर, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पेमा खांडू ने गुरुवार को तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने यहां डीके स्टेट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में श्री खांडू को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी मौजूद रहे। इसके साथ ही भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, तरुण चुग, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और अरुणाचल के सांसद तापिर गाओ और नबाम रेबिया भी उपस्थित रहे।

▶10पर

ओड़ीशा की भाजपा सरकार ने पहले दिन पूरा किया वादा

जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार खोले गए

भुवनेश्वर, 13 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद पहली बार सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पहले दिन से ही जनता से किए वादे पूरे करने शुरू कर दिए हैं। 12 जून 2024 को प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री मोहन शरण मांझी ने आज ही जगन्नाथ पुरी के चारों द्वार खोलने का ऐलान कर दिया।

▶10पर

जी-7 समिट में शामिल होने इटली रवाना हुए प्रधानमंत्री

वैश्विक दक्षिण के अहम मुद्दों पर चर्चा होगी : मोदी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 सम्मेलन में शामिल होने के लिए गुरुवार को इटली रवाना हो गए। यह प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा है। इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। पीएम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से भी मुलाकात कर सकते हैं। इटली में 13 से 15 जून तक आयोजित होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में चल रहे युद्ध और गाजा में संघर्ष का मुद्दा छाए रहने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली रवाना होने से पहले कहा कि उन्हें इस सम्मेलन में उन मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा जो वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर मैं 14 जून 2024 को जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के अपुलिया क्षेत्र की यात्रा कर रहा हूं। मुझे खुशी है कि लगातार तीसरे कार्यकाल में मेरी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की है।

यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष का मुद्दा गरमाएगा

पीएम मोदी ने कहा, मैं 2021 में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी इटली यात्रा को गर्मजोशी से याद करता हूं। पिछले साल प्रधानमंत्री मेलोनी की भारत की दो यात्राएं हमारे द्विपक्षीय एजेंडे में गति और गहराई लाने में सहायक सिद्ध हुई हैं। हम भारत-इटली रणनीतिक साझीदारी को मजबूत करने और भारत-प्रशांत और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने कहा, आउटरीच सत्र में चर्चा के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन और आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन के परिणामों के बीच अधिक तालमेल लाने और उन मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर होगा जो वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,810.90
+204.33 +0.27% ↑

एनएसई :23,398.90
75.95 (0.33%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 21^0

लोकसभा चुनाव- 2024

बसपा के सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में कुल 8,360 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई थी। जिनमें से 7,194 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। यानी 86.1 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे थे जिन्हें अपने लोकसभा क्षेत्र में डाले गए वोट का छठा हिस्सा भी नहीं मिल सका। इनकी जमानत राशि कुल 16.36 करोड़ बनी है। जिसे अब भारतीय रिजर्व बैंक जमा करेगा या सरकारी खजाने में जगह मिलेगी।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के मुताबिक भारत में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए 25,000 रुपए की जमानत राशि जमा करनी होती है। चुनाव आयोग ने जमानत राशि जमा कराना इसलिए अनिवार्य किया है ताकि चुनाव लड़ने के लिए गंभीर लोग ही आगे आएं और चुनाव लड़ें। चुनाव आयोग ने 2009 में अनारक्षित सीटों पर उम्मीदवारों के लिए जमानत राशि बढ़ाकर 25,000 रुपए कर दी थी। वहीं अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटों पर उम्मीदवारों के लिए यह रकम 12,500 रुपए कर दी गई थी। हालांकि, विधानसभा चुनावों में जमानत राशि एससी और एसटी सीटों के लिए 10,000 रुपए और 5,000 रुपए है।

कुल 8,360 प्रत्याशियों में से 7,194 प्रत्याशियों की जमानतें जब्त हुईं

ओवैसी तो जीते, लेकिन उनके 12 प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा पाए

चुनाव आयोग के मुताबिक अगर चुनाव में किसी उम्मीदवार को कुल पड़े वोटों का 1/6 फीसदी हासिल नहीं होता है तो उस प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाती है। यह पैसा भारतीय रिज़र्व बैंक या सरकारी खजाने में जमा कर दिया जाता है। इस साल जब्त की गई जब्त राशि की कुल संख्या 2019 से बढ़ गई है। लोकसभा चुनाव-2019 में कुल 8,054 उम्मीदवारों में से 6,923 या 86 प्रतिशत ने अपनी जमानत खो दी थी, जो कुल 15.87 करोड़ रुपए थी।

लोकसभा चुनाव-2024 में सबसे ज्यादा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई। बसपा के 476 उम्मीदवारों की जमानत इस चुनाव में जब्त हुई है। मायावती की पार्टी ने इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। यहां तक की पार्टी को एक भी सीट तक हासिल नहीं हुई है।

बसपा के बाद कांग्रेस के 51, वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के 37,

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

साध्वी हेमप्रभाश्रीजी की 17वीं पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्रीजी की निश्रा में सुप्रसिद्ध व्याख्यात्री एवं आत्म साधिका, अनुभव स्मारक और विश्व प्रसिद्ध शंखेश्वर दादावाड़ी की प्रेरिका पूज्या साध्वी वर्या हेमप्रभा श्री जी एवं विनीतप्रज्ञा श्रीजी की 17वीं पुण्यतिथि निमित्त गुणानुवाद सभा और सामूहिक सामायिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत किया और ट्रस्ट की ओर से गुरुवर्या जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, पुखराज कवाड, श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गुरुवर्या के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर के कार्यक्रम की शुरुआत की। गुरुवर्या स्वर्णांजनाजी ने अपने प्रवचन में गुरुवर्या हेमप्रभा श्री जी जिन्हें एक और नाम हेमस्वर्ण से भी पहचाना जाता था, और गुरुणी सुलोचना श्री जी के प्रिय आध्यात्मिक संबंधों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द कोठारी ने करते हुए कहा कि गुरुवर्या जी के कर कमलों से ही आज से 25 वर्ष पूर्व श्री जिन कुशल सूरी जैन धार्मिक पाठशाला और श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल की स्थापना हुई थी एवं मन्दिर जी और आराधना भवन में सुविकसित परम्परा में आगे बढ़ने का श्रेय पूज्य गुरुवर्या श्रीजी को जाता है। उन्होंने उस समय ट्रस्ट मंडल को यह प्रतिज्ञा करवाई की मन्दिर जी में लाइट का उपयोग, और सजाने हेतु लीलोत्री और फूलों का सचित्त आडम्बर युक्त वस्तुओं का उपयोग नहीं किया जाएगा। आराधना भवन में किसी भी प्रकार के चलचित्रों का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि पूज्य साध्वी वर्या जिनका हमारे बसवनगुडी श्रीसंघ में प्रथम चातुर्मास सन् 2000 में करने का गौरव है, उस समय सकल संघ के सदस्यों में बहुत उत्साह और उमंग व्याप्त था। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तनसुख राज गु-लेच्छा, खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेंद्र गुलेच्छा, सामायिक मंडल के पवनी बाफना, इन्दिरा नागौरी ने गुरुवर्या श्री जी के साथ अपने संस्मरण भी सुनाए। सामूहिक सामायिक में श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

गायों की सेवा करते वक्त देसी एवं विदेशी नस्ल की गायों में न करें भेद: मुणोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अमृतधारा गौशाला दिनेपालिया में बुधवार को मोतीलाल मुणोत की स्मृति में उनके परिजनों ने गौ पूजन एवं वृक्षारोपण किया। हेसरघट्टा गोडिया मठ के संत दंडी महाराज एवं प्रभुपाद गौशाला के प्रमुख आनंद कृष्ण दास ने गौ माता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

महेंद्र, सुरक्षा, हंसराज, आनंद मुणोत ने विभिन्न गौशालाओं को 51 लाख रुपए की सहयोग राशि के चेक दिए। महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा हम अपनी मां के दूध का कर्ज तो नहीं चुका सकते, लेकिन गौ सेवा एवं गौ रक्षा के प्रयास से गाय के दूध का कर्ज तो चुका सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा की गौशाला में गायों की सेवा करते वक्त देसी नस्ल एवं विदेशी नस्ल की गायों में भेद न करें। इस अवसर पर शिव गौ सेवा मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के मोतीलाल माली, हनुमान माली, अमृतधारा गौशाला के प्रमुख बिजे शर्मा, सर्वा की प्रमुख डॉक्टर जयश्री, जगदीश, ज्ञान फाउंडेशन से मुकुंद एवं गौतम शर्मा, कृष्ण गौशाला कोतनूर, भारतीय गौ परिवार अरसिकेरे, भगवान महावीर गौशाला बाणवार, कामधेनु गौशाला चिकमगलूरु, पिंजरापोल गौशाला टी नरसिंहपुर, ओमकार गौशाला शिवगंगा के प्रतिनिधि, रमसा एवं बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित थे। उपेंद्र कुमार ने सभी गौ भक्तों को सम्मानित किया।

गुरुदेव श्री तुलसी का 28वां महाप्रयाण दिवस मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
परम पूज्य गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी का गुरुवार को 28वां महाप्रयाण दिवस मनाया गया। मुनिश्री मोहजीत कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल हासन ने इस कार्यक्रम का आयोजन कर उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित की। आचार्य तुलसी का जीवन बहुआयामी था। उनके क्रान्तिकारी विचार न केवल समाजोत्थान से जुड़े थे। उनका चिंतन मानव जाति के कल्याण का आधार था। आचार्य तुलसी ने व्यक्ति, परिवार समाज और राष्ट्र विकास के लिए अनेक प्रयोग किए। जिसमें उन्होंने अपने आचार्यकाल में आचार्यपद का विसर्जन कर वैश्विक मानस को झकझोर दिया। विसर्जन की उस प्रेरणा को जन-जन में जागृत करने

के लिए उनके महाप्रयाण दिवस को विसर्जन दिवस के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। ये विचार मुनि मोहजीत कुमार जी ने विसर्जन दिवस पर हासन में प्रकट किए। इस अवसर पर मुनि ने समाज को प्रेरित करते हुए समय, पद, आशक्ति, स्वाद विवाद के विसर्जन की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में मुनि जयेश कुमार जी ने आचार्य तुलसी के जीवन्त अवदानों की प्रस्तुति देते हुए कहा नाम, प्रतिष्ठा या किसी वस्तु की चाह के लिए किया गया विसर्जन सिर्फ स्वार्थपूर्ण इन्वेस्टमेन्ट की तरह है, जबकि आशक्ति रहित विसर्जन अपरिग्रह की महान साधना है। आयोजन का शुभारम्भ महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा तुलसी अष्टकम से हुआ। महिला मंडल की अध्यक्ष कौशल्या तातेड ने सभी का स्वागत किया। विनीता सुराणा ने गुरुदेव की जीवन झांकी पर कविता के माध्यम से प्रस्तुति दी। नम्रता सुराणा ने आभार ज्ञापित किया।

जीतो बिजनेस नेटवर्क जेबीएन रेफरल मीट वी कनेक्ट में कई महत्वपूर्ण पहलू पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैनियों में व्यापार, वित्त और उद्योग सहित विविध क्षेत्रों में प्रभुत्व जनजात् घुट्टी में स्थापित है। व्यापार के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण और बाजार की गतिशीलता की गहरी समझ ने जैनियों में आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बचपन से स्कूली शिक्षा, अपने परिवार की मदद और एक उद्यमी भावना पर आधारित मूल्य बिजनेस करने वालों की परंपरा के महत्वपूर्ण पहलू हैं। यह बात मुख्य प्रशिक्षक हिम्मत जैन मांडोत प्रेरक वक्ता, सीएफई बेंगलूरु के संस्थापक ने जीतो चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा संचालित जीतो बिजनेस नेटवर्क

जेबीएन रेफरल मीट वी कनेक्ट में कही।

यह कार्यक्रम राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में आयोजित किया गया। उन्होंने जीतो अध्याय के विभिन्न शीर्षों के बारे में बताया। जीतो और जेबीएन नेटवर्किंग और रेफरल समूहों पर बहुत सारी जानकारी साझा की। उनकी वार्ता में व्यापारिक बारीकियों का एक अद्भुत अनुभव रहा और व्यापार जगत की एक शानदार झलक थी। उन्होंने व्यवसाय वृद्धि के लिए डिजिटल रूप से फिट रहने और प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने पर जोर दिया। पिंकी मेहता (एंकर) ने अपने काम के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए 8 मिनट की प्रस्तुति और अपने व्यवसाय का पीपीटी द्वारा विस्तार से बताया। महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा, मीना बडेरा ने विचार रखे। जेबीएन सदस्यों को 30 सेकेंड में अपने -अपने व्यवसाय के बारे में विचार रखने का अवसर दिया गया। बैठक के आँकड़े में सामूहिक उपलब्धियों में 11 जून 2024 को पारित रेफरल की कुल संख्या 10, कुल वैल्यू बिजनेस 81,580 रुपये, अब तक बंद हुआ कुल कारोबार 10,05,216 रुपये, वन-टू-वन की कुल संख्या 155 है। इस मीटिंग में सर्वश्रेष्ठ पिच-दीप्ति शाह व पूर्वी जसानी, बेस्ट ड्रेस-मीना जैन का रहा। पूर्व टीम से सुष्मिता सेठिया, भाविका कोठारी, तनुजा मेहता, कार्यसमिति सदस्य रक्षा छाजेड, संगीता बेताला उपस्थित थे। रेफरल मीटिंग का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमईएस महाविद्यालय राजाजीनगर में कन्नडा नूडी हब्बा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, विशेष अतिथि शीला, प्राचार्य शारदा एस, कन्नडा शिक्षिका एवं अन्य ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

होटलों, शादियों और समारोहों में खाने की बर्बादी रोकने के लिए किए जाएंगे उपाय: मंत्री मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि होटलों में शादी हॉल, सार्वजनिक समारोहों में लोग थाली में 10 फीसदी सामग्री छोड़कर खाना बर्बाद कर रहे हैं। हम इसे रोकने के लिए कदम उठाने को तैयार हैं। शहर के त्रिपुरवासिनी में इनक्रेडिबल चैलेंज कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान भोजन व्यवस्था अलग है और स्वास्थ्य खराब हो रहा है। पॉलिश किये हुए चावल के सेवन से जनता में मधुमेह जैसी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए रागी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि जनता और होटल मालिक तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का लाभ उठाएं। अब लोग फास्ट फूड पर ज्यादा जोर दे रहे हैं और तरह-तरह की खाद्य सामग्री उपलब्ध है। इनसे लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा है।

पहले लोग बाजरा जैसे अनाजों का उपयोग करते थे। इससे स्वास्थ्य में सुधार होता है। कर्नाटक आतिथ्य, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र का दूसरा नाम है। हमारे राज्य का मुकुटमणि बेंगलूरु एक ऐतिहासिक सम्मेलन का गवाह बन रहा है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडिया शेफ्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित होने वाली इनक्रेडिबल चैलेंज प्रतियोगिता युवा प्रतिभाओं के लिए एक मंच होगी। इस मौके पर कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी आदि उपस्थित थे।

राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और निर्दोष लोग मारे जा रहे: पी. राजीव

कानून सबके साथ समान व्यवहार करता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रदेश भाजपा महासचिव पी. राजीव ने गुरुवार को कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि छोटी-छोटी वजहों से हत्याएं हो रही हैं, क्योंकि हमें लगता है कि वर्तमान सरकार में हम कुछ भी करें, बच जाएंगे। उन्होंने मांग की कि सरकार कानून व्यवस्था को ठीक से बनाए रखे। कानून सबके लिए बराबर है। कानून सबके साथ समान व्यवहार करता है। हमारे संविधान के अनुसार कानून

के तहत सभी समान हैं। हालांकि, जैसे ही वीआईपी को लाया गया, उन्होंने पर्दा डाल दिया, मीडियाकर्मियों के साथ मारपीट की और मीडियाकर्मियों को पुलिस स्टेशन परिसर में जाने से रोक दिया।

सबकी गरिमा और जीवन की बड़ी गरिमा है। निर्दोष लोगों की जान लेने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि गृह मंत्री और पुलिस विभाग को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए ताकि किसी और निर्दोष की जान न जाए। किसी पुलिस स्टेशन पर धारा 144 लगाना किसी अन्य निजी व्यक्ति को पुलिस स्टेशन में सुरक्षा देने जैसा है। उन्होंने मीडियाकर्मियों के सवाल का जवाब देते हुए कहा, दूसरे शब्दों में, यह कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने का एक उदाहरण है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि धारा 144 का इस्तेमाल मीडिया को दूर रखने, दूसरों को दूर रखने और थाने में निजी हित की गतिविधियां चलाने या किसी को लुभाने के लिए किया जा रहा है। हत्यारा, हत्या की साजिश रचने वाला, हत्या के लिए उकसाने वाला, हत्या के सबूतों को नष्ट करने वाला, हत्या के सबूतों को गलत तरीके से पेश करने वाला- ये सभी गतिविधियां हत्या की साजिश का हिस्सा बन जाती हैं। लोगों को जांच एजेंसी और पुलिस विभाग पर से भरोसा नहीं खोना चाहिए। ऐसा करना पुलिस विभाग की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एसआईटी और पुलिस स्टेशनों का व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे लोगों में विश्वास पैदा हो।

येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
फर्स्ट फास्ट ट्रैक कोर्ट (पॉक्सो कोर्ट) ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ 14 मार्च को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अस्सी वर्षीय येदियुरप्पा पर 17 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है, जो 2 फरवरी को अपनी मां के साथ उनसे मदद मांगने आई थी। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के साथ ही मामले की जांच कर रहा आपराधिक जांच

विभाग (सीआईडी) अब भाजपा नेता को गिरफ्तार करने की दिशा में कदम उठाएगा।

सूत्रों ने बताया कि सीआईडी की टीमें उनकी तलाश में जुट गई हैं। येदियुरप्पा भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं। उनके कार्यालय द्वारा जारी यात्रा योजना के अनुसार येदियुरप्पा नई दिल्ली में हैं। मामले में पीड़ित द्वारा कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर करने के बाद, जिसमें पूछा गया था कि आरोपी को अभी तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है, सीआईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री को 12 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए समन जारी किया। येदियुरप्पा ने जवाब दिया कि वह नई दिल्ली में हैं और 17 जून को पूछताछ के लिए उप-स्थित होंगे।

इसने सीआईडी को बेंगलूरु के फास्ट ट्रैक कोर्ट 1 में पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग करते हुए एक आ-वेदन दायर करने के लिए प्रेरित किया। अदालत ने गुरुवार की शाम को येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

संघवी प्रकाश भंसाली अध्यक्ष राजेन्द्र गुलेच्छा मंत्री बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ, बेंगलूरु द्वारा आयोजित आम सभा में निवर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल भंसाली द्वारा नूतन अध्यक्ष के लिए प्रस्तावित संघवी प्रकाश भंसाली को सर्वसम्मति से वर्ष 2024-2026 कार्यकाल के लिए अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। नव मनोनीत अध्यक्ष द्वारा गठित कार्यसमिति में सलाहकार के रूप में निर्भयलाल गुलेच्छा, महेंद्र रांका, तेजराज मालानी, संघवी तेजराज गुलेच्छा, संघवी विजयराज दोशी, रंजीत ललवानी, पुखराज कवाड़ को नियुक्त किया गया। साथ ही पदाधिकारियों में

अध्यक्ष संघवी प्रकाश भंसाली, उपाध्यक्ष राजेन्द्र भंसाली, उपाध्यक्ष भरत रांका, मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष विकास पारख, सह मंत्री वीरचंद चोपड़ा, सह मंत्री गौतम कोठारी, प्रचार प्रमुख कैलाश संकलेचा और प्रचार उप-प्रमुख विक्रम गुलेच्छा की नियुक्ति हुई। समिति सदस्यों में अचल बाफना, अनिल भडकतिया, अनिल कांकरिया, भरत कपूर पालरेचा, दीपक छाजेड़, जितेंद्र कवाड़, कल्पेश लुंकड, कैलाश छाजेड़, नवरतन गुलेच्छा, नीलेश मेहता, पंकज बाफना, प्रकाश भंसाली, प्रकाश पारख (हाल-ावाला), प्रकाश फोफलिया, रविन्द्र बोहरा (हालावाला) और सुनील गुलेच्छा शामिल हैं।

गौतमचंद धारीवाल बने केंद्रीय मानवाधिकार संगठन नई दिल्ली के राष्ट्रीय सह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
समाजसेवा में अपनी विशिष्ठ पहचान रखने वाले फूलो की नगरी बेंगलूरु की धरा से गौतम चांद धारीवाल को केंद्रीय मानवाधिकार संगठन नई दिल्ली के राष्ट्रीय सह मंत्री पद पर नियुक्त किया है। गौतमचंद धारीवाल पहले कई वर्षो से इस संगठन के कर्नाटक के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस संस्था से जुड़कर गौतमचंद धारीवाल ने मानवता सेवा के कई कार्यों को पूर्ण किया। गौतमचंद धारीवाल वर्तमान में भारत भर की कई संस्थाओं में कई पदों पर कार्यरत है। इन्ही कार्यों को देखते हुए राष्ट्रीय चेयरमैन मिलिंद दही वाले ने गौतमचंद धारीवाल को संगठन में राष्ट्रीय सहमंत्री पद का दायित्व सौंपा।

राज्य में कांग्रेस सरकार आने के बाद कानून व्यवस्था पूरी तरह से हुई ध्वस्त : अशोक

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर टीपू का कब्जा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गुरुवार को हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार आने के बाद कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर टीपू का कब्जा हो गया है।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद लगातार मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं। भारत माता की जय, वंदे मातरम बोलने पर हमला हो रहा। उन्होंने कहा कि ये दंगे कांग्रेस सरकार आने के बाद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भाजपा मुख्यालय में बैठक कर संघर्ष की रूपरेखा तय करेंगे। यह तालिबान सरकार है। उन्होंने चिल्लाकर कहा कि यही वह सरकार है जिसने अल्पसंख्यकों के साथ इस तरह का व्यवहार किया है। अशोक ने शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की, जिन्होंने अन्नपूर्णेश्वरी पुलिस स्टेशन के आसपास निषेधाज्ञा लगाने का निर्देश दिया था। बी दयानंद ने किसी को खुश करने के लिए थाने में निषेधाज्ञा लगा रखा है। क्या उन्हें थाने के 200 के आसपास धारा 144 लगाने का अधिकार है? पहले दयानंद को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। मेरे पास गृह मंत्री के तौर पर काम करने का अनुभव भी है। कोई भी मामला हो, अधिकारियों को स्टेशन पर निषेधाज्ञा लगाने के निर्देश नहीं दिए गए। दयानंद को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या सरकार ने इसके लिए अनुमति दी है या पुलिस ने स्वैच्छिक निर्णय लिया है। संविधान ही कहता है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। कहने की जरूरत नहीं कि थाने को कवर करने का मकसद दर्शन के मामले को रफा-दफा करना है। उन्होंने संदेह जताया कि वह उन लोगों को बचाने जा रहे हैं जिन्होंने उनकी पार्टी की ओर से प्रचार किया था। अभिनेता दर्शन को सिनेमा से दूर रखने की बहस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इस पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हो रही है। फिल्म चैंबर को उचित कार्रवाई करनी चाहिए। सच सामने आने दीजिए, फिर प्रतिक्रिया देंगे। मारा गया व्यक्ति कोई उपद्रवी व्यक्ति नहीं था। किसी आपराधिक गतिविधि की कोई पृष्ठभूमि नहीं। मामूली बात पर हत्या कर दी गई। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि यह पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर एक धब्बा है।

सरकार को मानवीय दृष्टिकोण से मदद करनी चाहिए। मृतक की पत्नी कह रही है कि उसे अफसोस है कि वह गर्भवती थी और ऐसी स्थिति में अपने पति को खोना बहुत दुखद था।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में दर्शन के सह-कलाकार प्रदोष और सहयोगी नागराज गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने कन्नड़ सिनेमा स्टार और हत्या के आरोपी दर्शन थुगुदीपा के करीबी सहयोगी नागराज और सह-कलाकार प्रदोष को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नागराज दर्शन के सभी लेन-देन को देख रहा था। वह मैसूरु में दर्शन के फार्महाउस की भी देखभाल कर रहा था। जब से पुलिस ने दर्शन, उसकी दोस्त और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और 11 अन्य गुर्गों को गिरफ्तार किया है, तब से नागराज फरार था। पुलिस सूत्रों ने हत्या में प्रदोष की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। प्रदोष ने कुछ फिल्मों में छोटी भूमिकाएँ निभाई थीं, जिनमें दर्शन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। दर्शन और उसके गिरोह को 8 जून की रात को चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी

की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है, जिस पर पवित्रा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजने का आरोप है। उसके बाद उसके शव को कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन की सीमा में एक नाले में फेंक दिया गया। पुलिस को हत्या के बारे में तब पता चला जब एक फूड डिलीवरी बॉय ने उन्हें कुत्तों द्वारा एक व्यक्ति के शव को खाने की सूचना दी।

सीएम ने कांग्रेस नेताओं को दर्शन के मामले पर बयान न देने की चेतावनी दी

पुलिस मामले की जांच कर रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने कैबिनेट सदस्यों और पार्टी नेताओं को निर्देश दिया है कि वे अभिनेता दर्शन के मामले में गलत बयानबाजी न करें और जांच एजेंसी पर अनुचित दबाव न डालें।

कहा जा रहा है कि कांग्रेस के कई विधायकों, नेताओं और कुछ विपक्षी विधायकों ने अभिनेता दर्शन के मामले को प्रभावित करने की कोशिश की। लेकिन सिद्धरामैया ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा पुलिस मामले की जांच कर रही है। सच सामने आने दीजिए।

बताया जा रहा है कि सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी इस मामले में दखल न दे। दर्शन के मामले के अलावा मंत्रियों और विधायकों के पास और भी काम हैं। पिछले तीन माह से चुनाव आचार संहिता के कारण प्रशासनिक व्यवस्था ठप थी। अब आचार संहिता स्पष्ट हो गई है। बजट में घोषित परियोजनाओं को पूर्ण रूप से क्रियान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के मंत्रियों को इस संबंध में अधिक ध्यान देने का निर्देश दिया है। पुलिस दर्शन के मामले में साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करेगी। जो गलत होगा उसे सजा मिलेगी। निर्दोषों को घबराने की जरूरत नहीं है। इस मामले में पुलिस पर दबाव बनाना या प्रभावित करना ठीक नहीं है। बताया जा रहा है कि सीएम ने नोटिस दिया है कि ऐसे मामले उनके संज्ञान में आने पर बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे। अभिनेता दर्शन ने पिछले लोकसभा चुनाव में मांड्या निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार के लिए प्रचार किया था। पिछले चुनावों में, वह एक गैर-पार्टी उम्मीदवार सुमलता के प्रचार में शामिल थे। विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस और भाजपा में फर्क किए बिना अपने करीबी उम्मीदवारों के निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार किया।

अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन के आसपास निषेधाज्ञा लागू

अभिनेता दर्शन और उनके सहयोगी वहां मौजूद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन के 200 मीटर के दायरे में गुरुवार से पांच दिनों के लिए सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है, जहां अभिनेता दर्शन और उनके 12 सहयोगी, जो रेणुकास्वामी की हत्या के आरोपी हैं, मौजूद हैं। यह आदेश बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जारी किया गया है, जो आम लोगों और स्टेशन पर आने वाले लोगों के लिए असुविधा का कारण बन रही है। पुलिस स्टेशन के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्र हुए और दर्शन के समर्थन में नारे लगाते हुए उपद्रव मचाया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया था, लेकिन पिछले दो दिनों में संख्या बढ़ती गई।

बुधवार को भी जब दर्शन और उनके साथियों को पटनागेरे शेड में स्पॉट महाजर के लिए ले जाया गया, जहां 33 वर्षीय रेणुकास्वामी को क्रूरता से प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई, तब भी भारी भीड़ एकत्र हुई और नारेबाजी की गई।

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने खुफिया सूचनाओं की पुष्टि की और गुरुवार से 17 जून तक पांच दिनों के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। जब तक आदेश लागू है, तब तक पांच से अधिक लोगों की भीड़ इकट्ठा करना, बैठक करना, विरोध प्रदर्शन करना या किसी भी तरह के तख्तियां और पोस्टर प्रदर्शित करना प्रतिबंधित है।

इस बीच, थाने के सामने डेरा डाले मीडिया प्रतिनिधियों ने पुलिस अधिकारियों पर उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। गृह मंत्री जी. परमेश्वर से भी शिकायत की गई है, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि वे इस मामले की जांच करेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे। पुलिस ने एहतियात के तौर पर थाने को ढकने के लिए एक ऊंचा पंडाल लगाया है। इस बीच, रेणुकास्वामी की हत्या में दर्शन और 12 सह-आरोपियों की वास्तविक भूमिका का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

रेणुकास्वामी हत्या मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी: मंत्री चेलुवरायस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के कृषि मंत्री चेलुवरयास्वामी ने कहा कि चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी मामले में 100 फीसदी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।

विधानसौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले प्रज्वल रेवन्ना के मामले में बिना किसी प्रभाव में आए निष्पक्ष जांच की गई थी। इसी तरह दर्शन के मामले में भी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। पुलिस जांच एक कदम है। फिर बात कोर्ट तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि सजा देने, जमानत देने और मान्यता देने का फैसला अंततः अदालत ही करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दर्शन के मामले में किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति का हस्तक्षेप नहीं होगा।

पीड़ित परिजनों की मांग : रेणुकास्वामी हत्या मामले की जांच सीबीआई को सौंपा जाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारे गए रेणुकास्वामी के परिवार ने इस बात पर जोर दिया है कि मामला सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें संदेह है कि अभिनेता दर्शन के मामले में राज्य पुलिस न्याय दिला पाएगी। जांच कर रही पुलिस थाने के आसपास टेंट लगाकर दर्शन को

छुपाने की कोशिश कर रही है। विचाराधीन आरोपियों को बिरयानी सहित स्वादिष्ट भोजन दिया जा रहा है। ऐसे में जांच में न्याय मिलेगा इसमें संदेह है। इस पृष्ठभूमि में यह मांग की जा रही है कि मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। बुधवार को वीरशैव महासभा की ओर से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और शहर पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले में पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग की गई थी। इसके बावजूद, दर्शन के मामले में नरम रुख अपनाए जाने का संदेह लोगों को परेशान कर रहा है। इसलिए मांग की जा रही है कि पूरे मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया जाए।

येदियुरप्पा से नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोप में पॉक्सो मामले में पूछताछ की जाएगी: गृह मंत्री

आवश्यक हुआ तो अधिकारी उन्हें गिरफ्तार करने का लेंगे निर्णय

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने स्पष्ट किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा से नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोप में पॉक्सो मामले में पूछताछ की जाएगी और यदि आवश्यक हुआ तो सीआईडी अधिकारी उन्हें गिरफ्तार करने का निर्णय लेंगे। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें उपलब्ध जानकारी के मुताबिक सीआईडी अधिकारियों ने येदियुरप्पा को सुनवाई में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें आकर अपना बयान दर्ज कराना होगा। मामले में 15 तारीख तक आरोप पत्र दाखिल किया जाना चाहिए। उससे पहले जरूरी प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि बयान प्राप्त कर उसे प्रस्तुत करने सहित अन्य कदम उठाये जायेंगे। क्या मामले की जांच कर रहे सीआईडी जांचकर्ताओं को येदियुरप्पा को गिरफ्तार करना चाहिए के जवाब में उन्होंने कहा यदि आवश्यक हो तो गिरफ्तारियां करें।

उन्होंने बताया कि मैं इस मामले पर कुछ नहीं कहूंगा। उन्होंने कहा कि वह इस आरोप की जांच करेंगे कि एसीपी भरत रेड्डी ने बेंगलूरु में दर्शन के मामले पर रिपोर्टिंग कर रहे मीडियाकर्मियों के साथ मारपीट की थी, और कहा कि अगर हमला किया गया तो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। परमेश्वर ने कहा कि पुलिस विभाग में जो भी चूक करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और अगर कोई गलत काम पाया जाता है तो नियमानुसार निलंबन, जांच और मामला दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। सीआईडी अधिकारियों ने वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आंध्र प्रदेश में एक को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कर्नाटक होई कोर्ट में एक याचिका दायर की

इससे पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ पॉक्सो मामले को रद्द करने की मांग करते हुए कर्नाटक होई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। सीआईडी द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद उन्होंने इस मामले को रद्द करने की मांग की। पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने हाई कोर्ट में अपील की कि इस मामले को रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ अपराध के साबित करने के लिए कुछ नहीं है। ज्ञातव्य है किएक महिला ने बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक के पूर्व सीएम ने उनकी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना दो फरवरी को एक बैठक के दौरान हुई। येदियुरप्पा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक महिला उनके घर आई थी। वह रोते हुए कह रही थी कि कुछ समस्या है। पूर्व सीएम ने आगे कहा, मैंने उससे पूछा कि मामला क्या है और मैंने खुद पुलिस को फोन किया। कमिश्नर को मामले की जानकारी दी और उनसे उसकी मदद करने को कहा। बाद में महिला मेरे खिलाफ बोलने लगी। मैंने यह मामला पुलिस कमिश्नर के ध्यान में लाया है। येदियुरप्पा ने कहा वह यह नहीं कहेंगे कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद है।

मदिकेरी में अग्निवीर भर्ती रैली 27 जून से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आगामी 27 जून से 2 जुलाई तक मदिकेरी में अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। रैली का आयोजन हेड क्वार्टर रिक्रूटिंग जोन बेंगलूरु द्वारा मदिकेरी के जनरल थिमय्या जिला मैदान में किया जा रहा है।

यह रैली कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) में शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए है, जो 22 अप्रैल से 7 मई तक आयोजित की गई थी। यह रैली सेना में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, ऑफिस असिस्टेंट/स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन 10वीं पास और अग्निवीर ट्रेड्समैन 8वीं पास श्रेणियों के लिए नामांकन के लिए आयोजित की जा रही है। यह रैली कर्नाटक के बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, तुमकुरु, मांड्या, मैसूरु, बल्लारी, चामराजनगर, रामनगर, कोडागु, कोलार, चिक्कबल्लापुर, हासन, चित्रदुर्ग और विजयनगर जिलों के शॉर्टलिस्ट किए गए पुरुष उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि नागरिक प्रशासन रैली के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। सभी बाहरी उम्मीदवारों के लिए फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा मेमोरियल हॉल, मदिकेरी में आवास की व्यवस्था की जा रही है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड पहले ही उनके संबंधित पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेज दिए गए हैं, और वे अपने यूजरनेम और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन करने पर ज्वाइन इंडियन आर्मी वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

कर्नाटक में दूषित पानी पीने से दो लोगों की मौत

कई लोगों का इलाज जारी

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के मधुगिरी तालुक के चिन्नाहल्ली गांव में दूषित पानी पीने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मृतक चिक्कदासप्पा (76) और पेद्दान्ना (72), जिनकी बुधवार को यहां एक अस्पताल में मौत हो गई, वे उन लगभग सौ लोगों में शामिल थे, जो 10 जून को गांव के मेले के दौरान एक ओवरहेड टैंक और एक पेयजल इकाई से आपूर्ति किए गए पानी को पीने के बाद बीमार हो गए थे। परमेश्वर, जो जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने गुरुवार को अस्पताल का दौरा किया और इलाज करा रहे लोगों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संवाददाताओं से कहा चिन्नाहल्ली में एक मंदिर मेले का आयोजन किया गया था और ऐसी खबरें हैं कि दूषित पानी पीने के कारण सौ से अधिक लोग उल्टी और दस्त से पीड़ित हैं। उनमें से कुछ लोग मधुगिरी, कोराटेगेरे और तुमकुरु के निजी अस्पतालों में भर्ती हुए और जिला प्रशासन ने भी प्रभावित लोगों को तुमकुरु अस्पताल में भर्ती कराया।

उन्होंने कहा कि यहां के अस्पताल में दो लोगों की मौत हो गई है। एक निजी अस्पताल में तीन साल की बच्ची समेत कई लोगों की मौत की खबरों पर उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी और कहा हम निजी अस्पताल में हुई मौतों के बारे में जानकारी जुटाएंगे और इस घटना के कारण कुल मौतों का पता लगाने की कोशिश करेंगे।

मंत्री ने कहा कि गांव के पीडीओ (पंचायत विकास अधिकारी) और वाटरमैन को निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उन्होंने एहतियाती कदम नहीं उठाए। जांच के अनुसार, पानी के कनेक्शन का काम चल रहा था और जेसीबी (निर्माण उपकरण) के कारण पानी की पाइपों में नुकसान के कारण दूषित पानी मिल गया। कुछ परीक्षण रिपोर्ट आ गई हैं, कुछ और आने का इंतजार है, जिनसे हमें और जानकारी मिलेगी। परमेश्वर ने कहा कि अस्पताल में अभी भी कई लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इसे सबक के तौर पर लेते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक बुलाई है और जिले में जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करेंगे।

अगले कुछ दिनों तक बारिश रहेगी जारी

तटीय जिलों में यलो अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले कुछ दिनों से बेंगलूरु सहित राज्य के अन्य हिस्सों में जारी बारिश गुरुवार को भी जारी रही। गुरुवार दोपहर को शहर में अचानक तेज बारिश से यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुई।

वहीं मेंगलूरु और उडुपी समेत अन्य तटीय जिलों में मानसून ने जोर पकड़ लिया है। बुधवार को पूरे दिन रुक-रुक कर भारी बारिश होती रही। दक्षिण कन्नड़ जिले के विट्टल, पेरुवाई, कन्याना, मुदिपु, कोटेकर, बीरी, बेल्टंगडी, धर्मस्थल, उजीरे, बंटवाल, मद्यंतरू, पुत्तूर, उप्पिनंगडी, इलांथिला, कराया, पेरने, सुल्लिया, सुब्रमण्य, बेल्लारे, मूडबिद्री और उल्लाल में भारी बारिश हुई।

उडुपी में बुधवार को हुई लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में नुकसान और तबाही की खबरें हैं। कुंदापुर और ब्रह्मवर में भारी बारिश हुई, जबकि उडुपी शहर, मालपे और मणिपाल में रुक-रुक कर मध्यम बारिश हुई। बारिश से कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 16 जून तक यलो अलर्ट घोषित किया गया है, जिसमें तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना है।

खाद, बीज बोने की कीमतें तय कर किसानों को भटकने से बचाएं: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मांग की है कि अब भी सरकार को पहले की तरह बीज बोने की कीमत तय करनी चाहिए और किसानों को खाद के लिए भटकने से रोकना चाहिए।

उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट किया और अपनी निराशा व्यक्त की कि जिस राज्य सरकार को देश के किसानों के लिए कोई चिंता नहीं है, उसे रोजाना एक के बाद एक

समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सूखे से परेशान किसानों को सूखा राहत नहीं देने वाली इस सरकार ने अब बारिश आने के बाद से मानसून की बुआई की तैयारी के बीच बीज की कीमत बढ़ाकर न केवल अन्नदाताओं पर बोझ बढ़ा दिया है, बल्कि उन्हें विफल भी कर दिया है। बुआई के लिए आवश्यक खाद इकट्ठा करने के लिए किसानों को भटकना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि वे सरकार से आग्रह करेंगे कि किसानों को खाद के लिए भटकने से बचाने के लिए बीज बोने का मूल्य पूर्व मूल्य पर तय किया जाये।

पूर्व विधायक ने दर्शन की फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व विधायक और भाजपा नेता ए.टी. रामास्वामी ने चित्रदुर्ग के एक युवक की हत्या के आरोपी अभिनेता दर्शन की फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें कर्नाटक फिल्म चैंबर्स से बाहर निकालने की मांग की है।

हासन में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रामास्वामी ने कहा कि अभिनेता के खिलाफ मामला गंभीर है। उन्होंने और उनके साथियों ने एक युवक की हत्या इस तरह की, जैसा कि फिल्मों में देखा जा

सकता है। उन्होंने कहा एक अभिनेता होने के नाते उन्हें देश की संस्कृति और समृद्ध विरासत को बनाए रखना चाहिए। लेकिन उनके कृत्य से पता चलता है कि लोकप्रियता और पैसे ने व्यक्ति को कैसे प्रतिबद्ध बना दिया।

मशहूर हस्तियों को अपने अच्छे कामों से नाम कमाना चाहिए। अतीत के सितारों ने ऐसे दृश्यों में अभिनय करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्हें धूम्रपान या शराब पीना था। लेकिन, अब हम केवल नैतिकता का पतन देख रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि दर्शन पर पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल होने का आरोप था। हालांकि, वह बच निकला। उस समय उसे दोषी नहीं ठहराया गया।

अगर उसे उसके पिछले अपराधों के लिए दंडित किया गया होता, तो वह यह अपराध करने की हिम्मत नहीं करता। उन्होंने कहा कि कम से कम अब तो राज्य सरकार को मामले की उचित जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसे उसके किए गए अपराध के लिए दंडित किया जाए।

सफाई कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष ने दपरे महाप्रबंधक के साथ की सार्थक बैठक

विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
सफाई कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष एम. वेंकटेशन ने बुधवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव के साथ रेलवे क्षेत्र में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के कल्याण और कार्य स्थितियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने और उनका समाधान करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। वेंकटेशन ने सफाई कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें बेहतर स्वच्छता सुविधाएं, सुरक्षात्मक गियर का प्रावधान और नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर वेतन भुगतान, वेतनमान में संशोधन और सफाई कर्मचारियों को चिकित्सा बीमा, छुट्टी, बोनस जैसे अतिरिक्त लाभ देने के बारे में चर्चा की गई। अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों के विभिन्न पहलुओं जैसे कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, बरसात के मौसम में जूते, रेन जैकेट की उपलब्धता और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने यह भी देखा कि दक्षिण-पश्चिम रेलवे श्रमिक कल्याण पोर्टल में अनुबंध कर्मचारियों के डेटा को अनिवार्य रूप से अपडेट करना सुनिश्चित कर रहा है। बैठक में सफाई कर्मचारियों के प्रति सम्मान और गरिमा को बढ़ावा देने तथा भेदभाव और कलंक को समाप्त करने के लिए रेलवे कर्मचारियों के बीच जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया गया। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा सुझाए गए उपायों को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने रेलवे परिसर की स्वच्छता और सफाई में सफाई कर्मचारियों के अमूल्य योगदान की सराहना की तथा इन आवश्यक कर्मचारियों के लिए कार्य वातावरण और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कांग्रेस गारंटी योजनाओं को बंद कर सकती है: जगदीश शेट्टर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेलगावी से चुनाव जीतने वाले भाजपा नेता जगदीश शेट्टर ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन के कारण कांग्रेस सरकार गारंटी योजनाओं को बंद कर सकती है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा लोकसभा चुनावों में अपने खराब अनुभव के कारण कांग्रेस नेत-ाओं ने गारंटी को दोष देना शुरू कर दिया है और उनके खिलाफ अभियान चला रहे हैं। अधिकांश कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सभी गारंटी योजनाओं को बंद करने के लिए मजबूर करेंगे। मुझे इस बात का पूरा भरोसा है। शेट्टर ने कहा कांग्रेस नेताओं ने सोचा था कि गारंटी योजनाओं के कारण वे आसानी से ये चुनाव जीत जाएंगे। वे भूल गए कि ये लोकसभा चुनाव हैं जो राष्ट्रवाद, सुरक्षा और देशभक्ति जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं। इससे कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई। इस देश के लोगों ने दिखा दिया है कि वे लोकसभा चुनावों के लिए अलग तरह से सोचते हैं। लोगों ने कांग्रेस को वास्तविकता का एहसास करा दिया है।

लोकसभा चुनाव में मुझे अन्य पार्टियों के नेताओं का भी मिला समर्थन

बेलगावी से लोकसभा चुनाव जीतने वाले भाजपा नेता जगदीश शेट्टर ने दावा किया कि उन्हें अपनी पार्टी के अलावा अन्य पार्टियों के कुछ नेताओं से भी मदद मिली है। उन्होंने कहा मुझे अन्य पार्टियों के कुछ नेताओं से भी मदद और समर्थन मिला है। हालांकि, मैं अभी उनका नाम नहीं लूंगा। मैं उचित समय पर उनके नामों का खुलासा करूंगा। उन्होंने कहा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अनंत कुमार कहा करते थे कि चुनाव परिणाम आंतरिक और बाहरी ताकतों के बीच की अंतर्क्रिया का परिणाम होते हैं। मेरे चुनाव में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। लेकिन मैं अभी इस बारे में बात नहीं करना चाहता।

मैं सही समय पर उन विपक्षी पार्टी के नेताओं के नामों का खुलासा करूंगा। हालांकि, उन्होंने चिक्कोडी संसदीय सीट के चुनाव नतीजों को लेकर कांग्रेस नेताओं के बीच पैदा हुए मतभेदों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कोई भी नेता उनसे संपर्क में नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की समस्याओं में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे लगता है कि हमें कांग्रेस को अपने मुद्दों का सामना खुद ही करने देना चाहिए।

चिकमगलूरु, शिवमोग्गा में डेंगू के मामलों में वृद्धि

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
चिकमगलूरु और शिवमोग्गा में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़ रही है, जिससे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों को संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए कदम उठाने पड़ रहे हैं। इस साल 1 जनवरी से अब तक चिकमगलूरु जिले में डेंगू के 346 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, इनमें से 156 मामले अकेले जून में सामने आए हैं। गुरुवार तक 49 लोगों का इलाज चल रहा है। चिकमगलूरु के जिला स्वास्थ्य अधिकारी अश्वथ बाबू के अनुसार, अभी तक डेंगू से कोई मौत नहीं हुई है। अधिकारी ने कहा हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। कर्मचारी लार्वा सर्वेक्षण और बुखार सर्वेक्षण कर रहे हैं। विभाग द्वारा बुखार क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। शिवमोग्गा जिले में इस साल अब तक 221 मामले सामने आए हैं। शिवमोग्गा के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नटराज ने कहा बीते दिनों में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद शिवमोग्गा में मामलों में वृद्धि हुई है। हम लार्वा सर्वेक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि डेंगू के कारण कोई मौत नहीं हुई है। उन्होंने कहा एक विशिष्ट पैनल द्वारा उचित मृत्यु ऑडिट के बाद ही हमें मौतों के बारे में पता चलता है। ऐसे मामले हो सकते हैं जहां लोगों की मौत कई कारणों से हुई हो। पैनल के विशेषज्ञ इस पर फैसला लेंगे। अधिकारी ने कहा कि विभाग के कर्मचारी संवेदनशील क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से मच्छरों के प्रजनन स्रोतों और साफ पानी के ठहराव की जांच करने की अपील कर रहे हैं। डेंगू एडीज एजिप्टी के काटने से फैलता है। संक्रमित लोगों को तेज बुखार और सिरदर्द के साथ-साथ अन्य लक्षण भी होते हैं।

शिवमोग्गा जिला प्रशासन ने बकरीद से पहले की शांति बैठक

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिवमोग्गा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने 18 जून को मनाए जाने वाले बकरीद त्योहार के मद्देनजर गुरुवार को विभिन्न समुदायों के नेताओं के साथ शांति बैठक की।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे धार्मिक उत्साह के साथ त्योहार मनाएं और सुनिश्चित करें कि कोई अप्रिय घटना न हो। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त गुरुदत्त हेगड़े ने कहा कि वह चाहते हैं कि सभी समुदाय के लोग एकजुटता दिखाते हुए उत्सव में शामिल हों। प्रशासन शांतिपूर्ण उत्सव के लिए सहयोग करेगा। अधिकारी ने लोगों को सुझाव दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी जानकारी के बारे में बिना पुष्टि किए कोई भी बयान या तस्वीर पोस्ट करते समय सावधानी बरतें। उन्होंने कहा इस तरह की सामग्री को प्रचारित करने से समाज को किसी भी तरह से मदद नहीं मिलेगी, सिवाय दूसरों को भड़काने के। अगर किसी को भी किसी अप्रिय घटना के बारे में पता चलता है, तो उसे प्रशासन के ध्यान में लाना चाहिए। समुदायों के नेताओं को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने समुदायों के बुजुर्गों से अपील की कि वे युवाओं को विश्वास में लें और सुनिश्चित करें कि वे किसी भी घटना से भड़के नहीं।

पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने कहा कि कुछ उपद्रवी छोटी-छोटी घटनाओं को महिमामंडित करके स्थिति का फायदा उठाते हैं। ऐसे हालात में समुदायों के नेताओं को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई अप्रिय घटना न हो।

पुलिस संवेदनशील इलाकों में मोहल्ला स्तरीय बैठकें और बीट कमेटी की बैठकें कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने सुझाव दिया कि लोग जब भी किसी अप्रिय घटना के बारे में जानें तो पुलिस को सूचित करें। युवाओं को बताया जाना चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक फोटो या वीडियो अपलोड न करें। उन्होंने कहा पुलिस ने पिछले तीन सालों में शांति भंग करने वाले लोगों की पहचान की है, उन्हें चेतावनी दी गई है और कुछ लोगों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जिले से बाहर भेज दिया गया है। बैठक में शिवमोग्गा नगर निगम आयुक्त मयन्ना गौड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार भूमरेड्डी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक-2 ए.जी. करियप्पा और समुदायों के नेता मौजूद थे।

देश को अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर रहेगा जोर: राजनाथ

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि अगले पांच वर्षों के दौरान देश को अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। श्री सिंह ने लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद कहा कि अगले पांच वर्षों के दौरान अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना के लिए नए सिरे से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने कहा,प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमारा उद्देश्य रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ देश के सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करना होगा। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों का कल्याण हमारा मुख्य फोकस रहेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में रक्षा निर्यात को बढ़ाना उनका उद्देश्य होगा। उन्होंने कहा, वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। यह ऐतिहासिक था । हमारा लक्ष्य 2028-2029 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा उपकरण निर्यात करने का होगा।

श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियारों और प्लेटफार्मों से लैस किया जा रहा है और वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने वीरता और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सैन्य कर्मियों की सराहना की। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली नई सरकार के तहत रक्षा मंत्रालय की पहले 100 दिनों की कार्य योजना पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पूर्व सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को 100 दिनों की कार्य योजना में निर्धारित एजेंडे को पूरा करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का निर्देश दिया।

रक्षा तैयारियों को बढ़ाने और रक्षा में आत्मनिर्भरता पर निरंतर जोर देने के उद्देश्य से, रक्षा मंत्री ने कहा कि वह प्रमुख योजनाओं और रक्षा मंत्रालय की पहलों की प्रगति में तेजी लाने के लिए नियमित समीक्षा बैठकें करेंगे। हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए, रक्षा मंत्री ने इस कार्यकाल में अपनी पहली यात्रा पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम में करने का फैसला किया है, जिसमें वह अधिकारियों और नाविकों के साथ बातचीत करेंगे।

इससे पहले श्री सिंह के रक्षा मंत्रालय के कार्यालय साउथ ब्लॉक पहुंचने पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव गिरधर अरमाने, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी तथा रक्षा मंत्रालय के अनेक शीर्ष अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। लखनऊ लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार जीत कर लोकसभा पहुंचे श्री सिंह को वर्ष 2019 में पहली बार रक्षा मंत्री बनाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री के तौर पर उनके कामकाज पर भरोसा करते हुए उन्हें इस बार भी रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में उन्हें गृह मंत्री की जिम्मेदारी दी गई थी। कार्यभार संभालने के बाद श्री सिंह ने उन पर भरोसा जताने के लिए श्री मोदी को धन्यवाद दिया।

नीट परीक्षा : कोई साठगांठ पाई जाएगी, तो कार्रवाई होगी: प्रधान

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए गुरुवार को कहा कि पार्टी इस गलतफहमी में न रहे कि कोई भी साठगांठ पाई जायेगी, तो उस पर कार्रवाई नहीं होगी।

श्री प्रधान ने कहा है कि नीट परीक्षा के मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए उचित कार्रवाई करने के लिये कटिबद्ध है। न्यायालय के निर्देश के मुताबिक 1563 विद्यार्थियों की परीक्षा दोबारा कराई जायेगी। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे द्वारा एक्स पर किये गये एक पोस्ट का जवाब देते हुये कहा, नीट परीक्षा मामले में एनटीए उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुये उचित कार्यवाही करने को कटिबद्ध है। माननीय शीर्ष अदालत के निर्देशानुसार 1563 विद्यार्थियों की परीक्षा दोबारा करायी जायेगी।

उन्होंने कहा, परीक्षा में किसी प्रकार की धांधली, भ्रष्टाचार या पेपर लीक का कोई भी पुख़्ता सबूत अभी तक सामने नहीं आया है। इससे संबंधित सारे तथ्य उच्चतम न्यायालय के सामने हैं और विचाराधीन हैं। मैं कांग्रेस को यह याद दिलाना चाहता हूं कि पेपर लीक रोकने और नक़ल रहित परीक्षा के लिए केंद्र सरकार ने इसी साल सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक को पारित किया है, जिसमें कई कड़े प्रावधान हैं। कांग्रेस इस ग़लतफ़हमी में न रहे कि कोई भी साठगांठ पायी जायेगी, तो उस पर कार्रवाई नहीं होगी। इस अधिनियम के प्रावधानों को बहुत बारीकी से अमल में लाया जायेगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, छात्रों के भविष्य पर राजनीति करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। राजनीतिक रोटियां सेकने के बजाय कांग्रेस को भारत के विकास में योगदान देना चाहिये। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर जिस तरह की राजनीति की जा रही है, वह केवल भ्रम फैलाने की कोशिश है और इससे विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति पर असर पड़ता है। वर्तमान में नीट की काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होने जा रही है और इसे राजनीति का विषय बनाना न केवल अनुचित है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। केंद्र सरकार का ध्यान हमेशा विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने पर है।

उन्होंने कहा, विपक्ष मुद्दाविहीन है, ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर विपक्ष बिना तथ्य जाने सिर्फ झूठ फैला रहा है। कांग्रेस अपनी ओछी राजनीति के लिए देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। गौरतलब है कि श्री खडगे ने नीट विवाद के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए 'एक्स' पर लिखा, नीट परीक्षा में बैठे 24 लाख़ छात्र-छात्राओं का भविष्य मोदी सरकार के कारनामों से दांव पर लग गया है। परीक्षा केंद्र और कोचिंग सेंटर का एक नेक्सस बन चुका है, जिसमें पैसे दो-पेपर लो का खेल खेला जा रहा है। मोदी सरकार एनटीए के कंधों पर अपनी कारगुज़ारियों का दारोमदार रखकर, अपनी जवाबदेही से पीछा नहीं छुड़ा सकती। पूरे नीट घोटाले में कांग्रेस पार्टी उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एक निष्पक्ष जांच की मांग करती है। जांच के बाद दोषियों को कड़ी-से कड़ी सज़ा दी जाये और लाखों छात्र-छात्राओं को मुआवज़ा देकर उनका साल बर्बाद होने से बचाया जाये। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने पेपर लीक और धांधली से करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है।

विदेश राज्य मंत्री केवी सिंह ने की कुवैती विदेश मंत्री से मुलाकात, शवों को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।
विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन (केवी) सिंह ने गुरुवार को कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें पूरा समर्थन और अग्निकांड में मारे गए भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर को जल्द वापस लाने का आश्वासन दिया गया। विदेश राज्य मंत्री केवी सिंह ने गुरुवार को उन अस्पतालों में से एक का दौरा किया, जहां घायल भारतीयों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। वह कुवैत सिटी पहुंचने के बाद तुरंत जाबेर अस्पताल पहुंचे और वहां भर्ती घायल भारतीयों से मिले। मृतक 42 भारतीयों में से 14 केरल के निवासी थे और बाकी तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों के थे। भारतीयों के अलावा मरने वाले बाकी लोग पाकिस्तानी, फिलिपींस, मिस्र और नेपाल के नागरिक थे।

घायल हुए 50 से अधिक लोगों में से 35 लोग गहन देखभाल में हैं, जिनमें से सात की हालत गंभीर है। पांच लोगों को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। घायलों का इलाज कुवैत के पांच सरकारी अस्पतालों, अदन, जाबेर, फरवानिया, मुबारक अल कबीर और जाहरा अस्पतालों में किया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्देश पर, राज्य मंत्री के वी सिंह कुवैत पहुंचे हैं और आग की घटना में कल घायल हुए भारतीयों का हालचाल जानने के लिए तुरंत जाबेर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती छह घायलों से मुलाकात की। वे सभी सुरक्षित हैं। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, विदेश मंत्री अली अल-याह्या ने इस दुखद घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की। चिकित्सा देखभाल, पार्थिव शरीर को जल्द स्वदेश भेजने और घटना की जांच समेत कुवैत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया।

आगे कहा कि मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह अग्निकांड में घायल लोगों की सहायता की निगरानी करने, मृतकों के पार्थिव शरीर को जल्द वापस भेजने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए कुवैत में हैं। कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में मंगलवार को एक इमारत में आग लग गई थी। यहां मजदूर सो रहे थे। इस घटना में कम से कम 49 लोगों की जान चली गई, जिनमें से 42 भारतीय नागरिक थे। कुवैती अधिकारियों ने कहा है कि पीड़ितों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किया जायेगा। आग की घटना छह मंजिला इमारत में हुई, जहां एक निजी कंपनी के करीब 196 कर्मचारी रहते थे। शुरुआती जांच में बताया गया कि भूतल पर रसोई में आग लगी और तेजी से फैल गयी। रसाई में करीब 20 सिलिंडरों का भंडारण किया गया था जिसके कारण इतनी बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। इससे पहले बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कुवैत के विदेश मंत्री से अग्निकांड के बारे में बात की। इस घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर को जल्द वापस लाने का आग्रह किया था।

भारत ने पापुआ न्यू गिनी को भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।
भारत ने गुरुवार को भूस्खलन प्रभावित पापुआ न्यू गिनी को 19 टन राहत सामग्री भेजी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, कठिनाई के समय में एक साथ खड़े रहना चाहिए।

पापुआ न्यू गिनी के एंगा प्रांत में विनाशकारी भूस्खलन के मद्देनजर भारत ने अपने करीबी एफआईपीआईसी भागीदार को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की तत्काल सहायता देने की घोषणा की थी।

श्री जायसवाल ने कहा, घोषणा के मुताबिक लगभग 19 टन राहत सामग्री लेकर एक उड़ान आज पापुआ न्यू गिनी के लिए रवाना हुई। इन सामग्रियों में अस्थायी आश्रय, पानी की टंकी, स्वच्छता किट, खाने के लिए तैयार भोजन और छह टन आपातकालीन उपयोग की दवाएँ, डेंगू और मलेरिया डायग्नोस्टिक किट, शिशु आहार आदि सहित चिकित्सा उपकरण शामिल है। गौरतलब है कि गत 24 मई को पापुआ न्यू गिनी का एंगा क्षेत्र बड़े पैमाने पर भूस्खलन की चपेट में आ गया। वहां की राष्ट्रीय सरकार ने बताया कि 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए हैं जबकि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार मरने वालों की संख्या लगभग 670 है।

पीओके में चीनी परियोजनाओं का दृढ़ता से विरोध करेगा भारत

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।
भारत ने चीन-पाकिस्तान संयुक्त वक्तव्य में पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में अनुचित रूप से परियोजनाओं की घोषणा किए जाने पर गुरुवार को गहरी आपत्ति व्यक्त की और चेतावनी दी कि भारत के अविभाज्य हिस्से में किसी भी अनुचित गतिविधि का दृढ़ता से विरोध किया जाएगा।

चीन-पाकिस्तान संयुक्त वक्तव्य में पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को लेकर अनुचित संदर्भ पर मीडिया के सवालों के जवाब में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने चीन और पाकिस्तान के बीच 07 जून के संयुक्त बयान में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के अनुचित संदर्भों को नोट किया है।

हम ऐसे संदर्भों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। इस मुद्दे पर हमारी स्थिति सुसंगत है और संबंधित पक्षों को अच्छी तरह से पता है। संघ जम्मू-कश्मीर क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से रहे हैं, अब भी हैं और रहेंगे। किसी अन्य देश को इस पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

प्रवक्ता ने कहा, उसी संयुक्त बयान में तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत गतिविधियों और परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें से कुछ पाकिस्तान के जबरन और अवैध कब्जे के तहत भारत के संप्रभु क्षेत्र में हैं। हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को प्रभावित करने वाले इन क्षेत्रों पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे को मजबूत करने या वैध बनाने के लिए अन्य देशों के किसी भी कदम का दृढ़ता से विरोध करते हैं और उसे अस्वीकार करते हैं।

ताबड़तोड़ हमलों से डोडा और भद्रवाह जिलों में भी दहशत का माहौल

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 13 जून।
भद्रवाह और डोडा के गंडोह इलाकों में महज 24 घंटे के भीतर दो लगातार गोलीबारी की घटनाओं के बाद इन दोनों जिलों में भय का माहौल है, जिसमें पांच सैनिकों और दो पुलिसकर्मियों सहित सात लोग घायल हो गए। लगातार हुई घटनाओं ने स्कूल शिक्षा विभाग को शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों को मौखिक रूप से यह बताने के लिए मजबूर किया है कि वे किसी भी तरह की सैर-सपाटा न करें या छात्रों को कार्य घंटों के दौरान स्कूलों से बाहर जाने की अनुमति न दें। यहां तक च्कि कुछ पर्यटक भी उभरते पर्यटन स्थल भद्रवाह को छोड़ रहे हैं, जहां पिछले कुछ महीनों में हजारों पर्यटक आ चुके हैं।

छत्रगला में कल रात की गोलीबारी के बाद, मुख्य शिक्षा अधिकारी डोडा ने आज सुबह प्रधानाचार्यों और शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों को मौखिक आदेश जारी कर आदेशों का अक्षरशः पालन करने के लिए कहा। सूत्रों का कहना था कि अगले कुछ दिनों के लिए नियोजित कुछ एक्सपोजर विजिट को विभाग को रद्द करना पड़ा और स्कूलों को अगले आदेश तक किसी भी तरह की पिकनिक आयोजित न करने के लिए कहा गया है।

दरअसल मंगलवार की रात को कुछ आतंकवादियों ने भद्रवाह-बनी मार्ग पर छत्रगला में सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसमें पांच जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) घायल हो गए। सुरक्षा कारणों से मार्ग पर सभी यातायात की आवाजाही को रोक दिया गया और लोगों को भद्रवाह के ऊपरी इलाकों में किसी भी तरह की यात्रा न करने की सलाह दी गई।

केंद्रीय विद्यालय के एक शिक्षक ने बताया कि सुबह अलीगढ़ से मेरे परिवार का फोन आया जब उन्होंने भद्रवाह इलाके में गोलीबारी के बारे में सुना। वे काफी डरे हुए थे और उन्हें बाहर न निकलने की सलाह दी गई थी। जब से मैं यहां तैनात हुआ हूं, तब से पहली बार उन्होंने डोडा जिले में किसी तरह की मुठभेड़ के बारे में सुना है।

आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देंगे: डीजीपी

जम्मू, 13 जून (ब्यूरो)। जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा चुनौती होने का हवाला देते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने गुरुवार को कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां जम्मू क्षेत्र में विदेशी आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए अपने संसाधनों की मैपिंग कर रही हैं। हालांकि उन्होंने इसे स्वीकार किया कि जम्मू संभाग में फिदायीनों का खतरा बढ़ा है पर वे कहते थे कि वे उनके हर हमले का मुहंतोड़ जवाब देने में कामयाब होंगें। जम्मू के कठुआ जिले में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के बाद जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए डीजीपी स्वैन ने कहा कि विदेशी आतंकवादियों को जम्मू क्षेत्र में धकेलने के पीछे एक स्पष्ट इरादा है, जिसने क्षेत्र में सुरक्षा चुनौती पैदा कर दी है। वे कहते हैं कि जब आतंकी हैंडलर कश्मीर और जम्मू में स्थानीय लोगों की भर्ती करने में विफल होते हैं, तो दुश्मन का इरादा एलओसी के पार स्थानीय लोगों की भर्ती करना और उन्हें हमारे क्षेत्र में शांति भंग करने और लोगों को मारने के लिए धकेलना होता है। उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां जम्मू क्षेत्र में विदेशी आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अपने संसाधनों की मैपिंग कर रही हैं और हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे।स्वैन ने कहा कि जब आपके पास लोगों को मारने और परेशानी पैदा करने के लिए तैयार दुश्मन हो, तो हमें भी उसका मुकाबला करने और कुछ नुकसान उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि जम्मू क्षेत्र में जंगल, नदियां और पहाड़ियां आदि दुर्गम इलाके हैं। डीजीपी ने कहा, ये विदेशी बड़ी संख्या में नहीं हैं, लेकिन वे कानून के तहत काम नहीं कर रहे हैं और किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। हम उन्हें उसी तरह से हराएंगे, जिस तरह से 1995 से 2005 के बीच जम्मू क्षेत्र में अपना ठिकाना बनाने की कोशिश करने के बाद उन्हें हराया गया था। उन्होंने आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए कुछ पैसों और नशीले पदार्थों के लिए अपना ज़मीर बेचने वाले दुश्मन एजेंटों को चेतावनी दी। डीजीपी ने कहा कि आतंकवादियों का समर्थन करने वालों को पछताना पड़ेगा। वे कहते थे कि ऐसे तत्वों की पहचान की जा रही है और उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। गौरतलब है कि जम्मू संभाग के कठुआ, रियासी, भद्रवाह और डोडा में पिछले कुछ दिनों में मुठभेड़ों और हमलों की एक श्रृंखला देखी गई है, जिससे वहां सुरक्षा की स्थिति गंभीर हो गई है। एलजी मनोज सिन्हा ने 11 जून को जम्मू में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा की अध्यक्षता की, जिसके बाद श्रीनगर में एकीकृत मुख्यालय की बैठक हुई, जिसमें जम्मू में विदेशी आतंकवादियों द्वारा किए गए हमलों की ताजा घटनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और जवाबी रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। 12 जून को कठुआ में हुई मुठभेड़ में दो विदेशी आतंकवादी और एक सीआरपीएफ जवान मारा गया, जिसमें एक नागरिक भी गोली लगने से घायल हो गया। एडीजीपी जम्मू आनंद जैन के अनुसार, कठुआ-रियासी क्षेत्र में और भी आतंकवादियों के मौजूद होने की संभावना है, जहां बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है।

नागपुर में फैक्टरी में विस्फोट पांच लोगों की मौत, पांच घायल

नागपुर, 13 जून (एजेंसियां)।
महाराष्ट्र के नागपुर के धमना में एक विस्फोटक बनाने वाली फैक्टरी में विस्फोट से छह लोगों की मौत हो गई है। पांच अन्य लोग घायल हैं। मरने वालों में पांच महिलाएं हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट आज अपराह्न में हुआ।

नागपुर के पुलिस आयुक्त रविंदर सिंघल ने कहा, धमना में विस्फोटक बनाने वाली फैक्टरी में हुए विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी है और इतनी ही संख्या में लोग घायल हो गये हैं। टीम मौके पर पहुंच गयी है और बचाव अभियान जारी है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद पवार नेता अनिल देशमुख घटनास्थल पर मौजूद हैं। उन्होंने विस्फोट के बाद की स्थिति से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों की पुष्टि की और फैक्टरी के प्रबंधन की गैरमौजूदगी पर प्रकाश डाला।

श्री देशमुख ने कहा, विस्फोट की यह घटना धमना गांव के पास एक विस्फोटक इकाई में हुई। घटना अपराह्न में हुई। फैक्टरी के प्रबंधक और मालिक फरार हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। विस्फोटक विभाग की एक टीम यहां है और आगे की जांच चल रही है। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए अधिकारी जांच जारी रखे हुए हैं। जांच पूरी होने पर जानकारी दी जायेगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाने की तैयारी

नदियों, झीलों, अमृत सरोवरों और पर्यटन एवं ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों पर मनाया जाएगा योग दिवस

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने आगामी 21 जून को होने वाले दशम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान कार्यक्रम स्थलों के चयन को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। स्थल चयन में प्राचीन सांस्कृतिक पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक स्थान, नदियों, झीलों, तालाबों, अमृत सरोवरों को प्रमुखता दी जाएगी। इसके साथ ही, पुलिस थानों, विद्यालयों और चिकित्सालयों में भी योगाभ्यास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जनमानस को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 15 जून से लेकर 21 जून तक प्रत्येक जनपद में योग सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। योग सप्ताह का आयोजन समस्त जनपद मुख्यालय के अतिरिक्त तहसीलों, ब्लाकों एवं ग्राम पंचायतों में भी किया जाएगा।

योग सप्ताह को लेकर हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में स्थलों के चयन में विशेष महत्व वाले स्थलों को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम एवं

अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित स्थलों में प्राचीन सांस्कृतिक पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक महत्व के स्थान, प्रमुख नदियों, झीलों, तालाबों के किनारे, सभी अमृत सरोवरों एवं प्रमुख नैसर्गिक सौन्दर्य से परिपूर्ण स्थलो को चयन में प्रमुखता दी जाएगी। जनपदों के समस्त पुलिस थानों, पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड एवं प्रान्तीय रक्षा दलों में भी आयोजन संपन्न कराया जाएगा।

इसके अतिरिक्त समस्त प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भी योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्रों के मध्य मिष्ठान, फल एवं शुद्ध पेयजल का वितरण किया जाएगा। यही नहीं, आरडब्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, आयुष चिकित्सालय, 50 शैय्या वाले एकीकृत आयुष चिकित्सालय एवं आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में भी आयोजन किया जाएगा।

योग सप्ताह के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु व्यापक पैमाने पर इसके प्रचार और प्रसार पर भी जोर दिया गया है।

वृहद स्तर पर जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित किए जाने के लिए योगी सरकार द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों, होर्डिंग, बैनर, अन्य सोशल मीडिया नेटवर्कों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। सरकारी वेबसाइट एवं जनसामान्य तथा कर्मचारियों के लिए प्रेषित होने वाले पत्रों में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 को प्रदर्शित किया जाएगा। यही नहीं, प्रमुख हस्तियों, खिलाड़ियों, योग गुरुओं, सांस्कृतिक प्रतिष्ठित महानुभावों आदि के वीडियो बना कर भी जनसामान्य के बीच प्रसारित किए जाएंगे और उन्हें इस आयोजन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस पूरे कार्यक्रम पर प्रदेश सरकार 4 करोड़ रुपए खर्च करेगी। मुख्यालय स्तर पर आयोजनों पर 1.12 करोड़ रुपए, कॉलेज स्तर पर आयोजन पर 9.5 लाख रुपए, जनपद स्तर पर आयोजन के लिए 2.63 करोड़ रुपए और उद्घाटन एवं समापन कार्यक्रम पर 15 लाख रुपए खर्च किए जाने का बजट प्राविधान किया गया है। पूर्व की भांति इस बार भी प्रत्येक जनपद में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इस समिति में मुख्य विकास अधिकारी/नगर आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला होम्योपैथिक अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक/बेसिक शिक्षा अधिकारी/क्रीड़ा अधिकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य होंगे। वहीं क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी संयोजक सदस्य होंगे।

योग सप्ताह को लेकर जो कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं उसका भी विवरण दिया गया है। इसके अनुसार, 15 जून से 21 जून तक प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक प्रोटोकाल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा।

इसके अलावा 15 जून को आयोजन का उद्घाटन होगा, जबकि 16 जून को रंगोली प्रतियोगिता और योग के माध्यम से उच्च रक्तचाप प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयो्ज होगा। 17 जून को स्लोगन प्रतियोगिता और जीवनशैली जन्य समस्याओं में योग का महत्व विषय पर सेमिनार होगा। 18 जून को निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ ही आधुनिक जीवन शैली में महिलाओं के लिए योग का महत्व विषय पर सेमिनार होगा। 19 जून को आशु भाषण एवं ड्राइंग प्रतियोगिता के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर सेमिनार होगा। इसी तरह 20 जून को योगासन प्रदर्शन प्रतियोगिता तो 21 जून को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन होगा।

यूपी में परिवार नियोजन के लिए सास, बेटा, बहु सम्मेलन होगा

विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का दूसरा चरण

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का दूसरा चरण कम्युनिटी मोबिलाइजेशन 27 जून से शुरू होगा, जो 10 जुलाई तक चलेगा। योगी सरकार जनसमुदाय को परिवार नियोजन के महत्त्व के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे, सारथी वाहन और सास-बेटा- बहु सम्मलेन का आयोजन किया जाएगा। वहीं पखवाड़े का तीसरा चरण सेवा प्रदायगी 11 से 24 जुलाई तक मनाया जाएगा।

इस दौरान सभी स्वास्थ्य इकाईयों में परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों (बास्केट ऑफ च्वाइस) के बारे में परामर्श दिया जाएगा और योग्य एवं इच्छुक लाभार्थियों के लिए को यह साधन उपलब्ध भी कराए जाएंगे।

बता दें कि परिवार कल्याण कार्यक्रमों को गति देने और जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस संबंध में प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि जनसंख्या पखवाड़ा हर साल मनाया जाता है, जिसमें अधिकारी से लेकर स्वास्थ्य कार्यकर्ता, समुदाय सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं।

इसके साथ ही साथ परिवार कल्याण के कई कार्यक्रम भी चलाये जा रहे है। इन्ही सब का परिणाम है कि प्रदेश में सकल प्रजनन दर (टीएफआर) में कमी आई है, जो हमें राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण से स्पष्ट होती है। एनएफएचस- 5 (2019-20) के अनुसार टीएफआर 2.4 है जबकि एनएफएचस-4 (2015-16) में यह आंकड़ा 2.7 था। इसी क्रम में एक जून से 20 जून तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के प्रारंभिक चरण पर काम शुरू हो गया है।

इसके तहत लक्षित दंपत्तियों को प्रेरित करने, सेवा प्रदायगी गतिविधियों को अच्छे ढंग से ज़मीन पर उतारने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसमें सेवा प्रदाताओं का क्षमतावर्धन, परिवार नियोजन साधनों की आपूर्ति और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर काम किया जा रहा है। इस वर्ष जनसंख्या पखवाड़ा का नारा है- 'विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान। वही इस बार की थीम मां और बच्चे की सेहत के लिए गर्भधारण का सही समय और अंतर रखी गई है।

परिवार कल्याण कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सूर्यांश ओझा ने बताया कि कार्यक्रम का पूरा ज़ोर समुदाय को परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करने, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और फैमिली प्लानिंग लॉजिस्टिक मैनेजमेन्ट इनफॉर्मेशन सिस्टम (एफपीएलएमआईएस) पोर्टल को सुदृढ़ करने पर है क्योंकि इसके द्वारा सभी स्तरों पर परिवार नियोजन सामग्री एवं साधनों का निरीक्षण एवं प्रबंधन किया जाता है। पखवारे के दौरान यदि कोई जनपद नवाचार करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है।

जनपदों में परिवार कल्याण कार्यक्रम सुचारू रूप से चलाने के लिए यह पहल की गई है कि जिन जनपदों मे परिवार नियोजन सलाहकार (काउन्सलर) नहीं हैं। वहां पर अन्य किसी भी कार्यक्रम के सलाहकार परिवार कल्याण काउन्सलर का भी उत्तरदायित्व निभा सकेंगे। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया है।

काशी और आगरा को स्वास्थ्य का वरदान जल्द

अस्पतालों में जारी नवनिर्माण की प्रक्रिया तेज

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में कार्यरत योगी सरकार प्रदेश की जनता को स्वास्थ्य का वरदान देने की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है। एक ओर, योगी सरकार प्रदेश में निवेश, अवसंरचनात्मक विकास और नागरिक सुविधाओं में वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रही है, दूसरी ओर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के उच्चीकरण की भी प्रक्रिया निरंतर जारी है। इस क्रम में, सीएम योगी की मंशा के अनुरूप वाराणसी में 500 बेड युक्त मल्टी सुपर स्पेशेलिटी चिकित्सालय (शिवप्रसाद गुप्त मण्डलीय जिला चिकित्सालय-एसएसपीजी) तथा आगरा में 150 बेड वाले एलएलडी (लेडी लॉयल) जिला महिला अस्पताल के कायाकल्प व नवनिर्माण की प्रक्रिया ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व डिजाइन) माध्यम से जारी है। इन दोनों ही निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए सीएम योगी के निर्देशानुसार योजना विभाग द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सल्टेंट्स की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर, लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (ब्लड बैंक) में भी आधुनिक मशीनों के क्रय की प्रक्रिया शुरू हो गई है जिससे नागरिक सुविधाओं में इजाफा होगा। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए जिस विस्तृत कार्ययोजना का निर्माण किया गया था उस पर क्रियान्वयन शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि वाराणसी में 500 बेड युक्त मल्टी सुपर स्पेशेलिटी चिकित्सालय के अंतर्गत 5.55 एकड़ में 161 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से इस नवनिर्माण कार्य को पूरा किया जा रहा है। ऐसे में, योजना विभाग द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सलटेंट्स (पीएमसी) की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पीएमसी यूनिट की तैनाती के साथ ही 75 दिन में आर्किटेक्चरल डिजाइन कन्सलटेंसी, 18 महीने में निर्माण कार्य तथा 36 महीने के डिफेक्ट लाइबेलिटी समयावधि में सभी कार्यों को पूर्ण कर लिया जाएगा।

आगरा के एलएलडी (लेडी लॉयल) जिला महिला अस्पताल में 150 बेड वाले यूनिट को 5 एकड़ क्षेत्र में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से विकसित किया जा रहा है। ऐसे में, पीएमसी एजेंसी की तैनाती से यहां होने वाले विकास कार्यों की रेगुलर मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सकेगी तथा 75 दिन में आर्किटेक्चरल डिजाइन कन्सलटेंसी, 18 महीने में निर्माण कार्य तथा 36 महीने के डिफेक्ट लाइबेलिटी समयावधि में सभी कार्य पूर्ण हो सकेंगे। सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए पीएमसी द्वारा डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) सौंपी जाएगी जिसके आधार पर निर्माण कार्यों में तेजी लाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (ब्लड बैंक) में भी आधुनिक मशीनों के क्रय की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस क्रम में, कोबास एस 201 सिस्टम तथा फुली ऑटोमेटेड वॉक अवे सिस्टम के क्रय की प्रक्रिया शुरू की गई है। कोबास एस 201 सिस्टम फुली ऑटोमेटेड न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग (एनएटी) इनेबल्ड होगी जबकि फुली ऑटोमेटेड वॉक अवे सिस्टम के जरिए ग्रुपिंग टेस्ट्स का मार्ग प्रशस्त होगा। ब्लड ग्रुपिंग, क्रॉस मैच टेस्ट, एंटीबॉडी स्क्रीनिंग टेस्ट, रीसस ग्रुप कन्फर्मेशन (वीक डी आइडेंटिफिकेशन), डायरेक्ट कूम्ब्स टेस्ट (डीसीटी) तथा एंटीजन एक्सटेंडेड फेनोटाइपिंग जैसी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में ये मशीनें सहायक होंगी और इससे नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अवैध नशे के खिलाफ जारी है योगी सरकार का एक्शन

प्रदेश में आबकारी और पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

एक सप्ताह में हजारों लीटर अवैध शराब जब्त और नष्ट

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश पर प्रदेश में अवैध और जहरीली शराब के खिलाफ अभियान जारी है। आचार संहिता समाप्त होने के एक हफ्ते के भीतर ही प्रदेश में अबतक हजारों लीटर अवैध और जहरीली शराब को आबकारी और पुलिस विभाग द्वारा नष्ट और जब्त किया जा चुका है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दोनों विभागों की पीठ इस बात को लेकर थपथपाई है कि पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रदेश में कहीं भी अवैध और जहरीली शराब से जुड़ी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। दोनों विभाग की संयुक्त टीमें प्रदेश के सभी जिलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई के जरिए प्रतिदिन सैकड़ों लीटर अवैध शराब को जब्त और नष्ट करने का काम कर रही हैं।

बीते एक हफ्ते में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अमरोहा, सहारनपुर, गाजियाबाद, सीतापुर, सुल्तानपुर, ललितपुर, हापुड़, मुरादाबाद, लखीमपुर, गोंडा, एटा अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, बस्ती, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, झांसी, उन्नाव, बांदा, प्रयागराज, चित्रकूट, गौतमबुद्ध नगर, फर्रुखाबाद, बदायूं, अमेठी, कुशीनगर, गोरखपुर और बस्ती से हजारों लीटर अवैध शराब को जब्त और नष्ट किया गया है। इसके अलावा नकली देसी-विदेशी शराब, बोतलें, नकली रैपर, नकली क्यूआर कोड सहित पूरे के पूरे कारखानों को भी उजागर किया गया है। साथ ही अन्य राज्यों में बिक्री के लिए अनुबंधित शराब को भी प्रदेश के विभिन्न ढाबों पर बेचने वाले गिरोह का भी पर्दाफाश किया गया है।

हफ्तेभर से प्रदेश के सभी जिलों में चल रही ताबड़तोड़ कार्रवाई में हजारों लीटर अवैध शराब को जब्त और नष्ट किया जा चुका है, वहीं बुधवार और गुरुवार पूर्वाह्न खबर लिखे जाने तक चली अनवरत कार्रवाई में सीतापुर में 60 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई व 200 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया। झांसी में 610 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई और 3800 किग्रा. लहन मौके पर नष्ट किया। यहां से 4 महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्नाव में आबकारी टीम ने 225 ली. अवैध शराब बरामद की तथा 500 किलो लहन नष्ट किया। इसके अलावा आबकारी और पुलिस टीमों की दबिश अलीगढ़, हरदोई, कुशीनगर, गोरखपुर, सहारनपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और बस्ती में भी दर्ज की गई हैं।

प्रदेश में आबकारी विभाग द्वारा चल रही अनवरत कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी विभाग की पीठ थपथपा चुके हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के ऑफिशियल एक्स हैंडल के जरिए स्वयं सीएम योगी ने कहा है कि जहरीली अथवा अवैध शराब बनाने, बेचने और खरीदने के प्रयासों पर लगातार हुई कार्रवाइयों का ही असर है कि इसका पूरा सिंडिकेट समाप्त हो गया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को ऐसी कार्रवाइयों का क्रम लगातार जारी रखने का निर्देश दिया है। सीएम ने इस बात के लिए भी संतोष व्यक्त करते हुए इसे सुखद बताया है कि लोकसभा चुनाव में कहीं भी जहरीली अथवा अवैध शराब से जुड़ी अप्रिय घटनाओं की सूचना नहीं प्राप्त हुई। प्रयास हो कि ऐसी स्थिति आगे भी बनी रहे।

नए आपराधिक कानून से यूपी को होगा सर्वाधिक लाभ

सीएम योगी के लॉ एंड ऑर्डर की प्राथमिकता को मिलेगी और मजबूती

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। एक जुलाई से देश में नए आपराधिक कानून लागू होंगे। सर्वाधिक आबादी के नाते उत्तर प्रदेश में आपराधिक मुकदमों की संख्या भी सर्वाधिक है। स्वाभाविक रूप से इसका सबसे अधिक लाभ भी उत्तर प्रदेश को मिलेगा। लॉ एंड ऑर्डर जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकता है उसके लिए नए कानून बोनस की तरह होंगे। यही वजह है कि योगी सरकार ने इनके प्रति प्रतिबद्धता जताई है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए कानून लागू करने में हुई प्रगति की समीक्षा की। इनको लागू करने और इनसे संबंधित सभी स्टेक होल्डर्स को इनके प्रति जागरूक करने के बाबत जरूरी निर्देश भी दिए।

ये बदलाव विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की अवधारणा के अनुरूप है। यह शरीर, सोच और आत्मा में पूरी तरह से भारतीय है। इन बदलावों में अधिकतम सुशासन, पारदर्शिता, संवेदनशीलता, जवाबदेही, बच्चों और महिलाओं के हित पर खासा ध्यान दिया गया है। दंड की जगह न्याय पर सारा फोकस रखा गया है। शीघ्र न्याय मिले इसके लिए नीचे से ऊपर तक जांच और साक्ष्य के लिए आधुनिकतम तकनीक को शामिल किया गया है। किसी भी मामले न्याय मिलने की सीमा तय होगी। छोटे मोटे मामलों के निस्तारण के लिए पहली बार कम्यूनिटी सर्विसेज की शुरुआत की गई है। अकेले इस बदलाव से सेशन कोर्ट में ही 40 फीसद मुकदमो का निस्तारण हो जाएगा।

कुछ महत्वपूर्ण बदलाव के तहत नए क्रिमिनल जस्टिस में राजद्रोह का कानून खत्म कर दिया गया है। पर भारतीय संप्रभुता का किसी भी तरह विरोध करने वालों के लिए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। आतंकवाद जो देश की प्रमुख समस्याओं में से एक है उसे पहली बार साफ तौर पर परिभाषित करते हुए दंड की व्यवस्था की गई है। इसी तरह संगठित अपराध और मॉब लीचिंग को पहली बार परभाषित किया गया है।

महिलाओं के लिए चेन और मोबाइल छीनैती कानून व्यस्था के लिए बड़ी चुनौती के रूप में उभरा है। जिस भी महिला के साथ ऐसी घटना होती है,वह शॉक्ड रह जाती है। कभी कभी तो इस छीना झपटी में महिला को गंभीर चोट आती है। ऐसी चोट जो जानलेवा हो सकती है या अपंगता की वजह। इसके लिए भी पहली बार नए कानून लाए गए हैं।

लालच, दबाव और डर की वजह से गवाहों का मुकरना आम बात रही है। नए कानूनों में उनकी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। साथ ही तकनीक के जरिए जिस तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर जोर दिया गया है। उससे गवाह मुकर भी नहीं पाएंगे। इससे पुलिस भी पूरी प्रक्रिया के दौरान जवाबदेह बनेगी। वह अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल नहीं कर सकेगी।

कुल मिलाकर 313 धाराओं में बदलाव किए गए हैं। जो धाराएं अप्रासंगिक हो गई थीं उनको हटा दिया गया। कुछ में नई टाइमलाइन भी जोड़ी गई है। इन बदलावों से देश गुलामी के प्रतीकों से मुक्त होगा। क्रिमिनल जस्टिस के लिहाज से यह एक नए युग की शुरुआत होगी। इसकी खासियत और खूबसूरती यह होगी कि अब यह भारत द्वारा, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा निर्मित कानूनों से चलेगी। यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के अनुरूप होगी। होगी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा भी यही है।

उल्लेखनीय है कि अपनी समीक्षा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 को स्वाधीनता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश के सामने पंच प्रण लिए थे, इनमें से एक प्रण था - गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करना। इसी प्रण को पूरा करने के लिए संसद ने अंग्रेजों द्वारा बनाए गए इंडियन इन कानूनों को सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए बदल दिया गया।

नए आपराधिक कानूनों में दंड की जगह न्याय के साथ पारदर्शिता और स्पीडी ट्रायल के लिए इनमें तकनीक पर खासा जोर होगा। मसलन पुख्ता जांच के लिए हर जिले में फॉरेंसिक लैब की स्थापना का प्रयास होगा। समय बचाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को भी तरजीह दी जाएगी। डेटा एनालिटिक्स, साक्ष्यों के संकलन, ई-कोर्ट, दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन जैसी हर प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग किया जाना है। इसके मद्देनजर आवश्यक तकनीकी बदलाव किया गया है।

इस माह के अंत तक तैयार हो जाएगा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

शानदार रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की लगातार सौगात दे रही है योगी सरकार

गोरखपुर, 13 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर लगातार काम कर रही योगी सरकार इस माह के अंत तक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर आवागमन की पूर्ण सुविधा शुरू करने की तैयारी में है। जून के पहले सप्ताह तक इस एक्सप्रेस-वे का 97 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से गोरखपुर क्षेत्र, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माध्यम से लखनऊ, आगरा एवं दिल्ली तक त्वरित एवं सुगम यातायात कॉरिडोर से जुड़ जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से एक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे गोरखपुर बाईपास एनएच- 27 ग्राम जैतपुर के पास से प्रारंभ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जनपद आजमगढ़ के सालारपुर में समाप्त होगा। 91.352 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे की कुल लागत 5876.67 करोड़ रुपये (भूमि अधिग्रहण पर व्यय समेत) है। इससे जनपद गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे तीव्र संपर्क तथा बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही साथ संबन्धित क्षेत्र के जनमानस को भी एक दूसरे के और निकट लाने में मदद करेगा। यूपी एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर 10 जून तक अद्यतन जानकारी के अनुसार के अनुसार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का 97 फीसद निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मेन कैरिजवे में क्लियरिंग एंड ग्रबिंग का काम 100 फीसद, मिट्टी का काम 100 फीसद पूरा कराया गया है।

संपादकीय

सरकार नई, चेहरे पुराने

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के स्पष्ट संकेत हैं कि यह निरंतरता की ही सरकार है। भाजपा के अल्पमत का तनाव और गठबंधन के दबावों, सवालों की जरा-सी भी चिंता प्रधानमंत्री मोदी को नहीं है। कार्यभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर 'किसान सम्मान निधि' वाली फाइल पर किए, तो किसी भी मंत्री को जानकारी नहीं थी। प्रधानमंत्री ने 9.30 करोड़ किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए जारी किए। किसानों की 17वीं किस्त दी गई। शाम को कैबिनेट की प्रथम बैठक में ही गरीबों के लिए ऐसे 3 करोड़ आवास बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई, जिनमें शौचालय, एलपीजी, नल और बिजली के कनेक्शन की सुविधाएं भी होंगी। ये मकान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। मोदी सरकार अपने 10 साला कालखंड में ऐसे 4.21 करोड़ मकान बनाकर बांट चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि पिछली सरकार में जो मंत्री रक्षा, गृह, सडक़ परिवहन, विदेश, वित्त, शिक्षा, रेल, पेट्रोलियम, वाणिज्य-उद्योग, कानून और पर्यावरण आदि मंत्रालयों के प्रभारी थे, उन्हीं चेहरों को यथावत कार्यभार सौंपा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 2014 की मोदी सरकार में ही स्वास्थ्य मंत्री थे। अब 2024 की कैबिनेट में भी वह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, सर्बानंद सोनोवाल, किरेन रिजीजू, प्रह्लाद जोशी, मनसुख मांडविया, गजेन्द्र शेखावत, जी किशन रेड्डी आदि पुराने मंत्री हैं, जिन्हें नए मंत्रालय के साथ नई सरकार का हिस्सा बनाया गया है। कई राज्यमंत्रियों के भी मंत्रालय वही पुराने रखे गए हैं। सबसे संवेदनशील सुरक्षा की कैबिनेट कमेटी में भी कोई फेरबदल नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी पर तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, शिवसेना, एनसीपी सरीखे सहयोगी दलों का कोई दबाव और तनाव दीखता नहीं है। उन्हें प्रधानमंत्री ने अपने विशेषाधिकार के अनुसार मंत्रालय सौंपे हैं। सरकार में प्रधानमंत्री समेत 72 मंत्री हैं, जिनमें से 61 मंत्री भाजपा के हैं। हिंदी भाषी क्षेत्रों से 36 मंत्री और दक्षिण भारत से 13 मंत्री लिए गए हैं। महिला मंत्रियों की संख्या 7 है। शायद इसी आंकड़े की परंपरा रही है। मौजूदा मंत्रिपरिषद की औसत आयु 58.7 साल है, जबकि 2019 में यही 60 साल के कुछ ऊपर थी। हालांकि कैबिनेट में 7 पूर्व मुख्यमंत्री हैं, लेकिन हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय दिए गए हैं और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया है। रेल के साथ-साथ सूचना-प्रसारण मंत्रालय भी अश्विनी वैष्णव को दिया गया है। वह प्रौद्योगिकी सम्पन्न मंत्री हैं, सूचनाओं को दबाने या बांटने के खेल से अनभिज्ञ हैं, लिहाजा सूचना मंत्रालय दिए जाने पर आश्चर्य होता है। संभव है कि जब कैबिनेट का विस्तार या फेरबदल होगा, तो यह मंत्रालय किसी और मंत्री को दिया जा सकता है। इसी तरह ऊर्जा मंत्रालय भी तकनीक और विज्ञान पर आधारित मंत्रालय है। खट्टर के संदर्भ में तालमेल मुश्किल हो सकता है। बहरहाल शिवराज सिंह चौहान पर इतना बोझ, दायित्व डाल दिया गया है, जितना उन्होंने मुख्यमंत्री के 16.5 सालों के दौरान महसूस नहीं किया होगा। किसान और गांव परस्पर पूरक हैं। नए मंत्री के सामने जलता और उबलता-सा सवाल होगा कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी का क्या किया जाए? किसानों की आय कब तक और किस तरह दोगुनी की जा सकती है? कृषि वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री एमएसपी की कानूनी गारंटी के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन एमएसपी में निरंतर बढ़ोतरी के समर्थक हैं। जब किसान आंदोलन समाप्त किया गया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को आश्वस्त किया था कि एमएसपी के कानूनी दर्जे के बारे में जरूर कुछ किया जाएगा। एक कमेटी भी बनाई गई थी, लेकिन आज तक कोई निष्कर्ष सामने नहीं है। आम चुनाव में किसानों के तनाव, गुस्से और संकट ने कई राज्यों में भाजपा की पराजय की जमीन तैयार की थी, लिहाजा यह मुद्दा प्राथमिकता का है। मोदी सरकार के लिए गरीबी, बेरोजगारी, निम्न आय वर्ग की चिंताएं भी प्राथमिकता पर होनी चाहिए।

> भाजपा के अल्पमत का तनाव और गठबंधन के दबावों, सवालों की जरा-सी भी चिंता प्रधानमंत्री मोदी को नहीं है। कार्यभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर 'किसान सम्मान निधि' वाली फाइल पर किए, तो किसी भी मंत्री को जानकारी नहीं थी। प्रधानमंत्री ने 9 .30 करोड़ किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए जारी किए। किसानों की 17वीं किस्त दी गई। शाम को कैबिनेट की प्रथम बैठक में ही गरीबों के लिए ऐसे 3 करोड़ आवास बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई, जिनमें शौचालय, एलपीजी, नल और बिजली के कनेक्शन की सुविधाएं भी होंगी। ये मकान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। मोदी सरकार अपने 10 साला कालखंड में ऐसे 4 .21 करोड़ मकान बनाकर बांट चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि पिछली सरकार में जो मंत्री रक्षा, गृह, सडक़ परिवहन, विदेश, वित्त, शिक्षा, रेल, पेट्रोलियम, वाणिज्य-उद्योग, कानून और पर्यावरण आदि मंत्रालयों के प्रभारी थे, उन्हीं चेहरों को यथावत कार्यभार सौंपा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 2014 की मोदी सरकार में ही स्वास्थ्य मंत्री थे। अब 2024 की कैबिनेट में भी वह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं।

छह केंद्रों के लगभग 1500 छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें परीक्षा पूरी करने के लिए पूरा समय नहीं दिया गया

मेडिकल छात्रों को न्याय मिले

डा. वरिंदर भाटिया

नीट परीक्षा को लेकर जिस तरह पूरे देश में बवाल मचा है, उसे देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या नीट यूजी परीक्षा के नतीजे रद्द किए जाएंगे और नीट यूजी की परीक्षा एक बार फिर से कराई जाएगी। मालूम हो कि जब मई में नीट यूजी के पेपर हो रहे थे उस समय भी कई जगहों पर पेपर लीक की सूचनाएं आई थीं। तब भी तमाम अभ्यर्थियों ने इसको कैंसिल करने और दोबारा पेपर कराने की मांग की थी, लेकिन उस समय इस पर कुछ नहीं हुआ। अब जब रिजल्ट आया है तो एक बार फिर यह मामला गर्म हो गया है। हालांकि इस पर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा में लगभग 24 लाख बच्चे शामिल हुए थे। इनमें से 13 लाख से अधिक पास हुए। इसमें भी खास बात यह है कि इस बार की नीट परीक्षा के रिजल्ट में 67 बच्चों को टॉपर घोषित किया गया है। इन टॉपर्स को 720 में से 720 अंक मिले हैं। कुछ बच्चों को 718 और 719 नंबर तक मिले हैं, जिसके बाद नीट रिजल्ट को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। तमाम लोगों ने रिजल्ट को लेकर परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए को भी कटघरे में खड़ा किया है, हालांकि एनटीए ने अपने आरोपों पर सफाई भी दी है। उसके बाद भी कुछ अभ्यर्थियों ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में नीट के रिजल्ट को लेकर याचिका दायर कर दी है। इससे पहले जब नीट की परीक्षा 5 मई 2024 को हुई थी, उस समय राजस्थान के एक परीक्षा केंद्र पर यूजी पेपर लीक की खबरें आई थीं, जिसके बाद नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक का हवाला देते हुए कुछ उम्मीदवारों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की और इस परीक्षा को नए सिरे से कराने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में सुनवाई करने की बात कही है। वर्ष 2015 में एमबीबीएस, बीडीएस एडमिशन के लिए नेशनल लेवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा (ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट) हुआ करती थी। तब यह परीक्षा सीबीएसई कराता था। उस समय भी पेपर लीक की खबरें आई थीं। आरोप था कि एग्जाम सेंटर्स पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस पर स्टूडेंट्स को क्वेश्चन पेपर के आंसर की भेजे गए हैं। उस समय भी यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। तब 3 मई को परीक्षा हुई थी और 5 जून को रिजल्ट आना था। कोर्ट ने 15 जून को दिए अपने फैसले में कहा कि मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम कैंसिल किया जाए और परीक्षा 4 हफ्ते में दोबारा से ली जाए। अब इस बार कोर्ट का क्या फैसला होता है, यह तो देखने वाली बात है, लेकिन इस बार परीक्षा कैंसिल जैसी कोई बात नजर नहीं आ रही। भारत में नीट को लागू हुए एक दशक से कुछ ही ज्यादा समय हुआ है और इसने ठहरे हुए पत्थर पर काई जमने जितनी बदनामी बटोर ली है। इसमें सबसे ताजा यह है कि नीट का संचालन कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को 2024 के लिए हुई मेडिकल की पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के वास्ते एक चार सदस्यीय समिति नियुक्त करनी पड़ी है। छह केंद्रों के लगभग 1500 छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें परीक्षा पूरी करने के लिए पूरा समय नहीं दिया गया। ऐसा विभिन्न वजहों से हुआ। गलत प्रश्नपत्र का वितरण, फटी हुई ओएमआर शीट, तकनीकी गड़बडियां और ओएमआर शीट के वितरण में देरी। अदालत ने प्रभावित छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने की इजाजत दी। नतीजे प्रकाशित होने के बाद यह देखा गया कि कुछ छात्रों को 720 में 718 और 719 अंक मिले, जो मौजूदा मूल्यांकन पद्धति में असंभव है। यह भी आरोप था कि असामान्य रूप से ज्यादा संख्या में छात्रों ने पूरे अंक हासिल किए। एनटीए ने बाद में यह साफ किया कि अजीब लग रहे अंक अदालत के आदेशानुसार ग्रेस मार्क्स दिए जाने का नतीजा है और चूंकि यह एक आसान प्रश्नपत्र था, इसलिए कई सारे छात्रों ने पूरे अंक प्राप्त किए। लेकिन बात इतनी ही नहीं थी। परीक्षा से पहले नीट यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आई थीं। एनटीए नीट यूजी की आधिकारिक उत्तर कुंजी में अशुद्धियां होने की बात कही गई थी और यूजी प्रश्नपत्रों के विसंगतिपूर्ण मूल्यांकन के आरोप थे। राजनीतिक दलों ने इन आरोपों की गहन जांच किसी सक्षम तृतीय पक्ष से कराने की मांग की है। और, छात्रों के समूहों ने भी दोबारा परीक्षा की मांग उठाई है। हर साल, खराब ढंग से प्रबंधित परीक्षा केंद्रों और अभ्यर्थियों को क्या पहनने की इजाजत है, इसे लेकर फिजूल की कड़ाई के आरोप सामने आते हैं। कदाचार (चीटिंग) से जुड़े ऐसे घपले उजागर हुए हैं जहां अभ्यर्थियों ने परीक्षा देने के लिए अपनी जगह दूसरों को भेजा है। याद रहे कि नीट को हर साल होने वाली सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। लगभग 23 लाख छात्रों के इस परीक्षा में शामिल होने के मद्देनजर, इसमें कोई अचरज नहीं कि नीट का एक उतार-चढ़ाव भरा अतीत है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पैमाने पर होने वाली परीक्षा को पूरी तरह त्रुटिहीन बनाना असंभव है। लेकिन साल दर साल परीक्षा के दौरान घोर उल्लंघनों की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। एनटीए को राज्यों की मदद से यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीकी गड़बडियां और कदाचार से जुड़े घपले न हों। इसमें प्रश्नपत्रों का समय से पहले जारी होना और वास्तविक अभ्यर्थी की जगह दूसरों का इस्तेमाल शामिल है। अगर यह अधिक सख्ती बरतने और एक ज्यादा लंबी व ज्यादा सतर्कता भरी तैयारी से संभव है, तो ऐसा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जानी चाहिए। इसके अलावा इन मांगों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि नीट के सभी दाखिले सिंगल विंडो काउंसिलिंग के तहत आएं और पीजी दाखिलों के लिए जीरो पर्सेंटाइल मानदंड का पुनर्मूल्यांकन हो। साथ ही निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस का सख्त नियमन हो। कुल मिला कर इस साल नीट में हुई खटपट का मामला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब कुछ पीड़ितों ने न्याय की आस में देश की सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटा दिया है। सवाल है कि क्या मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट दुरुस्त तरीके से हुए हैं। नीट के रिजल्ट आए कुछ दिन बीत चुके हैं, लेकिन छात्रों में भ्रम आज भी बरकरार है। लाखों बच्चों को समझ नहीं आ रहा कि वे एनटीए ने जो नतीजे घोषित किए हैं, क्या उन्हें ही आखिरी मान लें या फिर दोबारा परीक्षा की तैयारी में जुट जाएं। इस मामले में छात्रों के हितों को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। मेडिकल छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। जो छात्र कई सालों से इसमें कामयाबी की बात देख रहे थे, तथाकथित परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं ने उनका भविष्य खराब कर दिया है। इसके लिए देश हित में जिम्मेवारी को नियत किया जाए और प्रशासनिक लापरवाही के लिए पुनः परीक्षा आयोजित करना ही उपयुक्त होगा। छात्रों के साथ अगर अन्याय होता है तो उनके डिप्रेशन में चले जाने की संभावनाएं रहती हैं।

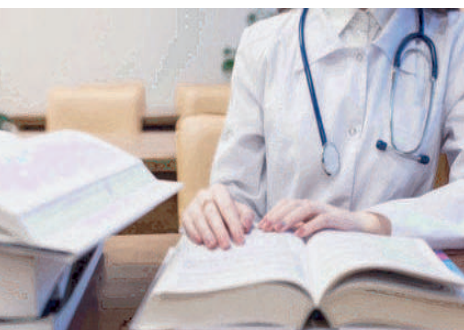

> वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा में लगभग 24 लाख बच्चे शामिल हुए थे। इनमें से 13 लाख से अधिक पास हुए। इसमें भी खास बात यह है कि इस बार की नीट परीक्षा के रिजल्ट में 67 बच्चों को टॉपर घोषित किया गया है। इन टॉपर्स को 720 में से 720 अंक मिले हैं। कुछ बच्चों को 718 और 719 नंबर तक मिले हैं, जिसके बाद नीट रिजल्ट को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

दृष्टि कोण

कुंठाओं और कट्टरवाद को तिलांजलि दें

एक उच्च जातीय हिंदू हूं। मैंने अपने नाम शेर सिंह के साथ अपना कुलनाम (सरनेम) का कभी उपयोग नहीं किया। हम खेती-किसानी वाले उच्च जाति परिवार से हैं। मेरे पिता केवल हिंदी में अपने हस्ताक्षर भर कर सकते थे। हमारे दादा, परदादा, पुरखे तो अक्षरों की अहमियत को शायद ही जानते थे। ऐसा संभवतः जिले का सर्वाधिक पिछड़ा क्षेत्र होने के परिणामस्वरूप रहा होगा। हम मूलतः ऐसे क्षेत्र से हैं जो राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से सटा हुआ है। बहुत दूरदराज और अत्यंत पिछड़ा इलाका होने के बावजूद यहां जातपात, छुआछूत का बहुत अधिक प्रचलन था, और आज भी है, बेशक थोड़ा कुंद पड़ गया हो! कई दृष्टांतों में से बचपन के एक-दो का उल्लेख करना चाहूंगा। जब कभी अपने बचपन को याद करता हूं, तो मुझे अपने मूचाण्ड (अछूत) और उसके परिवार बरबस याद हो आते हैं। जब कभी कोई त्योहार, उत्सव, शादी-ब्याह, जीने-मरने का अवसर होता, तो वे परिवार सहित हमारे गांव, हमारे घर पहुंच जाते थे। परिवार में उनके छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं सभी होते थे। वे हमारे दोमंजिला घर के भूतल में प्रवेश द्वार से बाहर बने गोबर लिपे कच्चे और खुले आंगन में नंगी जमीन पर कोई उकड़ूं, कोई पालथी मारकर बैठते। उन्हें घर के अंदर आने की तो क्या, सीढियों को छूने तक की इजाजत नहीं थी। घर में उनके लिए कुछ विशेष नहीं बनता था। त्योहारों आदि में घर में जो कुछ बना होता, उन्हें दे दिया जाता था। वे वहीं बैठकर अपने साथ लाए थाली, प्याली आदि में खाते, पीते और बचे हुए खाने को पोटलियों में बांधकर ले जाते। हम बच्चे छत से कौतुहल, आश्चर्य लेकिन उपहास भरी नजरों से उन्हें देखते। वे हमें मालिक कहते थे। हमें मालिक तथा उच्च जाति का होने का मनोवैज्ञानिक तौर पर गर्व और घमंड का एहसास होता। हालांकि यह हमारा अहंकार और गलतफहमी थी। वे हमारे खेतों में आकर बेगारी भी करते। बदले में शाम को अपने घर जाते समय उन्हें खड़ा, सबूत अनाज आदि दे दिया जाता। इस प्रकार बचपन में ही हमारे अंदर उच्च जाति की भावना और छुआछूत का बीजारोपण हो चुका था। बौद्ध धर्म बहुल क्षेत्र में मु_ी भर हिंदू, और वो भी सवर्ण उच्च जाति का होने की भावना हमेशा बनी रही। जब किशोर और युवावस्था में पहुंचे तो एक स्कूल में अध्यापक द्वारा दलित जाति के बच्चों को सबसे अलग बिठाने और सभी के लिए रखे पानी के पात्र को छूने तक की मनाही देखी। मुझे थोड़ा अचंभा भी हुआ था क्योंकि तब तक कुछ पढ़-लिख चुका था। इस प्रकार ऊंच-नीच की भावना को अच्छे से जान और समझ चुका था। लेकिन मैंने अध्यापक के इस व्यवहार को आपत्तिजनक मानने के बावजूद किसी तरह का हस्तक्षेप, विरोध नहीं किया। मैंने एक प्रकार से अपनी अंतरात्मा की आवाज का गला घोंट दिया था। बाद के वर्षों में देश के लगभग हर राज्य, शहर, नगर में आने-जाने और प्रवास का अवसर मिला। इस आवागमन के कारण मेरे अंदर बसी जाति की भावना कुछ हद तक दब-छिप गई। लेकिन पूरी तरह मिटी नहीं थी। बचपन में मिले संस्कार आसानी से नहीं छूटते हैं। जिसके मन-मस्तिष्क में ऐसे संस्कार भर दिए गए हों, बाद के जीवन में उन्हें बदल पाना बहुत कठिन है। यह मैंने तब अनुभव किया जब एक बार गर्मियों के दिनों में अहमदाबाद से दिल्ली को आ रहा था। कोटा-रतलाम के बीच किसी जगह में बहुत जोर की प्यास लगी थी। पास का पानी खत्म हो चुका था। ट्रेन रुकती, चलती सी चल रही थी। किसी भी स्टेशन में पानी का नल चलता नहीं दिखता था। मैं ट्रेन से पानी के लिए उतरता, चढ़ता और खाली बोतल लिए वापस ट्रेन में चढ़ आता। मेरी सीट के पास गोल टोपी पहने, सफेद वस्त्रों में एक सज्जन बैठे हुए थे। उन्होंने मेरी परेशानी जानकर अपनी सुराही से मुझे पानी देना चाहा। मैंने उन्हें एक नजर देखा और भयंकर प्यास के बावजूद, पानी पीने से मना कर दिया। मैं समझ गया था कि वह मुसलमान है। उच्च सवर्ण जाति का मैं मुसलमान का दिया पानी कैसे पीता! अपने द्वारा ऐसा करने का कारण मैं समझ गया था। हम लोग क्योंकि धर्मभीरू और जातपात को मानने वाले लोग थे, इसलिए बचपन में हमारी मां ने मुसलमानों के हाथों कुछ भी खाने-पीने की सख्त मनाही कर रखी थी। हमारे सेब के बाग का चौकीदार खान को हमारे घर की देहरी को स्पर्श करने की इजाजत तक नहीं थी। जब हम छोटे-छोटे बच्चे आपस में झगड़ते, लड़ते तो मां अक्सर हमें मुस्रमां कहती। मुसलमान वे गाली की तरह प्रयोग करती थीं। यह विरासत में मिले संस्कारों का फल था। यह और बात है कि आज मेरे बहुत से अजीज मित्र, सम्मानित दोस्त मुस्लिम हैं। मुझे उनकी मित्रता पर गर्व है। अब सोचता हूं, तब कितने संकुचित मेरे विचार थे। कितना गिरा हुआ मेरा दृष्टिकोण था। कैसी तुच्छ मेरी मानसिकता थी! जब उम्र और बढ़ी तथा देश के विभिन्न राज्यों, अलग-अलग नगरों, शहरों में प्रवास और आना-जाना शुरू हुआ, तो देश-दुनिया, सामाजिक, नैतिक, दुनियादारी और धार्मिक समझ भी विकसित हुई। बचपन में मन पर घर कर बैठी सोच, संस्कार कुछ हद तक कुंद पडऩे लगे। जीवन में व्यावहारिकता अधिक पनपने लगी। लेकिन अपने उच्च जाति का एहसास हमेशा दूसरों से ऊंचा होने का आभास दिलाता रहा। यद्यपि केवल शेर सिंह नाम होने से अधिकांश लोग मुझे निम्न जाति से होने का अनुमान लगाते रहे! कभी-कभी विचार आता है कि जिनके मन में बचपन में ही ऐसे विचार, ऐसी भावना, ऐसे संस्कार भर दिए गए हों, तो उनमें वो आजकल के गौ रक्षक, स्वयंसेवक, बजरंग दल, दक्षिण पंथी, उच्च जाति भावना, श्रेष्ठ होने का एहसास, अहंकारी होना स्वाभाविक है। किसी को भी अपने से तुच्छ समझना विशेषकर दलित और मुसलमानों को, उच्च जाति के लोगों की आम मानसिकता है।

कुछ अलग

मैं, बीवी और अखबार

ज्यों ही सुबह हॉकर अखबार का रस निकाल अखबार दरवाजे की दरार में से ड्राइंग रूम में घुसाता है तो मैं आए शौच को वहीं रोक तुरंत उस पर यों झपट पड़ता हूं जैसे बाज अपने शिकार पर। विवाह के बाद से मेरा और अखबार का रिश्ता बाज और शिकार सा है। बीवी मेरा शिकार करती है तो मैं अखबार का। हे अखबारजीवियो! हमारे घर अखबार इसलिए नहीं आता कि हम आसपास की जानकारी से अपडेट रहें। खबरिया चौनलों से भी तेज और सटीक खबरें तो मुझे मेरे पड़ोसी शर्मा जी से बिन मांगे ही व्हाट्सैप पर सटाक मिल जाती हैं। बावजूद इसके ज्यों ही हमारे घर में अखबार आता है, घर का मुखिया होने के नाते अखबार पर न होते हुए भी पहला हक मेरा ही होता है। क्योंकि उस वक्त सब सोए होते हैं। सो मैं उस पर उस हक को बनाए रखता हूं। हक कोई आपको आपकी थाली में परोस कर देने वाला नहीं। हक आजकल बनाए रखने का जमाना है। इसलिए आपको अपने हक पर हर हाल में खुद ही पूरा हक जमाए रखना चाहिए। आप अपना हक पाना चाहते हों तो। जैसे ही अखबार मेरे हाथ में आता है, मैं पहले पेज की तमाम मुख्य खबरों को दरकिनार करता केवल उस पेज पर जाता हूं, जहां मेरे मतलब का आज का राशिफल छपा होता है। मेरे लिए शेयर बाजार कोई मायने नहीं रखता। वह आसमान छुए या फिर धूल चाटे। मेरे वेतन से बाजार का ही पूरा हो जाए तो उसे ही शेयर बाजार में लगा मानूं। मेरे लिए दिल्ली में पानी नहीं है, कोई समस्या नहीं। जिनकी समस्या है उससे वे निपटें। यहां समाधान साझे होते हैं, पर समस्याएं अपनी अपनी। मेरे घर तो चौबीसों घंटे पानी रहता है, पानी छोडऩे वाले की कृपा से। बस, हर महीने उसे दो सौ देने पड़ते हैं। वह मेरी टंकी के पास से तब तक नहीं हिलता जब तक वह ओवरफ्लो नहीं हो जाती। मेरे लिए घोटालों से कोई लेना देना नहीं। हम हैं तो घोटाले हैं। घोटाले हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। हमें उन्हें ईमानदारी से करते रहना चाहिए। हमें पूरी ईमानदारी से उनके होने में सहयोग देते रहना चाहिए। क्योंकि घोटाले करने से कइयों को घोटालों की जांच करते हुए घोटाले करने का अवसर मिलता रहता है। जैसे ही आज के अखबार को दुरुस्त करते, पेज दर पेज बदलते हुए एक पेज पर आज का राशिफल देखता हूं तो मेरे दिल की धडक़नें तेज हो जाती हैं। डरा सहमा सा अपनी राशि का राशिफल सांसें रोके यों पढ़ता हूं जैसे कोई राष्ट्रीय आपदा का समाचार पढ़ रहा होऊं। जब आज के राशिफल में छपा राशिफल मेरी फेवर वाला होता है तो मेरे चेहरे से चिंताओं की सारी रेखाएं उडऩछू हो जाती हैं। दिल की धडक़नें सामान्य से सामान्य होने लगती हैं। दिल ही नहीं, सिर से पांव तक मैं बाग बाग हो जाता हूं। उस वक्त मत पूछो मुझे कितना सुकून मिलता है! उस वक्त मैं ये भी भूल जाता हूं कि मैंने बीस मिनट से शौच रोके रखा है। धीरे धीरे तब अपनी राशि के राशिफल पढ़ते हुए मैं पॉजिटिव अनर्जी से सराबोर होने लगता हूं। मेरी नस नस में बेकार की कामयाबी दौडऩे लगती है। मन करता है इसी वक्त आसमान से तारे तोड़ लाऊं। मन करता है इसी वक्त हिमालय को फतह कर लूं। कल को पता नहीं मेरे राशिफल में क्या लिखा मिले। अखबार में अपना राशिफल पढऩे के बाद मैं अनर्जी फुल अपनी बीवी को चाय बनाकर जगाता हूं। उसे चाय और अखबार एक साथ पीने की आदत है। चाय उसके सामने रखता हूं तो वह अंगड़ाई लेती एक हाथ चाय तो दूसरा अखबार की ओर बढ़ाती है। फिर चाय किनारे छोड़ उसमें इस मौसम के आज के सौंदर्य टिप्स पढ़ती उनमें इतनी लीन तल्लीन हो जाती है, अपने खुरदरे चेहरे पर हाथ फेरते हुए मानो वह किसी राष्ट्रीय समस्या पर किसी महान कमर्शियल विचारक का आलेख पढ़ रही हो।

देश दुनिया से

पांडियन का पराभव, जिसमें दृष्टिगत हैं परोक्ष वापसी की पूरी संभावनाएं

मोहन चरण माझी ने ओडिशा में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, लेकिन इन चुनावों में चर्चाओं में रहे आईएएस अफसर से नेता बने वीके पांडियन की अविश्वसनीय कहानी की मिसाल भारतीय राजनीति में पहले शायद ही कभी देखी गई होगी। राजनीति में इतना छोटा कॅरिअर भी शायद ही किसी और नेता का होगा। नौकरी से इस्तीफा देने के बाद 27 नवंबर, 2023 को उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हुए। लेकिन चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नौ जून को उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर डाला। उनका राजनीतिक जीवन सिर्फ 195 दिनों का रहा। सन 2000 में आईएएस बनने के बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। अपनी मेहनत और लीक से हटकर काम करने की असाधारण क्षमता के कारण उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। पहले मयूरभंज, फिर गंजाम जिले के कलेक्टर के रूप में उनके द्वारा किए गए अच्छे कामों को लोग आज भी याद करते हैं। दोनों ही जिलों में कामों के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया। ये सब थीं एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पांडियन की उपलब्धियां। लेकिन सत्ता की राजनीति में उनका प्रवेश तब हुआ, जब गंजाम के जिलाधीश के रूप में उनके काम से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें सन 2011 में अपना निजी सचिव बनाया। अपनी काबिलियत के जरिये पांडियन ने नवीन का विश्वास जीता और धीरे-धीरे अपनी काया विस्तार करने लगे। 2019 में लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतने के बाद नवीन पटनायक ने सरकार को अधिक लोकाभिमुखी करने के लिए 5टी (टीमवर्क, टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमलाइन) नामक एक नया विभाग खोला और पांडियन को इसका सचिव बना दिया। सरकार के सभी विभागों को इस नए विभाग के अंदर लाया गया। इसके बाद सरकार में पांडियन का दबदबा और भी बढ़ गया। पांडियन के नौकरी से इस्तीफा देने के बाद उन्हें इस विभाग का अध्यक्ष बना दिया गया, ताकि सरकार में उनकी पकड़ बनी रहे। और 2019 के चुनाव के बाद नवीन ने अपने निवास से बाहर निकलना लगभग बंद कर दिया और दल व सरकार दोनों का पूरा जिम्मा पांडियन को सौंप दिया। कोविड के बाद मुख्यमंत्री न सचिवालय गए, न विधानसभा। कैबिनेट की बैठक में भी वे वीडियो लिंक के जरिये अध्यक्षता करने लगे। अपने दल के नेता, मंत्री, विधायकों से मिलना उन्होंने लगभग बंद कर दिया। यहां तक कि राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के लिए भी सलाह-मशवरे के लिए मुख्यमंत्री से मिलना दूभर हो गया और वे पांडियन के आदेश पर काम करने लगे। अब पांडियन की महत्वाकांक्षा बढ़ने लगी और वह राज्य सरकार के चॉपर का इस्तेमाल कर पूरे राज्य का दौरा करने लगे। बहाना था कि लोगों से उनकी शिकायतें लेकर तत्काल कार्रवाई करना। बाद में पता चला कि पांडियन राजनीति में प्रवेश करने के लिए अपनी जमीन तैयार कर रहे थे। वह जहां भी गए पूरा स्थानीय प्रशासन, स्थानीय नेता, विधायक और मंत्री उनकी सेवा करते हुए नजर आए। मंच पर पांडियन के अलावा कोई भी देखने को नहीं मिला। साफ था कि उनकी ताजपोशी की तैयारी चल रही थी। इस बात की जमकर चर्चा हुई कि वह नवीन के उत्तराधिकारी हैं। नवीन ने ऐसी चर्चाओं का खंडन करने की कोशिश भी नहीं की, जिससे ओडिशा के लोगों में यह धारणा और भी पुख्ता होती गई कि नवीन ने पांडियन को अपना उत्तराधिकारी बनाने का मन बना लिया है। इस धारणा को तब और बल मिला, जब पांडियन ने औपचारिक रूप से बीजद में योगदान किया। इस वर्ष मार्च में जब बीजद और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी, तब बीजद की ओर से पांडियन ही इसके सूत्रधर थे। प्रेक्षकों का मानना था कि भाजपा से गठबंधन कर वह अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि नवीन के डर से पार्टी के जो नेता चुप बैठे हैं, वे नवीन के बाद उनके खिलाफ बगावत पर उतर आएंगे, तब उन्हें भाजपा के समर्थन की जरूरत होगी। हालांकि बात बनी नहीं और भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। इस बार चुनाव का पूरा मोर्चा पांडियन ने संभाला। उम्मीदवारों के चयन से लेकर रणनीति तैयार करने और आर्थिक संसाधन के उपयोग से लेकर मीडिया कैंपेन तक लगभग सब कुछ उन्हीं की देखरेख में हुआ। करीब डेढ़ महीने के चुनाव प्रचार के दौरान मंच पर अकेले पांडियन ही प्रचार करते नजर आए। मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक बीच-बीच में उनके साथ प्रचार के लिए जाते रहे, लेकिन पार्टी के 40 'स्टार प्रचारकों' में से 38 पूरे चुनाव के दौरान नदारद रहे। और पार्टी को इसी बात का खामियाजा भुगतना पड़ा। भाजपा ने भी एक सोची-समझी रणनीति के तहत 'ओड़िया अस्मिता' को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी भाजपा नेता हर आमसभा में इसी बात को दोहराते रहे कि नवीन साढ़े चार करोड़ ओड़िया लोगों की अस्मिता को पैरों तले रौंदते हुए तमिलनाडु में जन्मे एक आदमी को ओडिशा के लोगों पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। और भाजपा की यह रणनीति काम कर गई। राज्य में चौथे और अंतिम चरण के मतदान से ठीक पहले नवीन ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि पांडियन उनके उत्तराधिकारी नहीं हैं, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। चुनाव में हार के बाद अब तक सहमे हुए पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अब पांडियन को हार का जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ खुलकर नारेबाजी करने लगे हैं। चुनाव खत्म होने तक हर जगह दिखाई देने वाले पांडियन परिणाम आने के बाद से कहीं नजर नहीं आ रहे। इसके बावजूद नवीन ने पांडियन को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहराने या उनकी निंदा करने से साफ इन्कार कर दिया है। इसके उलट उन्होंने पांडियन की जमकर प्रशंसा की है और उनके खिलाफ हो रही बयानबाजी को अनुचित बताया है। नवीन के इसी आचरण और उच्चारण के कारण राजनीति से संन्यास लेने की पांडियन की घोषणा के बाद भी बहुत कम लोग यह मानने के लिए तैयार हैं कि अब राजनीति में कभी उनकी वापसी नहीं होगी। ज्यादातर प्रेक्षक मानते हैं कि पार्टी में उनके खिलाफ फैले आक्रोश के मद्देनजर यह एक 'टैक्टिकल रिट्रीट' भर है और मामला ठंडा होने पर प्रत्यक्ष नहीं, तो परोक्ष रूप से उनकी वापसी की पूरी संभावना है।

> राजनीति में इतना छोटा कॅरिअर भी शायद ही किसी और नेता का होगा। नौकरी से इस्तीफा देने के बाद 27 नवंबर, 2023 को उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हुए। लेकिन चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नौ जून को उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर डाला। उनका राजनीतिक जीवन सिर्फ 195 दिनों का रहा। सन 2000 में आईएएस बनने के बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। अपनी मेहनत और लीक से हटकर काम करने की असाधारण क्षमता के कारण उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। पहले मयूरभंज, फिर गंजाम जिले के कलेक्टर के रूप में उनके द्वारा किए गए अच्छे कामों को लोग आज भी याद करते हैं।

आप का नजरिया

फिर उपचुनाव की गंगा

रिकार्ड और रिपोर्ट में फर्क होता है। पिछले उपचुनावों का रिपोर्ट कार्ड अपने रिकार्ड से भिन्न होने के कारण लोकसभा से भिड़ गया, इसलिए इस बार तीन निर्दलीयों के लिए मशक्कत बढ़ जाती है। विधानसभा अध्यक्ष ने पहले ही निर्दलीय विधायकों की आंखों से सुरमा चुराया और वे इस्तीफे के बावजूद कांग्रेसी बागियों के साथ उपचुनाव की गंगा में तब हाथ नहीं धो पाए। अब उनकी बारी आई है, हालांकि वे भी बागी बनकर ही उपचुनाव जीतना चाहते हैं। उपचुनाव जीतकर सुक्खू सरकार को गलत साबित करना चाहते हैं। कल तक उनके साथ छह कांग्रेसी भी सुक्खू सरकार के खिलाफ मैदान में उतरे थे। उनके रिपोर्ट कार्ड में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की शैली के खिलाफ जो भी था, वह पूरी तरह खरा साबित नहीं हुआ और बाजी चार-दो के हिसाब में सरकार को फतवा नहीं सुना सकी। अब शेष बचे तीन निर्दलीय विधायकों की कहानी का मंचन नालागढ़ में केएल ठाकुर, देहरा में होशियार सिंह तथा हमीरपुर के आशीष शर्मा करेंगे। पुनः मशक्कत यह भी कि क्या भाजपा सीधी अंगुली से उन्हें अपना टिकट देगी या कहीं सख्त-नरम के बीच गलबहियां बदल जाएंगी। जो भी हो और जितनी भी जीत हो, भाजपा के आंकड़े बदल सकते हैं। इस बार फिर कांग्रेस को अपनी क्षतिपूर्ति दूर करनी है तो निशाने पर आशीष शर्मा, होशियार सिंह व केएल ठाकुर आएंगे। यह दीगर है कि लोकसभा चुनाव की परिपाटी में यह तिकड़ी सफलतापूर्वक भाजपा के हाथ में रिकार्ड बना चुकी है, फिर भी हर चुनाव और मुद्दे अलग होते हैं। अब न सरकार के खिलाफ और न ही विधानसभा के हालात इतने सरल हैं कि एकतरफा हो जाएं। जाहिर है भाजपा के लिए यह बिसात इन्हीं मोहरों पर कमाल कर सकती है। इस बार पुनः हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ही दो विधानसभा हलकों में उपचुनाव अपनी परिभाषा गढ़ेगा। पिछली बार सुजानपुर, बड़सर, गगरेट तथा कुटलैहड़ में उपचुनाव हुए तो इस बार हमीरपुर व देहरा में यही क्षेत्र फिर दांव लगा रहा है। इसके अलावा शिमला संसदीय क्षेत्र का नालागढ़ मैदान पर आया है। यानी भाजपा की मजबूत दीवारों के सामने प्रदेश सरकार की विश्वसनीयता पर ये उपचुनाव पुनः दोनों पार्टियों के बीच कुछ समाधान तो कुछ व्यवधान पैदा कर सकते हैं। हालांकि इनसे राजनीतिक जरूरतें किसी भी दल की पूरी नहीं हो रहीं, फिर भी तीन पूर्व विधायकों के अस्तित्व पर कई प्रश्न लेकर ये उपचुनाव खड़े हैं। उपचुनाव की वजह अब पूरी तरह बेमानी है, लेकिन सरकार के आंकड़ों में यह जंग सत्ता का नशा भर सकती है। पहले भी छह उपचुनाव मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में हुए और चार सीटें जीतकर हर स्थिति में कांग्रेस बहुमत पा गई और अगर इस बार भी अनुकूल परिणाम आए तो सरकार का पलड़ा और सुखविंदर सुक्खू का प्रभुत्व भारी होगा। भाजपा ने हिमाचल की 61 सीटें पहले ही जीतकर लोकसभा के हर खंड में विजयश्री प्राप्त की है, लिहाजा नाक की लड़ाई इस बार मुद्दे और मुराद पर होगी। इस सबके बावजूद आम मतदाता के लिए इन उपचुनावों में न कोई अवसर, न राहत, बल्कि अनिश्चय की स्थिति में अपने लिए कुछ सुनिश्चित जरूर करना है।

लेबर पार्टी जारी करेगी अपना घोषणा पत्र आर्थिक विकास और धन सृजन पर रहेगा जोर

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन की मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी ने कहा है कि उनकी सरकार अगर सत्ता में आई तो वो धन सृजन और आर्थिक विकास पर फोकस करेंगे। लेबर पार्टी के नेता केर स्टर्मर अपनी पार्टी का घोषणा पत्र जारी करेंगे। ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। ब्रिटेन की मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी ने कहा है कि उनकी सरकार अगर सत्ता में आई तो वो धन सृजन और आर्थिक विकास पर फोकस करेंगे। लेबर पार्टी के नेता केर स्टर्मर अपनी पार्टी का घोषणा पत्र जारी करेंगे।

केर स्टर्मर ने आर्थिक विकास का किया वादा

ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए मतदान में करीब तीन हफ्ते का ही समय रह गया है और 4 जुलाई को ब्रिटेन में वोट डाले जाएंगे। लेबर पार्टी ने अपने घोषणा पत्र को पूरी तरह से बदलाव शीर्ष दिया है। सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी ने हाल ही में अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कंजरवेटिव पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में एक महत्वकांक्षी योजना का एलान किया है, जिसके तहत प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने टैक्स में 17 अरब पाउंड की कटौती करने का एलान किया है। लेबर पार्टी ने कंजरवेटिव पार्टी के इस एलान को चुनावी स्टंट करार दिया है और इसे कंजरवेटिव पार्टी की चुनाव जीतने के लिए आखिरी कोशिश करार दिया है। गौरतलब है कि लेबर पार्टी की ब्रिटेन में एक ऐसी पार्टी के रूप में पहचान है, जो जनता पर टैक्स थोपती है। ऐसे में पार्टी इस छवि को बदलने के लिए ही अपने घोषणा पत्र में धन सृजन करने और आर्थिक विकास पर फोकस कर रहे हैं। बदलने के लिए ही अपने घोषणा पत्र में धन सृजन करने और आर्थिक विकास पर फोकस कर रहे हैं। लेबर पार्टी के घोषणापत्र में बुनियादी ढांचे में बदलाव, निवेश को बढ़ावा और जॉब मार्केट में आमूल-चूल परिवर्तन की भी बात कही गई है।

हिंदुओं ने जारी किया अपना घोषणापत्र

ब्रिटेन में चार जुलाई को होने वाले आम चुनाव के लिए ब्रिटेन के हिंदू समुदाय ने अपनी मांगों को लेकर एक मांगपत्र जारी किया है। इस 32 पेज के दस्तावेज में हिंदू समुदाय के लोगों वो मांगे रखी हैं, जो वो चाहते हैं कि सरकार पूरी करे।

न्यूज ब्रीफ

मालदीव के क्षमता से ज्यादा खर्च पर विश्व बैंक ने दी ऋण संकट की चेतावनी, कहा- जीडीपी से 110 प्रतिशत ज्यादा कर्ज

माले। मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर फारिस एच हदाद जर्वोस का कहना है कि मालदीव को इस साल करीब 51 करोड़ डॉलर और अगले साल 1.07 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। हदाद ने कहा कि दशकों से मालदीव अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च कर रहा है। विश्व बैंक ने मालदीव को क्षमता से ज्यादा खर्च जारी रखने पर गहरे ऋण संकट में फंसने की चेतावनी दी है। मालदीव दशकों से अपनी क्षमता से अधिक खर्च कर रहा है। जब से मोहम्मद मुइज्जु के नेतृत्व में मालदीव में नई सरकार बनी है यहां सार्वजनिक खर्च में बेतहाशा वृद्धि हुई है। मालदीव की जीडीपी करीब 6.17 अरब डॉलर है। जबकि, फिलहाल मालदीव का सार्वजनिक कर्ज 8.2 अरब डॉलर हो गया है। मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर फारिस एच हदाद जर्वोस का कहना है कि मालदीव को इस साल करीब 51 करोड़ डॉलर और अगले साल 1.07 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। हदाद ने कहा कि दशकों से मालदीव अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च कर रहा है। खर्च में तेज वृद्धि और सब्सिडी ने घाटे को बढ़ा दिया है, जिससे वित्तीय स्थिति कमजोर हो गई है और कर्ज असहनीय हो गया है। ऋण बढ़कर 8.2 अरब डॉलर हुआ इससे पहले 1 जून को प्रकाशित मालदीव के वित्त मंत्रालय के तिमाही ऋण बुलेटिन के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही के लिए सार्वजनिक और सार्वजनिक रूप से गारंटीकृत (पीपीजी) ऋण बढ़कर 8.2 अरब डॉलर हो गया है, जो मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद का 110 फीसदी है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष के पहले तीन महीनों में राज्य का ऋण 9.8 करोड़ डॉलर बढ़ गया। वहीं, हदाद ने तत्काल राजकोषीय सुधारों का सुझाव देते हुए कहा कि व्यापक सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना, सरकारी क्षेत्र की कमजोरियों को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा व्यय दक्षता में सुधार करना तथा सार्वजनिक निवेश कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करना कुछ उपाय हो सकते हैं, जिनसे मालदीव गहरे ऋण संकट में फंसने से बच सकता है। कर्ज से उबरना मुश्किल जानकारों का कहना है कि मौजूदा स्थिति में मालदीव के लिए यह रकम चुका पाना आसान नहीं है, क्योंकि पर्यटन पर निर्भर अर्थव्यवस्था को कोविड से जो झटका लगा था, उससे उबर नहीं पाई है। इसके अलावा भारत के साथ संबंधों में तल्खी पैदा कर पर्यटन उद्योग के लिहाज से अपने पैरों पर कुल्हाडी मारी है।

चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए भारत को अमेरिका ने दी बधाई, लेकिन शी जिनपिंग को लेकर चेताया भी

वॉशिंगटन। अमेरिका का यह बयान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान के बाद आया है, जिसमें विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत, चीन के साथ संबंध बहेतर करन पर फोकस कर रहा है। अमेरिका ने भारत को चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने यह बात कही। अमेरिका का यह बयान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान के बाद आया है, जिसमें विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत, चीन के साथ संबंध बहेतर करन पर फोकस कर रहा है।

सात मासूमों को मौत के घाट उतारने की दोषी महिला पर फिर शुरू हुआ मुकदमा अब नवजात की हत्या की कोशिश का आरोप

लंदन। लेटबी पर आरोप है कि फरवरी 2016 में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल

में उसने समय से पहले जन्में एक नवजात को मारने की कोशिश की थी। अदालत में सुनवाई के दौरान वकील निक जॉनसन ने आरोप लगाया कि आरोपी नर्स को एक वरिष्ठ डॉक्टर ने लगभग रंगे हाथों पकड़ लिया था। बच्चों की हत्या के आरोप में दोषी महिला पर ब्रिटेन में फिर से मुकदमा शुरू किया गया है। महिला पर अब एक नवजात बच्ची की हत्या के प्रयास का आरोप है। आरोपी महिला लूसी लेटबी ने हत्या की कोशिश वहीं की, जिस अस्पताल में वह काम करती थी। शिशु की श्वास नली से छेड़छाड़ का आरोप जानकारी के अनुसार, लेटबी पर आरोप है कि फरवरी 2016 में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में उसने समय से पहले जन्में एक नवजात को मारने की कोशिश की थी।

अर्जेंटीना में आर्थिक सुधार बिल के खिलाफ सड़कों पर लोग

गाड़ियां जलाईं, पेट्रोल बम फेंके, पुलिस ने रोकने के लिए पेपर स्प्रे इस्तेमाल किया

ब्यूनस आयर्स, 13 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना में राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के आर्थिक सुधार बिल के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सीनेट में बिल पेश होने के साथ ही राजधानी ब्यूनस आयर्स में लोग सड़कों पर उतरे। लोगों ने कांग्रेस (संसद) के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस, रबर बुलेट और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल बम फेंके और पत्थरबाजी भी की। इस दौरान पुलिस की एक गाड़ी में तोड़फोड़ कर उसे आग के हवाले कर दिया गया।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने देश बिकाऊ नहीं है का नारा भी लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बाड़ों को पार कर संसद में घुसने की कोशिश भी की। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों पर पत्थर फेंके। इस पर अफसरों ने उन्हें हटाने के लिए मिर्ची के स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन में विपक्ष के कई सांसदों ने भी हिस्सा लिया। झड़प के दौरान 20 पुलिसकर्मी समेत की लोग घायल हुए। वहीं पुलिस ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया। घायल सांसदों को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए लाया गया बिल

अर्जेंटीना की खस्ता हाल अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने संसद में एक बिल पेश किया है। इसके तहत देश में आर्थिक इमरजेंसी की स्थिति घोषित करने की बात कही गई है।

इसके अलावा पेंशन में कटौती और श्रम अधिकारों को कम करने का प्रावधान भी रखा गया है। इस प्रस्ताव का वामपंथी राजनीतिक दल, लेबर यूनियन और सामाजिक संगठन विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह बिल देश को 100 साल पीछे ले जाएगा।

प्रस्ताव को फरवरी में अर्जेंटीना की संसद के लोअर हाउस (चेंबर ऑफ डेप्यूटीज) में पेश किया गया था। 2 महीनों तक चली बहस के बाद यह अप्रैल में पास हो गया। इसके बाद इसे सीनेट (अपर हाउस) में रखा गया। यहां शुरुआत में यह 36-36 वोटों के साथ टाई हो गया। हालांकि, सीनेट की अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति विक्टोरिया विलारुएल ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया।

विक्टोरिया ने कहा, मेरा वोट उन लोगों के लिए है, जिन पर आर्थिक तंगी का सबसे ज्यादा असर हो रहा है, जो सुधार का इंतजार कर रहे हैं और जो अपने बच्चों को देश छोड़कर जाते नहीं देखना चाहते। अब इस बिल के हर पॉइंट पर चर्चा होगी, जिसके बाद इसे लागू करने के लिए दोबारा लोअर हाउस भेजा जाएगा।

अर्जेंटीना में महंगाई दर 300 प्रतिशत, देश की 40 प्रतिशत आबादी गरीब

अर्जेंटीना में महंगाई दर 300 प्रतिशत पहुंच चुकी है। जैसे-जैसे लागत बढ़ रही है, देश में गरीबी भी बढ़ती जा रही है। पिछले साल नवंबर में हुए एक सर्वे के मुताबिक देश में 40 प्रतिशत से ज्यादा आबादी गरीब है। राष्ट्रपति का दावा है कि नए सुधारों से महंगाई दर काबू में आएगी। साथ ही देश पर कर्ज के बोझ को भी कम किया जा सकेगा। हालांकि, उनके आलोचकों ने आशंका जताई है कि भारी कटौती से स्थिति और खराब होगी।

जेवियर को अर्जेंटीना का पागल आदमी कहते हैं आलोचक

अर्जेंटीना के कट्टर राष्ट्रवादी और दक्षिणपंथी नेता जेवियर ने पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति पद संभाला था। उन्होंने वादा किया था कि वे सरकारी खर्च पर लगाम लगाएंगे। इसके लिए वे चुनावी कैंपेन के दौरान आरी लेकर भी पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जेवियर को उनके आलोचक अकसर 'पागल आदमी' कहते हैं। चुनावी कैंपेन के दौरान जेवियर ने वादा किया था कि वे गन लॉ यानी बंदूक रखने के कानूनों को लचीला बनाएंगे। देश में 2020 में गर्भपात कानून को मंजूरी दी गई थी। वो इसे भी खत्म करेंगे और ह्यूमन ऑर्गन्स यानी मानव अंगों की खरीद-फरोख्त को मंजूरी देंगे।

विरोध के आगे झुकी फ्रांस सरकार, न्यू कैलेडोनिया के मतदान सुधार को निलंबित किया

पेरिस, 13 जून (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने न्यू कैलेडोनिया में लागू किए गए मतदान सुधार को निलंबित करने का एलान किया। इन मतदान सुधारों की वजह से ही कैलेडोनिया में बीते दिनों भीषण हिंसा भड़क गई थी। हिंद प्रशांत महासागर में फैले पांच द्वीप क्षेत्रों में से एक न्यू कैलेडोनिया पर फ्रांस का प्रशासन है।

मतदान सुधार पर हुआ था भारी विवाद

फ्रांस ने बीते दिनों न्यू कैलेडोनिया में मतदान को लेकर कुछ सुधार किए थे। न्यू कैलेडोनिया में मतदान का अधिकार उन्हीं लोगों के पास था, जो 1998 से पहले न्यू कैलेडोनिया में रह रहे थे। इस कानून का उद्देश्य कैलेडोनिया में रहने वाले मूल निवासियों और अल्पसंख्यक कनक समुदाय को अधिक प्रतिनिधित्व देना था। हालांकि पेरिस ने इस व्यवस्था को अलोकतांत्रिक माना और फ्रांस की संसद ने कानून में सुधार करते हुए 10 वर्षों से कैलेडोनिया में रह रहे लोगों को भी मतदान का अधिकार देने का फैसला किया।

सरकार के इस फैसले से स्थानीय लोग नाराज हो गए और इसके चलते कैलेडोनिया में हिंसा भड़क गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस फैसले से वह हाशिए पर चले जाएंगे और कैलेडोनिया में उनका प्रभाव खत्म होने का डर है। कैलेडोनिया में फ्रांस से आजादी की मांग भी जोर पकड़ रही है। हिंसा भड़कने के बाद राष्ट्रपति मैक्रां ने कैलेडोनिया के जन प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए पेरिस आमंत्रित किया और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की बात कही थी। अब राष्ट्रपति मैक्रां ने इन सुधारों को निलंबित करने का फैसला लिया।

हिंसा में तीन लोगों की हुई थी मौत

मतदान सुधारों के चलते कैलेडोनिया में हुए विरोध प्रदर्शनों में तीन लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। हिंसा के चलते कैलेडोनिया में स्कूल-कॉलेज और हवाई अड्डे बंद करने पड़े थे और राजधानी नौमिया में कर्फ्यू लगा दिया गया था। उसके बाद से भी छिटपुट हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं। न्यू कैलेडोनिया ऑस्ट्रेलिया से करीब 1500 किलोमीटर पूर्व में स्थित है।

एफबीआई दफ्तर में महिला ने खुद पर तानी बंदूक, अफसरों ने सूझबूझ से आत्मसमर्पण कराया, पुलिस ने हिरासत में लिया

वॉशिंगटन, 13 जून (एजेंसियां)। सिएटल पुलिस विभाग ने ईमेल के माध्यम से घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला ने खुद पर ही बंदूक तान ली थी। इसके बाद बंधक वार्ता दल

को वहां बुलाया गया। बंधक वार्ता दल ने अपनी सूझबूझ से महिला को आत्मसमर्पण और बंदूक को जमीन पर रखने के लिए राजी कर लिया है। अमेरिका के सिएटल में एफबीआई की इमारत में एक घंटे खूब बवाल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया। एफबीआई के प्रवक्ता स्टीव बर्न्ड ने बताया कि महिला सार्वजनिक क्षेत्र में चली गई थी। यहां आने के लिए लोगों को लॉबी में जाने के लिए इंतजार करना पड़ता है। यह है पूरा मामला, घटना में कोई घायल नहीं सिएटल पुलिस विभाग ने ईमेल के माध्यम से घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला ने खुद पर ही बंदूक तान ली थी। इसके बाद बंधक वार्ता दल को वहां बुलाया गया। बंधक वार्ता दल ने अपनी सूझबूझ से महिला को आत्मसमर्पण और बंदूक को जमीन पर रखने के लिए राजी कर लिया है। इन सब खींचतान में खास बात यह रही कि कोई भी इसमें घायल नहीं हुआ। महिला कौन है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। महिला ने ऐसा क्यों किया, इसकी जानकारी अभी नहीं है। पुलिस तमाम कारणों की जांच कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी घटनाएं एफबीआई ने पिछले कुछ वर्षों में ब्यूरो कर्मियों और सुविधाओं के खिलाफ अपराधों के बढ़ने की पुष्टि की है। दो साल पहले, 2022 में ऋ-15 राइफल और नेल गन से लैस एक व्यक्ति ने एफबीआई के सिनसिनाटी फील्ड ऑफिस में घुसने की कोशिश की थी। हालांकि, कुछ घंटों बाद वह मारा गया। अगस्त में एक व्यक्ति अटलांटा स्थित एफबीआई कार्यालय में घुसा था। उसने बैरिकेड तोड़ दिया था।

बदहाल पाकिस्तान ने रक्षा बजट 15 फीसदी बढ़ाया, 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2122 अरब रुपए का है बजट

इस्लामाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने देश का वर्तमान वित्त वर्ष का बजट पेश किया जिसका आकार पिछले साल से करीब 30 फीसदी ज्यादा है। 18.9 (18,877 अरब) ट्रिलियन रुपये के इस बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इस साल पाकिस्तान का रक्षा बजट 2122 अरब रुपये होगा। पिछले साल यह 1804 अरब रुपये था।

बजट में अगले साल देश की अर्थव्यवस्था के 3.6 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया गया है। पिछले साल यह अनुमान 3.5 प्रतिशत था मगर पाकिस्तान लक्ष्य से चूक गया था और जीडीपी सिर्फ 2.38 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इस बार वित्त मंत्री औरंगजेब ने बड़े पैमाने पर सख्त फैसले लिए हैं और कर का दायर बढ़ाया गया है। बजट में उधारी चुकाने पर सबसे अधिक 9700 अरब रुपये खर्च होंगे जबकि इसके बाद सबसे अधिक खर्च रक्षा पर ही किए जाने का प्रावधान है। देश में नए आम चुनावों के बाद पीएमएल-एन और पीपीपी

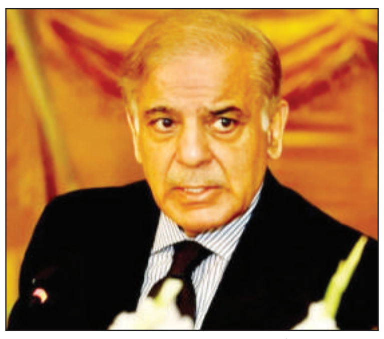

गठबंधन सरकार का यह पहला बजट है।

बजट से पहले खुलकर उभरी गठबंधन में दरार

बजट के पेश किए जाने से पहले ही गठबंधन के दोनों सहयोगियों में दरार देखने को मिली और पीपीपी के बिलावल भुट्टो जरदारी ने आरोप लगाया है कि बजट तैयार करने में उनकी पार्टी से कोई सलाह मशविरा नहीं किया गया। बिलावल ने सवाल किया कि क्या शहबाज शरीफ के नेतृत्व की सरकार अब भी उनके समर्थन को तरजीह देती है। इस विवाद के चलते पाकिस्तान की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के सहयोगियों में पड़ी दरार खुलकर सामने आ गई है। बताया कि पीपीपी ने संसद में बजट पेश किए जाने से पहले ही बिलावल संसदीय समिति की बैठक में यह आपत्ति जताई।

खान का यूटर्न, सरकार से करेंगे चर्चा

उजेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान ने यू-टर्न लेते हुए सियासी तनाव घटाने के लिए सरकार से बातचीत को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कुछ दिन पहले ही सत्तारूढ़ गठबंधन को दंतहीन कहकर उसके साथ वार्ता से इन्कार किया था। उम्मीद थी कि हमारी सुनेंगे सरकार के व्यवहार पर पीपीपी की ओर से नाराजगी जताते हुए सूचना सचिव शाजिया मारी ने कहा, हमने ऐसे हालात रोकने के लिए सरकार से संपर्क किया था। उम्मीद भी नहीं थी कि हमारी आवाज नहीं सुनी जाएगी।

'युद्ध विराम और गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के लिए डालें दबाव', हमास ने अमेरिका से की अपील

दोहा, 13 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के युद्ध विराम प्रस्ताव को बढ़ावा देने के लिए ब्लिंकन अंतिम दिन कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका सौदे को लागू करने के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ काम करेगा।

इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। अमेरिकी विदेश मंत्री इन दिनों मध्य पूर्व के दौरे पर थे। दौर के आखिरी दिन उन्होंने कहा कि फलस्तीनी क्षेत्र में भयंकर लड़ाई चल रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई का समझौता अब भी संभव है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक दिन पहले ही इजराइल ने लेबनान के आंतकी समूह हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडर को मौत के घाट उतार दिया, जिसके बाद उत्तरी इजराइल पर हिजबुल्लाह रॉकेट की बारिश कर रहा है।

हमास ने इजराइल पर दबाव डालने का किया आग्रह

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के युद्ध विराम प्रस्ताव को बढ़ावा देने के लिए ब्लिंकन अंतिम दिन कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका सौदे को लागू करने के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ काम करेगा। हमास ने मध्यस्थ कतर और मिस्र को अपना जवाब प्रस्तुत किया। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ओसामा हमदान ने कहा कि हम गाजा में स्थायी युद्ध विराम और इजराइली सैनिकों की पूर्ण वापसी चाहते हैं पर इजराइल ने अस्वीकार कर दिया है। हमास ने ब्लिंकन से आग्रह किया है कि वे इजराइल पर दबाव डालें। इसके अलावा, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा कि हमास की कई मांगे मामूली नहीं है और उनकी मांगे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पास प्रस्ताव से अलग है।

सुरक्षा परिषद में पहला प्रस्ताव पास

बता दें, 10 जून को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से संघर्ष विराम योजना का समर्थन किया और अपने पहले प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह प्रस्ताव अमेरिका ने पेश किया था, जो 14-0 से पास हो गया। मतदान के दौरान रूस वहां उपस्थित नहीं था। इस दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इजराइल ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। अमेरिका ने हमास से आह्वान किया था कि वह भी प्रस्ताव को स्वीकार करे। प्रस्ताव पर अमेरिका ने कहा कि यह इजराइल और हमास बिना किसी शर्त के प्रस्ताव की शर्तों को पूरी तरह से लागू करें।

हमास ने प्रस्ताव का किया स्वागत

हमास ने प्रस्ताव किया। हमास ने कहा था कि वे प्रस्ताव के सिद्धांतों को लागू करने के लिए मध्यस्थों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। हमास ने कहा था कि वह उन सिद्धांतों को लागू करने के लिए अप्रत्यक्ष बातचीत करने के लिए तैयार है, जो उनकी मांगों के अनुरूप हैं। हमास ने सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में शामिल उन सभी बातों का स्वागत किया है, जिसमें गाजा में स्थायी युद्ध विराम, पूर्ण वापसी, कैदियों की अदला-बदली, पुनर्निर्माण, विस्थापितों को उनके निवास क्षेत्रों में वापस भेजना और आवश्यक सहायता देने सहित कई सिद्धांत शामिल हैं।

सात अक्तूबर से जारी है युद्ध

गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इजराइली शहरों पर दागे गए थे. जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। इजराइल ने इस हमले को आंतकी हमला करार दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कमस खाई है कि वह जब तक हमास को पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देते, तब तक वे युद्ध विराम नहीं करेंगे। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइली हमलों में 36,700 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो गई है। वहीं, 80 हजार से अधिक लोग घायल हैं। इनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। 80 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है और सैकड़ों हजारों लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं।

पूर्व खेलमंत्री संदीप सिंह को आरोप मुक्त किए जाने की अर्जी पर पुलिस ने दिया जवाब, कहा– उन पर चले मुकदमा

चंडीगढ़, 13 जून (एजेंसियां) ।

महिला कोच से छेड़छाड़ मामले मे हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह की आरोप मुक्त किए जाने की अर्जी पर चंडीगढ़ पुलिस ने जिला अदालत में जवाब दिया। सेक्टर 26 थाना पुलिस ने अपने जवाब में कहा कि महिला अपने बयानों पर कायम है। उसने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दिए बयानों में संदीप सिंह पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। इसलिए इस मौके पर संदीप सिंह को केस से आरोप मुक्त नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में पुलिस ने संदीप सिंह की अर्जी को रद्द किए जाने और उनके खिलाफ आरोप तय कर मुकदमा चलाए जाने की मांग की। अब इस केस में आगे की कार्रवाई 6 जुलाई को होगी। हालंकि सुनवाई के वक्त संदीप सिंह खुद पेश नहीं हुए।

पूरी योजना बनाकर झूठे केस में फंसाया गया- संदीप सिंह – संदीप सिंह के खिलाफ सेक्टर–26 थाना पुलिस ने दिसंबर 2022 में छेड़छाड़ के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी। पूर्व मंत्री ने आरोपमुक्त किए जाने की अर्जी में कहा कि शिकायतकर्ता महिला पहले भी मामूली बातों पर कई लोगों के खिलाफ शिकायतें दे चुकी है। उनके खिलाफ छह महीने की देरी से एफआईआर हुई थी यानी पूरी योजना बनाकर उन्हें झूठे केस में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि महिला कोच की पोस्टिंग और विदेश में ट्रेनिंग जैसी मांगों को उन्होंने नहीं माना, इसलिए उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं।

क्या है ये पूरा मामला – पीड़ित महिला कोच की ओर से एडवोकेट दीपांशु बंसल अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि दो साल पहले हरियाणा खेल विभाग की एथलेटिक्स कोच ने पूर्व मंत्री पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। उसकी शिकायत पर सेक्टर–26 थाना पुलिस ने 31 दिसंबर 2022 को संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354–ए, 354–बी, 342, 506 और 509 के तहत केस दर्ज किया था। शिकायत में महिला ने बताया कि एक जुलाई 2022 को संदीप सिंह ने उसे अपने सेक्टर 7 स्थित सरकारी घर पर बुलाया। वहां उन्होंने महिला से छेड़छाड़ शुरू कर दी थी और उसके कपड़े भी फाड़ दिए।

मंत्री की बात नहीं मानी तो हो गया ट्रांसफर – एडवोकेट बंसल ने कहा कि पूर्व मंत्री संदीप सिंह ने पीड़ित के साथ दुष्कर्म की कोशिश की। वह बड़ी मुश्किल से वहां से भाग निकली। इसके बाद मंत्री ने उसे तंग करना शुरू कर दिया। यहां तक कि पीड़ित की झज्जर में ट्रांसफर कर दी गई। जिसके बाद उसने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा खेल नर्सरी योजनाः इस जिले में कुश्ती की सबसे अधिक नर्सरियां, 15 जून से फिर से होगा संचालन

सोनीपत। खेल विभाग पंचकूला ने खेल नर्सरियों की सूची जारी कर दी हैं, जिसमें जिले के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा देने के लिए 79 निजी खेल नर्सरियां आवंटित की हैं। खेल नर्सरियां फरवरी में बंद कर दी गई थीं जिसके बाद नर्सरियां एक अप्रैल से दोबारा शुरू की जानी थी, लेकिन नर्सरियां शुरू नहीं हो पाई थी। अप्रैल में नर्सरियों का दोबारा फिजिबिलिटी जांच कराई गई जिसकी रिपोर्ट के आधार पर अब जिले में खेल नर्सरियां 15 जून को शुरू कर दी जाएंगी। सभी निजी संस्थान को 15 जून से पहले ट्रायल के माध्यम से खिलाड़ियों को चयनित करके जिला खेल विभाग में सूची जमा करानी होगी। खेल नर्सरी योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को जमीनी स्तर से विश्व स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना हैं। जिसके तहत प्रदेश के हर जिले में नर्सरी खोली गई हैं ।कुश्ती की सबसे अधिक नर्सरियांजिले में कुल 111 प्राइवेट व सरकारी खेल नर्सरियां आवंटित की गई हैं, जिसमें कुश्ती व कबड्डी को प्राथमिकता दी गई हैं। जिले में कुश्ती की कुल 28 नर्सरियां प्रदान की गई हैं। वहीं कबड्डी की कुल 17 खेल नर्सरियां हैं। इन संस्थानों को मिली नर्सरियां तीरंदाजी – प्रताप सिंह मेमोरियल शिक्षा संस्थान। एथलेटिक्स – मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, बिरला चिल्ड्रन्स अकादमी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव तिहाड़बागड़ू, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव जुआं को मिली। बास्केटबाल– मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोहाना, ग्राम पंचायत रुखी खास, सर छोटू राम मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रतनगढ़ ।बैडमिंटन – मलिक बैडमिंटन अकादमी, एसडी स्पोर्ट्स काम्पलेक्स ।बेसबाल – रौनक पब्लिक स्कूल गन्नौर। मुक्केबाजी – जय बालाजी स्पोर्ट्स अकादमी, मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, होली क्रास स्कूल, दिलबाग बाक्सिंग क्लबतलवारबाजी – प्रताप खेलकूद विद्यालय, खरखौदाफुटबाल – राजीव गांधी खेल परिसर गांव राजलू गढ़ी, डिलाइट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव जागसी (लड़की), गांव मुरथल ।जिम्नास्टिक्स – मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत ।हैंडबाल – राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बुटाना, राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माडल टाउन सोनीपत ।हाकी – मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, राई, महेंद्रा मेमोरियल स्पोर्ट्स क्लब गांव खेवड़ा, हाकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हाकी सोसाइटी, दीनबंधू सर छोटूराम अकादमी गांव पिनाना ।जूडो – विद्या महासभा कन्या गुरुकुल। कबड्डी – जय बाबा प्रेम दास कबड्डी अकादमी, भैंसवाल कलां, द आर्यन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बारू राम स्टेडियम, चौ. मांगेराम स्पोर्ट्स कबड्डी सोसाइटी, आदर्श युवा खेल व विकास समिति गांव नाहरी, राजीव गांधी खेल परिसर गांव खानपुर कलां, मिनी स्टेडियम गांव गिवाना, शास्त्री खेल समिति गांव माहरा, खेल स्टेडियम ग्राम पंचायत छतेहरा, राजीव गांधी खेल परिसर गांव पुरखास धीरान, बेस अकादमी फॉर गर्ल्स स्पोर्ट्स, अनूप खेल विलेज, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव गुमड़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव कोहला ।लान टेनिस – मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय ।शूटिंग – जिला शूटिंग रेंज सोनीपत, मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, जन चेतना स्पोर्ट्स व वेलफेयर सोसाइटी।

रोमांचक मुकाबले में बंगलादेश ने नीदरलैंड को 25 रनों से हराया

किंग्सटाउन, 13 जून (एजेंसियां)।

शाकिब अल हसन नाबाद (64) की अर्धशतकीय और तंजिद हसन (35) रनों की पारियों और उसके बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बंगलादेश ने गुरुवार टी–20 विश्वकप के 27वें मुकाबले में नीदरलैंड को 25 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही बंगलादेश ने सुपर आठ की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है।

आज यहां नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ओवर में कप्तान नजमुल शान्तो (1) को आर्यन दत्ता ने विक्रमजीत के हाथों कैच आउट करा दिया।

चौथे ओवर में लिटन कुमार दास भी (1) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय शाकिब अल हसन और तंजिद हसन ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिये 48 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में पॉल वैन मीकरेन ने तंजिद हसन को आउट कर बंगलादेश को तीसरा झटका दिया। तंजिद ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रन बनाये।

मो. तौहीद हृदोय (9) और महमुदउल्लाह (25) रन बनाकर आउट हुए। शाकिब अल हसन ने 46 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए नाबाद 64 रनों की पारी खेली।

जाकेर अली 14 रन बनाकर नाबाद रहे। बंगलादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 159 रन का स्कोर खड़ा किया।

नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त और पॉल वैन मीकरेन ने दो–दो विकेट लिये। टिम प्रिंगल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

160 रनों के लक्ष्य का उतरी नीदरलैंड की भी शुरुआत ठीक नहीं रही। पांचवें ओवर में तस्किन अहमद ने माइकल लेविट (18) का शिकार कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। छठे ओवर में अंजिम ने मैक्स ओ'डाउड (12) को कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। 10वें ओवर में विक्रमजीत सिंह (26) को महमुदउल्लाह की गेंद पर लिटन ने स्टंप किया।

साइब्रैंड एंजेलब्रेक्ट ने 22 गेदों में सर्वाधिक 33 रन बनाये। स्कॉट एडवर्ड्स (25), बास डलीडे (शून्य) और लोगन वैन बीक (2) रन बनाकर आउट हुये। आर्यन दत्त 15 रन बनाकर नाबाद रहे। नीदरलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 134 रन ही बना सकी और 25 रन से मुकाबला हार गई। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद को दो विकेट मिले। मुस्तफिज़ुर रहमान, तनजीम हसन साकिब और महमुदउल्लाह ने एक–एक बल्लेबाज को आउट किया।

पेरिस ओलंपिक में नडाल-अल्काराज की जोड़ी युगल में खेलेगी, स्वर्ण पर साधेंगे निशाना

मैड्रिड, 13 जून (एजेंसियां) ।

महान टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन घोषणा की कि नडाल–अल्कारेज ओलंपिक में युगल में खेलेंगे।

फेडरेशन ने यह घोषणा 21 वर्षीय अल्कारेज के पहली बार फ्रेंच ओपन चैंपियन बनने के तीन दिन बाद की है। अल्कारेज को नडाल का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। नडाल उनके बचपन के हीरो रहे हैं। नडाल न सिर्फ 22 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं बल्कि 2008 के बीजिंग ओलंपिक में उन्होंने एकल का स्वर्ण और 2016 के रियो ओलंपिक में मार्क लोपेज के साथ मिलकर युगल का स्वर्ण जीता था।

अल्काराज ने हाल ही में बनाया था रिकॉर्ड – स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने यहां पुरुष एकल के फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में हराकर फ्रेंच ओपन का एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। अल्काराज ने यह मुकाबला 6–3, 2–6, 5–7, 6–1, 6–2 से अपने नाम किया। साल 2022 से अल्काराज ने प्रत्येक वर्ष एक ग्रैंडस्लैम की ट्रॉफी जीती है। यह अल्काराज का तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब रहा। इससे पहले 21 वर्षीय अल्काराज ने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विंबलडन जीता था। अल्काराज ने 11 एटीपी टूर खिताब जीते हैं। 21 वर्षीय अल्काराज तीन अलग–अलग ग्रैंडस्लैम (सतह) को जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं और उन्होंने हमवतन राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया। नडाल 14 बार के फ्रेंच ओपन विजेता हैं। फ्रेंच ओपन में खेलने से पहले अल्कारेज चोट के कारण तीन सप्ताह तक नहीं खेल पाए थे। ज्वेरेव दूसरी बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में हारे हैं। इससे पहले उन्हें 2020 यूएस ओपन के फाइनल में शिकस्त मिली थी।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को हरा कर सुपर 8 में बनाई जगह

त्रिनिदाद, 13 जून (एजेंसियां) ।

शेरफेन रदरफोर्ड की नाबाद 68 रन की पारी और अल्जारी जोसेफ के चार विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 13 रन से हराकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ में जगह बना ली है। धाकड़ ऑलराउंडर से सजी वेस्टइंडीज की टीम ने ग्रुप–सी में तीनों मैच जीते हैं और अब उसका सामना ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में अफगानिस्तान से होगा। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड लगातार दो हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 30 रन के अंदर टीम ने अपने 5 विकेट खो दिए, लेकिन छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शेरफेन रदरफोर्ड ने पारी को संभाला और स्कोर 149 तक पहुंचाया। रदरफोर्ड ने नाबाद 68 रन बनाए। उनके अलावा निकोलस पूरन ने 17, अकील होसैन ने 15, आंद्रे रसेल ने 14 और रोमारियो शेफर्ड ने 13 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 3 विकेट झटके। टिम साउथी और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2–2 विकेट लिए। जेम्स नीशम और मिचेल सेंटनर को 1–1 विकेट मिला। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही। हालांकि, फिन एलन ने एक छोड़ संभाले रखा लेकिन वो भी 26 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नंबर–6 पर बल्लेबाजी करने आए ग्लेन फिलिप्स ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट झटके। वहीं मोती ने 3 विकेट लिए। आंद्रे रसेल और अकील होसेन को 1–1 विकेट मिला।

इस फुटबॉल क्लब से खेलते हुए करियर खत्म करेंगे मेसी, अपने सबसे बड़े डर का भी किया खुलासा

न्यूयॉर्क, 13 जून (एजेंसियां) ।

दुनिया के महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने कहा है कि वह अपने करियर का अंत अपने मौजूदा क्लब इंटर मियामी में रहते हुए ही करेंगे। इसके अलावा उन्होंने अपने सबसे बड़े डर का भी खुलासा किया है। साथ ही यह भी बताया है कि वह फुटबॉल में अपना करियर खत्म होने के बाद क्या करेंगे। मेसी का इंटर मियामी से 2025 तक का अनुबंध है। इंटर मियामी मेजर लीग सॉकर का हिस्सा है। इसके बाद वह अपने कॉन्ट्रैक्ट को आगे बढ़ाएंगे या नहीं इसको लेकर अब तक उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है। ऐसा माना जा रहा है कि 2025 उनके करियर का आखिरी साल हो सकता है। मेसी ने 2022 में अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप का खिताब दिलाया था। अभी भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक होने के बावजूद मेसी ने स्वीकार किया कि उनके करियर का अंत निकट आ रहा है। बार्सिलोना और पेरिस सेंट–जर्मेन फुटबॉल क्लब का यह पूर्व स्टार इस महीने के अंत में 37 वर्ष का हो जाएगा। मेसी ने ईएसपीएन अर्जेंटीना के साथ एक अपनी भावनाओं और योजनाओं को साझा किया। मेसी ने ईएसपीएन अर्जेंटीना से कहा, मैं फुटबॉल छोड़ने के लिए

तैयार नहीं हूं। मैंने अपने पूरे जीवन में यही किया है। मैं ट्रेनिंग सेशन और मैच का आनंद लेता हूं। यह डर हमेशा बना रहता है कि सब कुछ खत्म हो जाएगा। मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होने जा रहा है। मेसी का करियर असाधारण रहा है। अर्जेंटीना के इस दिग्गज खिलाड़ी ने कई बार चैंपियंस लीग जीती है, साथ ही स्पेन और फ्रांस में लीग खिताब हासिल किए हैं। सबसे खास बात यह है कि अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका और विश्व कप में जीत दिलाई है। मेसी की ट्रॉफी कैबिनेट भी उतनी ही प्रभावशाली है, जो उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में मान्यता देने वाले कई बैलन डीओर पुरस्कारों से सुसज्जित है। जैसे–जैसे वह रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे हैं, मेसी के विचारों से वैश्विक आइकन के मानवीय पक्ष का पता चलता है। उन्होंने स्वीकार किया, यह डर कि सब कुछ खत्म हो जाएगा, यह हमेशा बना रहता है। इससे पता चलता है कि महान खिलाड़ियों को भी किसी न किसी डर से गुजरना पड़ता है। उनके शब्द उन भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक चुनौतियों को दर्शाते हैं जिनका सामना महानतम खिलाड़ियों को भी करना पड़ता है।

शहजाद ने बाबर आजम पर सवाल उठाये, निचले स्तर की टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को भ्रम में डाला

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी खराब

कप्तानी के कारण पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें कप्तानी छोड़कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है। विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका जैसी नई टीम से हारने के बाद से ही आजम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी। वहीं भारत से हार के बाद तो उनके आलोचक और मुखर हो गये हैं। पाक टीम को कनाडा के खिलाफ मिली जीत के दौरान भी खासा संघर्ष करना पड़ा है और उसपर सुपर आठ से बाहर होने की तलवार लटकी हुई है। इसी सब के बीच ही बल्लेबाज अहमद शहजाद ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया है। शहजाद का कहना है कि ऐसे किंग का क्या किया जाये जो किसी काम का नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ अहम मुकाबले में जीत के करीब पहुंचने के बाद भी पाक टीम के खिलाड़ी दबाव नहीं झेल पाए और ऐसे अहम मैच में कप्तान बाबर एक अच्छा स्कोर नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी मैच में बेहद लचर नजर आयी। शहजाद ने कहा कि अगर बाबर टीम के लिए मैच नहीं जीत सकते तो ऐसे किंग का कोई फायदा नहीं है। शाहजाद ने एक शो के दौरान कहा कि उन्होंने निचले स्तर की बी, सी और डी टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को गुमराह किया है। खेल को विकसित करने के लिए पीसीबी ने उनका वेतन बढ़ाया था।

पीसीबी ने रखा 19 फरवरी से शुरुआत का प्रस्ताव, भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल किया खारिज

लाहौर, 13 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 19 फरवरी से शुरुआत करने का प्रस्ताव रखा है, जो पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी। साथ ही उसने एशिया कप 2023 की तरह भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रस्ताव के मुताबिक, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 19 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएगी। सभी मैच तीन प्रमुख शहरों कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाएंगे। पीसीबी के सूत्रों के मुताबिक, इस आयोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए पाकिस्तान आए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताया है। पीसीबी ने भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। पीसीबी का कहना है कि सभी मैच पाकिस्तान में खेले जाने चाहिए। ये उम्मीद की जा सकती है कि इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का फैसला काफी विचार विमर्श के बाद आ सकता है। पिछले एशिया कप 2023 के दौरान भारत के मैचों को श्रीलंका में ट्रांसफर कर दिया गया था। हालांकि, इस बार पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के चयन के लिए तैयार नहीं है। पाकिस्तान चाहता है कि भारत समेत सभी मैच देश में ही खेले जाएं। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, हमने हाइब्रिड मॉडल नहीं चुना है। हालांकि, हमने यह सुविधा दी है कि भारत के मैच लाहौर में ही खेले जा सकते हैं। इस तरह, टीम को पाकिस्तान के शहरों में इधर–उधर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी और लाहौर में टीम की सुरक्षा अच्छी तरह से बनाए रखी जा सकेगी। सूत्र के अनुसार, भारतीय क्रिकेट टीम पूरे टूर्नामेंट के दौरान लाहौर में रह सकती है। इससे सुरक्षा संबंधी कठिनाई कम हो जाएंगी और टीम को एक शहर से दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय टीम के लिए विशेष व्यवस्था मैचों में हिस्सा लेने के लिए आसान और ज्यादा सुविधाजनक विकल्प दे सकती है, क्योंकि ये मैच एक ही शहर में खेले जाएंगे। पीसीबी सूत्र ने कहा, लाहौर से वाघा बॉर्डर का करीब होना भारतीय फैंस के लिए ज्यादा सुविधाजनक रहेगा। हालांकि, सवाल यह है कि क्या भारत इस आयोजन को स्वीकार करेगा और इसमें हिस्सा लेगा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, कराची में कम से कम तीन मैच खेले जाएंगे। इसमें उद्घाटन और सेमीफाइनल मैच शामिल है। लाहौर में फाइनल समेत कम से कम सात मैच खेले जाएंगे। रावलपिंडी में कम से कम पांच मैच खेले जाएंगे, जिसमें एक सेमीफाइनल भी शामिल है।

भारतीय पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप में जीत से की शुरुआत

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप 2024 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारत ने दोनों वर्गों में जीत के साथ आगाज किया। चोटिल अभय सिंह के बिना खेल रही पुरुष टीम ने अनुभवी वेलावन सेंथिलकुमार की अगुआई में कुवैत को 2–1 से हराया। रतिका एस सीलान की अगुआई में महिला टीम ने मकाउ को 2–1 और मंगोलिया को 3–0 से शिकस्त दी। पुरुष वर्ग में सेंथिलकुमार ने कुवैत के अथबी हमाद को 11–4, 11–5, 11–4 से हराया, लेकिन राहुल भाटिया को मोहम्मद अल्खानफिर के खिलाफ 8–11, 12–10, 8–11, 11–9, 2–11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। सूरज कुमार चंद ने बदर अलमोघरेबी को 11–6, 11–7, 11–6 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। महिलाओं के वर्ग में मकाउ के खिलाफ रतिका ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाते हुए ल्यु क्वाई ची को 11–4, 11–4, 11–5 से हराया। पूजा आरती रघु को येउंग वेंग ची के खिलाफ 6–11, 5–11, 2–11 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन जेनेट विधि ने येउंग वेई वेंग को 11–9, 6–11, 14–12, 11–9 से हराकर भारत को जीत दिलाई। मंगलोलिया के खिलाफ रतिका, पूजा और सुनिता पटेल ने जीत दर्ज करते हुए भारत की 3–0 से जीत सुनिश्चित की।

फेड को अब भी महंगाई की चिंता, नीतिगत ब्याज दरों में लगातार सातवीं बार नहीं की गई कोई कटौती

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां) ।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक (फेडरल रिजर्व बैंक) ने अपनी ताजा मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर को 5.25-5.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान किया। कोविड-19 महामारी के दौरान, ब्याज दरें शून्य के करीब थीं। ब्याज दरें बढ़ाना एक मौद्रिक नीति साधन है जो आम तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करता है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है। फेड ने कहा, हम मौद्रिक नीति पर प्रतिबंधात्मक रुख बनाए हुए हैं ताकि मांग को आपूर्ति के अनुरूप रखा जा सके और मुद्रास्फीति के दबाव को कम किया जा सके। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा, आर्थिक घटनाक्रमों की संक्षिप्त समीक्षा के बाद मेरे पास मौद्रिक नीति के बारे में कहने के लिए और कुछ होगा। अमेरिका में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रही, हालांकि यह अब भी 2 प्रतिशत से ऊपर बनी बनी हुई है और यह इसके केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का कारण है। मई तक पिछले 12 महीनों में, मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत बढ़ी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस सप्ताह अपनी मौद्रिक नीति बयान में कहा, हाल के महीनों में, समिति के 2 प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य की दिशा में मामूली प्रगति हुई है। केंद्रीय बैंक लंबे समय में 2 प्रतिशत की दर से अधिकतम रोजगार और मुद्रास्फीति प्राप्त करना चाहता है। पॉवेल ने कहा कि इस साल अब तक मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने उन्हें अधिक आत्मविश्वास नहीं दिया है। समिति का मानना है कि अपने रोजगार और मुद्रास्फीति लक्ष्यों को प्राप्त करने के जोखिम पिछले एक साल में बेहतर संतुलन की ओर बढ़ गए हैं। आर्थिक दृष्टिकोण अनिश्चित है, और समिति मुद्रास्फीति जोखिमों के प्रति अत्यधिक चौकस बनी हुई है। दर में किसी भी समायोजन पर विचार के बारे में पॉवले ने कहा कि फेड आने वाले डेटा, विकसित दृष्टिकोण और जोखिमों के संतुलन का सावधानीपूर्वक आकलन करेगा। फेड की रिपोर्ट में कहा गया है, समिति को उम्मीद नहीं है कि ब्याज दरों को कम करना तब तक उचित होगा जब तक कि उसे यह विश्वास नहीं हो जाता कि मुद्रास्फीति लगातार 2 प्रतिशत की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारी अब इस साल सिर्फ एक दर में कटौती कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीसीआईएल को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से मिला यह काम होगा 2000 करोड़ से अधिक का भुगतान

नई दिल्ली । हुगली ज्वारनदमुख समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। हल्दिया डॉक से जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए इसकी गहराई बनाए रखना आवश्यक है। इस काम का ठेका ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया है। ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) को पश्चिम बंगाल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। डीसीआईएल ने एक बयान में कहा कि यह ठेका हुगली मुहाना में तलकर्षण (ड्रेजिंग) के रखरखाव के लिए है, जो मुख्य रूप से हल्दिया डॉक की ओर जाने वाले शिपिंग चैनल में है। कंपनी ने कहा कि पांच साल के अनुबंध का मूल्य 2,015.88 करोड़ रुपये है। हुगली ज्वारनदमुख समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। हल्दिया डॉक से जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए इसकी गहराई बनाए रखना आवश्यक है। शिपिंग चैनल के जरिए जहाजों के आने-जाने की सुगमता करो बनाए रखने के लिए रखरखाव ड्रेजिंग महत्वपूर्ण है। इससे क्षेत्र में सुचारू और कुशल समुद्री संचालन की सुविधा मिलती है। डीसीआईएल के चेयरमैन मधैयां अंगमुथु ने कहा कि कंपनी परियोजना की कठिन जरूरतों को पूरा करेगी। विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में स्थित डीसीआई बंदरगाहों, भारतीय नौसेना, मछली पकड़ने के बंदरगाहों और अन्य समुद्री संगठनों को ड्रेजिंग और इससे जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराता है।

सोना फिसला, चांदी 90 हजार से नीचे

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में नरमी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 495 रुपये की गिरावट के साथ 71,475 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 1,499 रुपये की गिरावट के साथ 88,946 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 2,010 रुपये की गिरावट के साथ 88,435 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,340.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,354.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 23.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.80 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.26 डॉलर था। इस समय यह 1.03 डॉलर की नरमी के साथ 29.23 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एप्पल ने माइक्रोसॉफ्ट से छीना दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का तमगा, 2 प्रतिशत से अधिक बढ़े शेयर

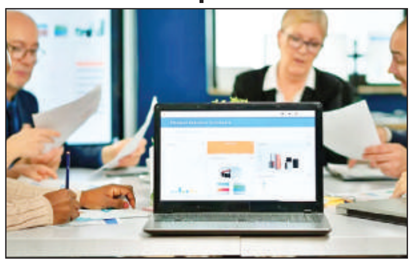

वॉशिंगटन । एपल ने माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का स्थान फिर से हासिल कर लिया। एपल के शेयर दो फीसदी से अधिक बढ़कर 211.75 डॉलर हो गए। जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 3.25 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसकी तुलना में माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण 3.24 ट्रिलियन डॉलर तक गिर गया, जिससे यह पांच महीने में पहली बार एपल से पीछे हो गई। एपल के स्टॉक में उछाल तब आया है, जब नैस्डैक ने मुद्रास्फीति कम होने के ताजा संकेतों के कारण रिकॉर्ड ऊंचाई को छू लिया। अपने उपकरणों के लिए एआई-इनेबल्ड सुविधाओं की एख सीरीज का अनावरण करने के एक दिन बाद एपल के शेयरों में पिछले सत्र में सात फीसदी की वृद्धि हुई थी। कई विश्लेषकों का मानना है कि इससे आईफोन की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा।

मई में खुदरा महंगाई दर 12 महीने के निचले स्तर पर, 4.75 प्रतिशत पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां) ।
देश की खुदरा मुद्रास्फीति मई में सालाना आधार पर घटकर 12 महीने के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह पिछले महीने यानी अप्रैल में 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत थी। द्य सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2-6 फीसदी के सहिष्णुता दायरे में बना हुआ है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार क्रमिक आधार पर मुद्रास्फीति की दर मई में 0.48 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही।

सरकार के आंकड़ों के अनुसार खाने-पीने की कीमतें कम हुईं

मई में खाद्य मुद्रास्फीति की दर अप्रैल के 8.75 प्रतिशत से घटकर मई में 8.62 प्रतिशत हो गई। हालांकि यह आंकड़ा मई 2023 की खाद्य महंगाई दर 3.3 प्रतिशत से अधिक है। ग्रामीण मुद्रास्फीति मई में घटकर 5.28 प्रतिशत रह गई, जो पहले 5.43 प्रतिशत थी। इस बीच, मई में शहरी मुद्रास्फीति की दर 4.15 प्रतिशत रही।

फल और सब्जियों की कीमतों में मामूली कमी

फलों और सब्जियों की मुद्रास्फीति अप्रैल के 27.8 प्रतिशत से घटकर मई में सालाना आधार पर 27.3 प्रतिशत पर आ गई। अनाज और दालों की कीमतें जो भारत के मुख्य आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 8.69 प्रतिशत और 17.14 प्रतिशत पर आ गई। ईंधन के मामले में मुद्रास्फीति दर मई में घटकर 3.83 प्रतिशत रह गई, जबकि अप्रैल में इसमें 4.24 प्रतिशत की गिरावट आई थी। कपड़े और जूते और हाउसिंग सेक्टर के लिए मुद्रास्फीति दर मई में क्रमशः 2.74 प्रतिशत और 2.56 प्रतिशत रही। एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने महंगाई पर की थी ये टिप्पणी जून की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसलों के बारे में बताते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि भारत की मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि केंद्रीय बैंक चाहता है कि यह प्रक्रिया क्रमिक हो और टिकाऊ आधार पर हो। एमपीसी की बैठक के बाद दास ने मुद्रास्फीति को हाथी बताया था और कहा था कि जून की बैठक के दौरान यह बहुत धीरे-धीरे जंगल में लौटता दिखा। उस दौरान, अपने अनुमानों में भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए मुद्रास्फीति के लक्ष्य को 4.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित छोड़ दिया था। वित्त वर्ष 2024 में मुद्रास्फीति दर केंद्रीय बैंक के पूर्वानुमान के अनुरूप 5.4 प्रतिशत थी।

अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक घटकर 5 प्रतिशत रह गई

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल में घटकर 5 प्रतिशत रह गई, जो तीन महीने का निचला स्तर है। मार्च में यह 5.4 प्रतिशत थी। सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अप्रैल 2023 में आईआईपी वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत दर्ज की गई। आईआईपी का पिछला उच्चतम स्तर अक्टूबर 2023 में 11.9 प्रतिशत दर्ज किया गया था, यह नवंबर में घटकर 2.5 प्रतिशत, दिसंबर में 4.2 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 4.1 प्रतिशत दर्ज किया गया।

पेटीएम शेयर की कीमत में 3 फीसदी तेजी, पेटीएम सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां) ।
पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेटीएम के शेयर की कीमत 415.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा भी की है कि कंपनी सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी।

इस साझेदारी से यूजर्स को फ्लाइट, बस, मूवी और इवेंट टिकट बुकिंग करने में लाभ हो सकेगा। इसके बाद गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अब पेटीएम की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और बस बुकिंग, मूवी टिकट खरीद और इवेंट बुकिंग शामिल हैं।

सैमसंग वॉलेट से साथ साझेदारी करने के बाद सर्विसेस का उपयोग किया जा सकेगा। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता फ्लाइट, बस और मूवी बुकिंग के लिए पेटीएम ऐप और इवेंट बुकिंग के लिए पेटीएम इनसाइडर ऐप का उपयोग करते हैं, ताकि वे सैमसंग वॉलेट में जोड़ें कार्यक्षमता का उपयोग करके अपने टिकट सीधे सैमसंग वॉलेट में जोड़ सकें। इससे वे हवाई अड्डों, बस टर्मिनलों, सिनेमा हॉल, इवेंट स्थलों आदि में प्रवेश करने के लिए इन तक आसानी से पहुँच सकेंगे। बता दें कि बीमा नियामक इरडा ने सामान्य बीमा उत्पादों के निर्माता के रूप में पेटीएम जनरल इंश्योरेंस के पंजीकरण वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है।

पेटीएम ने कहा कि यह कदम स्वास्थ्य, जीवन, मोटर, दुकान और गैजेट्स खंडों में बीमा वितरण को दोगुना करने की हमारी दिशा के अनुरूप है, जिसे हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (पीआईबीपीएल) के माध्यम से सुगम बनाया गया है। हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए छोटे टिकट वाले बीमा उत्पादों पर नवाचार करना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आतंकवादियों के...

लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के सदस्य जम्मू कश्मीर में प्रवेश कर रहे हैं। सेना ने यह बात मानी है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन में आतंकियों को हर तरह की मदद पहुंचाने वाले ब्लैक-शीप्स मौजूद हैं, जो सरकार में रहते हुए भारत के साथ दोगली हरकतें करते हैं। इनके चलते पाकिस्तान के दहशतगर्द, सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाते हैं। ब्लैक-शीप की खोज और पहचान के लिए अलग से ऑपरेशन शुरू किया गया है।

पिछले कुछ समय से आतंकियों का फोकस कश्मीर घाटी के बजाए, जम्मू क्षेत्र पर अधिक हो रहा है। रविवार को जम्मू के रियासी में आतंकवादियों ने शिवखोड़ी मंदिर से कटरा जा रहे तीर्थयात्रियों की एक बस को निशाना बनाया था। इस हमले में 10 लोगों की मौत हुई थी, जबकि तीन दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। एकाएक जम्मू की तरफ आतंकी संगठनों के हमलों में जो तेजी देखी जा रही है, उसके पीछे घुसपैठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

जम्मू कश्मीर पुलिस की खुफिया इकाई का भी कहना है कि पाकिस्तान की तरफ से बड़ी घुसपैठ संभव है। ऐसा भी हो सकता है कि यह घुसपैठ एक ही बार न होकर, छोटे-छोटे अंतराल पर हुई हो। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों पर सुरक्षाबलों का शिकंजा कसता जा रहा है। ऐसे में आतंकियों की नई भर्ती में भी काफी गिरावट आ गई है। पाकिस्तान के आतंकी संगठनों को घाटी में नए चेहरे नहीं मिल रहे हैं।

कश्मीर में...

इसी वजह से यह उम्मीद है कि फिर कोई बड़ी कार्रवाई संभव है।हाल के दिनों में जितने भी आतंकी हमले हुए हैं, उनमें पाकिस्तान और चीन की भूमिका को लेकर पुख्ता सबूत मिले हैं। इनमें पाकिस्तान की बैटरी से लेकर वहां बनने वाली चॉकलेट तक शामिल हैं। जो बंदूक बरामद हुई हैं, उनका भी पाकिस्तान कनेक्शन सामने आ चुका है। इसके ऊपर जानकार मानते हैं कि बॉर्डर पर सीजफायर के बावजूद आतंकी लगातार घुसपैठ करने में कामयाब हो रहे हैं। दहशतगर्दों की तरफ से सेना से सीधी टक्कर नहीं ली जा रही है, बल्कि वाहनों और पोस्ट पर हमला कर नुकसान पहुंचाने की कवायद दिख रही है।पिछले साल ही ऐसे इनपुट आ गए थे कि बड़ी संख्या में आतंकी सीमा पार से घुसपैठ करने वाले हैं। सेना ने कई आतंकियों को तो घुसने ही नहीं दिया, लेकिन कुछ जरूर जंगलों के रास्ते घाटी तक पहुंच गए और अब अपने लोकल नेटवर्क की मदद से हमले कर रहे हैं। सेना का दावा है कि उनके पास आतंकियों के ठिकानों को लेकर इनपुट हैं, ऐसे में समय रहते कड़ी और निर्णायक कार्रवाई होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा...

दोनों अधिकारियों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। दोनों अधिकारियों की नियुक्ति की सेवा शर्तों के बारे में अलग से अधिसूचना जारी की जाएगी।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारियों अमित खरे और तरुण कपूर को भी प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया है। खरे और कपूर की नियुक्ति दो वर्ष के लिए होगी और उन्हें केंद्र सरकार के सचिव के समकक्ष रखा गया है।अजित डोभाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में 30 मई 2014 को एनएसए बनाए गए थे और उन्होंने उस समय भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी शिव शंकर मेनन का स्थान लिया था। डोभाल को 2019 में दूसरी मोदी सरकार में पुनः इस पद पर नियुक्त किया गया। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के घिरी गांव में 20 जनवरी 1945 को जन्मे अजित डोभाल ने आगरा के डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। केरल कैडर के पुलिस अधिकारी रहे डोभाल राष्ट्रीय खुफिया ब्यूरो के प्रमुख भी रह चुके हैं।

जम्मू कश्मीर के ...

तहत नेतृत्व गुणों को विकसित करने और छात्रों के कौशल को उन्नत करने के लिए तीन से चार छात्र/शिक्षक अनिवार्य रूप से प्रत्येक दिन किसी एक विषय पर जागरूकता/प्रेरक वार्ता देंगे, जिसमें आत्मकथाएं, दैनिक घोषणाएं, प्रेरणादायक वार्ता, सप्ताह/माह का थीम, चरित्र शिक्षा, तनाव प्रबंधन और स्वास्थ्य टिप्स, सांस्कृतिक समारोह, अतिथि वक्ता, रचनात्मक प्रदर्शन, शैक्षिक सामान्य ज्ञान या तथ्य, माइंडफुलनेस और कल्याण, पर्यावरण जागरूकता, करियर और कालेज की तैयारी, ड्रग्स का खतरा जैसे विषय शामिल होंगे।

खांडू ने तीसरी...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पेमा खांडू को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने उम्मीद जताई कि श्री खांडू के नेतृत्व वाली टीम यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य का विकास और भी तेज गति से हो।

श्री खांडू के साथ 11 अन्य विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। चौखाम सीट से लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए मीन ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बियुराम वाहगे, न्यातो दुकम, गेब्रियल डेनवांग वांगसू, वांगकी लोवांग, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग शामिल हैं। चीन की सीमा से लगे अंजॉ जिले के हयूलियांग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली दासंगलू पुल अकेली महिला मंत्री हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री कलिखो पुल की पत्नी हैं।

इससे पहले बुधवार को पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और तरुण चुग की मौजूदगी में एक बैठक में पार्टी विधायकों ने श्री खांडू को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना। फिर शाम को श्री खांडू ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और राज्य में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया।

इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें इसके लिए आमंत्रित किया। हाल ही में हुए अरूणाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा शानदार जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार राज्य की सत्ता में लौटी है। भाजपा ने 60 सदस्यीय सदन में 46 सीटें जीती हैं।

जगन्नाथ मंदिर...

इस मामले पर फैसला भाजपा सरकार ने पहली कैबिनेट मीटिंग के बाद ले लिया था। यह बैठक मोहन मांझी के बतौर ओड़ीशा के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लिए जाने के बाद 12 जून की शाम को हुई थी। इसी बैठक में मंदिर के चारों गेट खोलने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे कैबिनेट ने पास कर दिया और अब पुरी के चारों द्वार खोले जा चुके हैं। मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने जगन्नाथ मंदिर के सभी गेट खोलने जाने के फैसले की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी है। सीएम मांझी ने कहा, प्रबंधन समिति की आपात बैठक में मंदिर को लेकर यह निर्णय हुआ। पुलिस विभाग को नियमित निगरानी की व्यवस्था करने का निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि कल सुबह साढ़े छह बजे से मंदिर के चारों दरवाजे खोलने का फैसला लागू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट में मंदिर के विकास और अन्य कामों के लिए फंड देने का प्रस्ताव रखा गया है। अगले बजट में मंदिर के विकास के लिए 500 करोड़ रुपए का फंड आवंटित करेंगे।उल्लेखनीय है कि चुनाव के दौरान भाजपा ने जनता से जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वारा खोलने का वादा किया था, जो सरकार बनते ही पूरा हो गया है। बीजद सरकार ने कोरोना के बाद से इस द्वार को बंद करवा रखा था। बाद में अलग-अलग बहाने देकर वह इसे टालते रहे। हालांकि भाजपा सरकार ने पहली बैठक में इस पर सुनवाई की और श्रद्धालुओं को खुशखबरी दी।

वैश्विक दक्षिण...

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य नेताओं से मिलने के लिए भी उत्सुक हैं।

इटली में 13 जून से तीन दिवसीय जी-7 शिखर सम्मेलन का आगाज हो रहा है। 13 से 15 जून तक पुगलिया में बोर्गो एग्नाजिया में कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। जी-7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी इटली की अध्यक्षता के तहत हो रही है। तीन दिनों के सत्र के दौरान वैश्विक नेता मुख्य वैश्विक मुद्दों पर बात करेंगे। इस कार्यक्रम में सात सदस्य देशों (इटली, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूके और अमेरिका) के नेताओं के साथ-साथ यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष भी शामिल होंगे।

इसके अलावा कई राष्ट्रों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि सत्रों में भाग लेंगे, जिन्हें इटली द्वारा आमंत्रित किया गया है। वैश्विक नेताओं में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अल्जीरियाई राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा (जी20 अध्यक्ष), पोप फ्रांसिस, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो, मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद गजौनी (अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष), ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सईद, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद और तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन शामिल हैं।अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के महासचिव मैथियास कोरमैन और अफ्रीकी विकास बैंक के अध्यक्ष अकिनवुमी अदेसिना शामिल हैं।13-15 जून तक इटली के पुगलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी इटली गए हैं। पीएम मोदी 14 जून को आउटरीच सत्र में भाग लेंगे, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर केंद्रित होगा। प्रधानमंत्री ने 25 अप्रैल को मुक्ति दिवस की 79वीं वर्षगांठ के अवसर पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से टेलीफोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन आउटरीच सत्र में आमंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री मेलोनी को धन्यवाद दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। मार्च 2023 में मेलोनी की भारत यात्रा के बाद पीएम मोदी की दूसरी बैठक होगी। मोदी एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ गुरुवार को इटली गए हैं। यह यात्रा पीएम मोदी को शिखर सम्मेलन में मौजूद अन्य वैश्विक नेताओं के साथ भारत और ग्लोबल साऊथ के लिए अहम मुद्दों पर बातचीत करने का अवसर प्रदान करेगी। जानकारी के अनुसार, शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हो सकती है।जी-7 शिखर सम्मेलन में भारतीय पीएम की भागीदारी से उन्हें पिछले वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के परिणामों पर आगे की जाने वाली कार्रवाई करने का भी अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन में कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने की भी उम्मीद है। इस सम्मेलन में मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे संघर्षों पर चर्चा होने की उम्मीद है। विश्वभर के नेता इन जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने और समाधान के तरीकों की तलाश करेंगे। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडा के प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है।जी-7 का पूरा नाम ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) है जो एक अनौपचारिक वैश्विक मंच है। यह समूह इटली, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका को एक साथ लाने का काम करता है। यूरोपीय संघ भी समूह में भाग लेता है। 1973 के ऊर्जा संकट के जवाब में आर्थिक और वित्तीय सहयोग के लिए एक मंच के रूप में जी-7 की स्थापना की गई थी। पहला शिखर सम्मेलन 1975 में फ्रांस में आयोजित किया गया था जिसमें फ्रांस, अमेरिका, यूके, जर्मनी, जापान और इटली शामिल थे। हालांकि, 1976 में कनाडा भी शामिल हो गया जोकि जी-7 का वर्तमान स्वरूप भी है। 1997 से 2013 के बीच जी-7 का विस्तार जी-8 में हुआ, जिसमें रूस भी शामिल हो गया। हालांकि, 2014 में क्रीमिया के नियंत्रण में लेने के बाद रूस की भागीदारी निलंबित कर दी गई थी।हर साल 1 जनवरी से शुरू होकर कोई एक सदस्य देश बारी-बारी से समूह का नेतृत्व संभालता है। 1 जनवरी, 2024 को इटली ने जापान के बाद अध्यक्षता संभाली और 31 दिसंबर, 2024 को इसे कनाडा को सौंप देगा। शिखर सम्मेलन में सात सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि और अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित देश और अंतर्राष्ट्रीय संगठन भाग लेते हैं।

बसपा के...

ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के 30, सीपीआई (एम) के 30, भाजपा के 28, सीपीआई के 23, आरपीआई (ए) के 23, एआईएमआईएम के 12 और सपा के 10 उम्मीदवारों की जमानतें जब्त हुई हैं।

निर्दलीय उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा जमानत जब्त हुई है। चुनाव मैदान में उतरे 3,920 निर्दलीय उम्मीदवारों में से 3,904 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई, यानी 8.96 करोड़ की जमानत राशि जमा हुई है।

सूर्य देव करेंगे राशि परिवर्तन

कल मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे सूर्य

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। 15 जून को सूर्य देव वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में 1 महीने तक रहेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 15 जून को ग्रहों के राजा सूर्य देव मिथुन राशि में गोचर शुरू करेंगे और 16 जुलाई तक इसी राशि में मौजूद रहेंगे। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभावर

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

उपाय- भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

सूर्य के मिथुन राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष राशि :- भाग्य का भरपूर साथ मिलने वाला है। नौकरी में प्रभाव और प्रतिष्ठा वृद्धि की संभावना है। कार्यक्षेत्र में लाभ की स्थिति रहेगी। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे।

वृषभ राशि :- परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सूर्य देव की विशेष कृपा रहेगी, इसलिए प्रयास में कमी न करें। नौकरीपेशा जातकों का प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में सुधार होगा।

मिथुन राशि :- कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। धन सही कार्यों में खर्च होगा। मन में किसी प्रकार का डर बना रहेगा। किसी को उधार देने से बचें। क्रोध से बचना होगा। स्वभाव में चिड़चिड़पन रहेगा।

कर्क राशि :- इस गोचर काल में भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। हालांकि कोट कचहरी से संबंधित मामलों में राहत मिलने की संभावना है। समर्पित परिश्रम से वरिष्ठों को संतुष्ट कर पाएंगे।

सिंह राशि :- सूर्य गोचर के दौरान स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना होगा। कामकाज में किसी प्रकार का साथ लाभ की प्राप्ति करवाएगा। कार्य योजनाओं को इच्छानुसार पूरा कर पाएंगे।

कन्या राशि :- भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय के लिए सूर्य गोचर उत्तम रहेगा। व्यापारी वर्ग को विशेष रूप से अच्छे फल प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला राशि :- खराब स्वास्थ्य आपको बेचैन करेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। नौकरीपेशा ऑफिस में आने वाली बाधाओं से परेशान हो सकते हैं। व्यापारी वर्ग की हालात सामान्य बन रहेंगे।

वृश्चिक राशि :- नौकरी में तबादला हो सकता है। मन में क्रोध और निराशा का संचार होगा। धन संबंधित मामले अच्छे रहेंगे। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। सामाजिक जीवन अच्छा व्यतीत नहीं होगा।

धनु राशि :- नौकरी में अच्छा धन लाभ होगा। प्रमोशन होने के संकेत मिल रहे हैं। व्यापारियों के लिए लाभ की स्थिति बनी हुई है। निवेश करने से पहले विशेषज्ञ मार्गदर्शन लेना सही रहेगा।

मकर राशि :- गोचर काल में घर पर कोई धार्मिक कार्य संपन्न होने का योग रहेगा। जीवन में कई सफलताएं प्राप्त होगी। जिससे आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकता है।

कुंभ राशि :- कामकाज के क्षेत्र में लाभदायक स्थिति बनेगी। इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। शैक्षणिक कार्यों में सुखद परिणाम मिलेंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन राशि :- नौकरी में परिवर्तन के योग है। किसी दूसरे शहर जाना पड़ सकता है। इस गोचरकाल में वाहन या मकान खरीद सकते हैं। परिवार का ध्यान रखेंगे। उनकी जरूरतों को पूरा कर पाएंगे।

धनवान और सुखी लोग घर पर जरूर रखते हैं मां लक्ष्मी से जुड़ी ये वस्तुएं

वास्तु शास्त्र में भवन निर्माण से लेकर उसमें रहन सहन व सभी दिशाओं का भलिभांति जिक्र हैं। इसके अलावा वास्तु में पूजा पाठ के नियमों का भी उल्लेख है, जिनका पालन करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। मान्यताओं के अनुसार जिस घर में वास्तु के अनुसार कार्य सम्पन्न होते हैं, वहां हमेशा खुशहाली रहती है। साथ ही उस घर में मां लक्ष्मी का वास भी बना रहता है। वहीं वास्तु दोष होने पर घर में लगातार परेशानियां बनी रहती है और आर्थिक समस्याओं से जूझना पड़ता है।

माना जाता है कि घर में वास्तु दोष होने से बरकत रुक जाती है और परिवार में बीमारियां बनी रहती है। इसलिए वास्तु शास्त्र के सभी नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। वास्तु के अनुसार घर में धातु के कछुए को रखने से पैसे की तंगी नहीं होती है और रुके हुए कार्यों को भी गति मिलती। यही नहीं परिवार के सभी लोग तरक्की भी करते हैं। अगर ये कछुआ तांबा या चांदी जैसी धातुओं से बना होता है, तो आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिलता है। बता दें वास्तु से जुड़ी चीजों को रखने से घर से कलेश भी दूर होता है, और मां लक्ष्मी का वास बना रहता है। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

पिरामिड :- वास्तु पिरामिड घर से खतरों और बुरी नजर को दूर भगाने में मदद करता है। माना जाता है कि अगर यह पिरामिड क्रिस्टल या फिर किसी और धातु का होता है, तो आर्थिक स्थिति पर भी इसका शुभ प्रभाव पड़ता है। साथ ही सभी सदस्यों के जीवन में संपन्नता बनी रहती है।

कुबेर जी की मूर्ति :- कुबेर भगवान को धन का देवता माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुबेर भगवान की प्रतिमा रखने से धन की कमी नहीं होती है। साथ ही घर में लक्ष्मी जी का भी निवास बना रहता है। इसके अलावा इससे परिवार में सकारात्मकता का भी संचार होता है।

नारियल :- वास्तु के अनुसार घर में श्रीफल रखना बेहद शुभ होता है। इसे रखने से धन आगमन के मार्ग खुलते हैं और आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता है। मान्यता है कि घर में इसके रहने से लक्ष्मी जी का वास भी बना रहता है।

श्री यंत्र :- घर में श्री यंत्र रखने से सौभाग्य और यश की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में श्री यंत्र का संबंध लक्ष्मी जी से माना जाता है। इसलिए धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए मंदिर में श्री यंत्र को स्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें कि इसे ईशान कोण में स्थापित करें।

गंगा दशहरा का 10 अंक से क्या है संबंध

जानिए इस दिन से जुड़ी खास बातें

ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा मनाया जाता है । पौराणिक कथा के अनुसार इसी तिथि पर पृथ्वी पर मां गंगा अवतरित हुईं और उन्होंने राजा भगीरथ के पूर्वजों का उद्धार किया। गंगा दशहरा पर मां गंगे की पूजा करने और गंगा स्नान करने का महत्व है। बता दें कि इस साल गंगा दशहरा का पर्व 16 जून 2024 को है।

शास्त्रों में गंगा को मोक्षदायिनी कहा गया है। क्योंकि गंगा स्नान से पाप मिट जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं शिवजी की जटाओं के द्वारा पृथ्वी पर गंगा अवतरित हुईं। इसलिए गंगा दशहरा पर मां गंगे के साथ ही भगवान शिवजी की भी पूजा करनी चाहिए।

कहा जाता है कि गंगा दशहरा पर गंगा स्नान से 10 तरह के पापों का नाश होता है। साथ ही इस दिन 10 प्रकार के दान देने का भी महत्व है। वहीं पूजा के लिए हर सामग्री की संख्या भी 10 ही होती है। जैसे- 10 फूल, 10 दीप, 10 फल, 10 मिष्ठान आदि। इसलिए गंगा दशहरा पर 10 संख्या का बड़ा महत्व है।

गंगा स्नान से 10 पाप होते हैं दूर

गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान का विशेष लाभ है। इस दिन स्नान करते समय गंगा में 10 बार डुबकी लगानी चाहिए। स्नान करने के लिए सूर्योदय से पहले या सूर्योदय तक के समय को सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय स्नान करने से सूर्य की ऊर्जा से आत्मविश्वास, यश और आयोग्यता प्राप्त होती है।

शास्त्रों में बताया गया है कि, गंगा स्नान से 10 तरह के पापों का अंत होता है जोकि इस प्रकार है- निषिद्ध हिंसा, परस्त्री गमन, बिना दी हुई वस्तु को लेने का पाप, कठोर वाणी का पाप, दूसरे का धन हड़पने या चोरी का पाप, दूसरों का बुरा करना, व्यर्थ की बातों में दुराग्रह, झूठ बोलने का पाप, चुगली करने का पाप, दूसरों का अहित करने का पाप कर्म शामिल है।

गंगा दशहरा पर करें 10 चीजों का दान

गंगा दशहरा पर स्नान और पूजन के बाद दान देने का भी महत्व है। इससे पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

मान्यता है कि गंगा दशहरा पर 10 प्रकार की वस्तुओं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से ग्रह जनित दोष दूर होता है, दुखों का नाश होता है और जीवन में खुशहाली आती है। इस दिन आप जल, अन्न, घी, पूजा या सुहाग सामग्री, तेल, शक्कर, नमक, फल, वस्त्र या स्वर्ण आदि का दान अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

17 जून को निर्जला एकादशी, जानिए शुभ मुहूर्त, पूजा विधि एवं योग

हर वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को निर्जला एकादशी मनाई जाती है। इसे भीमसेनी एकादशी या भीम एकादशी भी कहा जाता है। यह पर्व जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत उपवास रखा जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि निर्जला एकादशी के दिन जल ग्रहण करने की भी मनाही है। हालांकि, शारीरिक रूप से असक्षम साधक फल और जल ग्रहण कर सकते हैं। इस व्रत के पुण्य-प्रताप से साधक को सभी एकादशियों से प्राप्त होने वाले फल के समतुल्य व्रत फल प्राप्त होता है। साथ ही साधक पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा बरसती है। महाभारतकाल में गदाधारी भीम ने निर्जला एकादशी व्रत किया था। आइए, निर्जला एकादशी के बारे में सबकुछ जानते हैं।

शुभ मुहूर्त -ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 17 जून को प्रातः काल 04 बजकर 43 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 18 जून को सुबह 06 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगी।

कब मनाई जाएगी निर्जला एकादशी ?

सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इस प्रकार 18 जून को निर्जला एकादशी मनाई जाएगी। वैष्णव समाज के लोग भी 18 जून को ही निर्जला एकादशी मनाएंगे। यह पर्व गंगा दशहरा के एक या दो दिन के अंतर पर मनाया जाता है। इस दिन दुर्लभ शिव योग का निर्माण हो रहा है। शिव योग देर रात 09 बजकर 39 मिनट तक है। इसके बाद सिद्ध योग का संयोग बन रहा है।

पारण समय -साधक 19 जून को सुबह 05 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 28 मिनट के मध्य स्नान-ध्यान, पूजा पाठ कर पारण कर सकते हैं। पारण यानी व्रत तोड़ने से पहले अन्न और धन का दान अवश्य करें। आप अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान-पुण्य कर सकते हैं।

पूजा विधि- ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को ब्रह्म बेला में उठें। इस समय सबसे पहले जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को प्रणाम करें। इसके बाद दिन की शुरुआत करें। घर की अच्छे तरीके से साफ-सफाई करें और गंगाजल छिड़ककर घर को शुद्ध करें। दैनिक कार्यों से निवृत्त होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इस समय आचमन कर पीले रंग का वस्त्र धारण करें। अब सबसे पहले भगवान भास्कर को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पूजा गृह में पंचोपचार कर विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। भगवान विष्णु को पीले रंग का फूल, फल, वस्त्र आदि चीजें अर्पित करें। पूजा के समय विष्णु चालीसा का पाठ और मंत्रों का जप करें। अंत में आरती अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं आरोग्य जीवन की कामना करें। दिन भर निर्जला उपवास रखें। संध्याकाल में आरती-अर्चना कर फलाहार करें।

कबीरदास जयंती 22 को

जानें इसका धार्मिक महत्व, उनसे जुड़ी रोचक बातें

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।।

ये दोहा सुनते ही जिनका नाम जहन में आता है, वो हैं संत कबीर दास। ऐसे न जाने कितने और दोहों और अपनी रचनाओं से लोगों को प्रेरणा देने वाले संत कबीरदास जी की जयंती हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा पर मनाई जाती है।

कबीरदास जी न सिर्फ एक कवि बल्कि समाज सुधारक भी थे। भक्ति आंदोलन पर भी कबीरदास जी के लेखन का काफी प्रभाव पड़ा था। आइए जानते हैं इस साल 2024 में कबीरदास जयंती की डेट, उनके जीवन से जुड़ी खास बातें।

कबीरदास जयंती 2024 डेट

इस साल कबीरदास जयंती 22 जून 2024 को है, ये कबीरदास जी की 647वीं वर्ष गांठ होगी। पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 21 जून को सुबह 07.31 पर होगी और इसका समापन 22 जून को सुबह 06.37 पर होगा।

कबीर की रचनाओं का प्रमुख भाग पांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन देव के जरिए एकत्र किया गया था तथा सिख धर्मग्रन्थ गुरु ग्रन्थ साहिब में सम्मिलित किया गया था। कबीर के कार्यों की पहचान उनके दो पँक्तियों के दोहे हैं, जिन्हें कबीर के दोहे के नाम से जाना जाता है।

कबीरदास जी से जुड़ी खास बातें

कबीरदास जी के जन्म को लेकर मान्यता है कि कबीरदास जी ने रामानंद गुरु के आशीर्वाद से एक विधवा ब्रह्माणी के गर्भ से जन्म लिया था।समाज के भय से उन्होंने कबीर को काशी के पास लहरतारा नामक ताल के पास छोड़ दिया था, जिसके बाद एक जुलाहे ने उनका पालन पोषण किया। कबीरदास जी देशाटन करते थे और सदैव साधु-संतों की संगति में रहते थे।

कबीर दास निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे। वे एक ही ईश्वर को मानते थे। वे अंध विश्वास, धर्म व पूजा के नाम पर होने वाले आडंबरों के विरोधी थे। कबीरदास जी ने अपने दोहों में जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र बताए हैं। अगर इन सूत्रों को जीवन में उतार लिया जाए तो तमाम परेशानियां दूर हो सकती है।

अंधविश्वास के खिलाफ

एक अंधविश्वास था कि जिसकी मृत्यु काशी में होगी वो स्वर्ग जाएगा और मगहर में होगी वो नर्क में जाएगा। इसी भ्रम को तोड़ने के लिए कबीर ने अपना जीवन काशी में गुजारा, जबकि प्राण मगहर में त्यागे थे।

मेरे पेरेंट्स मुझे एक्ट्रेस नहीं, एथलीट बनते देखना चाहते थे: अद्रिजा रॉय

इमली फेम अद्रिजा रॉय इन दिनों टीवी सीरियल कुंडली भाग्य में नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पेरेंट्स उन्हें एक्ट्रेस नहीं बल्कि एथलीट बनते देखना चाहते थे। अद्रिजा रॉय ने कहा, मेरे पेरेंट्स चाहते थे कि मैं एक एथलीट बनूं। मैंने पश्चिम बंगाल में नेशनल लेवल पर खेला है और दौड़ में मेडल भी लिए हैं। अपने कॉलेज के दिनों में, जब मैंने एनुअल फंक्शन और थिएटर में हिस्सा लेना शुरू किया तो, मुझे एहसास हुआ कि मैं एक्टिंग में अपना अच्छा करियर बना सकती हूं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह मेरे लाइफ का टर्निंग प्वाइंट था। इन फेस्ट का हिस्सा बनकर, मुझे एहसास हुआ कि एक्टिंग एक ऐसी चीज है जिसे मैं एन्जॉय करती हूं। इसके बाद मैंने कई ऑडिशन दिए।आखिरकार, मेरा शौक पैशन में बदला और मेरी मेहनत रंग लाई। मेरे पेरेंट्स पहले तो खुश नहीं थे, लेकिन अब वह मुझे टीवी पर देख बहुत खुश होते हैं। लाइफ हमें उस जगह ले जाती है जहां हम होना चाहते हैं। शुरू में कोलकाता से मुंबई जाना मुश्किल था, लेकिन अंत भला तो सब भला। अपने पेरेंट्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, अब वे मुझे एक एक्ट्रेस के रूप में देख खुश हैं। वे मुझे कुंडली भाग्य में पालकी का खूबसूरत किरदार निभाते हुए देख रोमांचित होते हैं। यह मेरे सपनों को हकीकत में बदलने की दिशा में एक कदम है और मैं वास्तव में खुश हूं कि मेरी जर्नी कैसे आगे बढ़ रही है। कुंडली भाग्य में प्रीता के रोल में श्रद्धा आर्य, करण के किरदार में शक्ति आनंद, राजवीर की भूमिका में पारस कलनावत हैं।वहीं पालकी का किरदार अद्रिजा रॉय निभा रही हैं। इनके अलावा, शौर्य का रोल बसीर अली अदा कर रहे है। शो की कहानी इन्हीं सभी किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। कुंडली भाग्य जी टीवी पर प्रसारित होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अद्रिजा रॉय ने कई रिजनल फिल्में और सीरीज की हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत में संन्यासी राजा, जय काली कलकत्तावाली और परिणीता जैसे शो में काम किया। उन्हें लोकप्रियता पोतोल कुमार गांवाला शो से हासिल हुई। यह शो स्टार जलसा पर प्रसारित होता था। कई टीवी सीरियल के बाद, उन्होंने राज चक्रवर्ती एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित फिल्म परिणीता में सपोर्टिंव रोल निभाया।

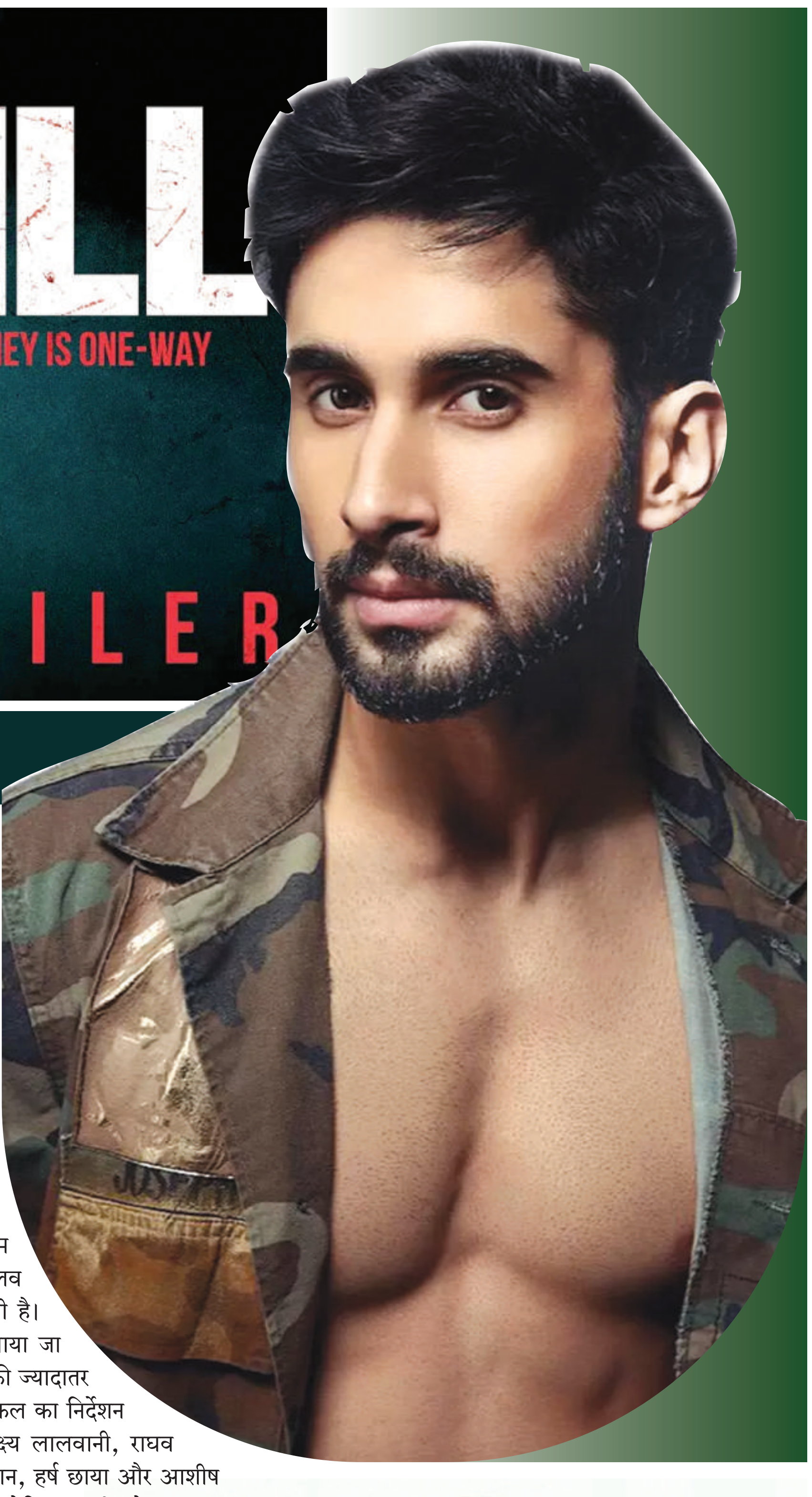

करण जौहर की किल का ट्रेलर जारी

ट्रेन में जबदस्त एक्शन करते नजर आए लक्ष्य लालवानी

काफी समय से फिल्म किल को लेकर चर्चे बने हुए थे। करण जौहर के प्रोडक्शन में इस बार प्यार की कहानी तो दिखाई जाएगी लेकिन उसका अंदाज अनोखा होने वाला है। फिल्म किल का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है और इसे रिलीज से पहले ही करण ने बता दिया था कि कमजोर दिल वाले इसे ना देखें। सच में फिल्म किल का ट्रेलर इतना खतरनाक है तो पूरी फिल्म कितनी खूंखार होने वाली है। फिल्म किल में एक लव स्टोरी है लेकिन वो आशिक इतना खूंखार होता है कि सभी डर जाते हैं। चलती ट्रेन में जब खूनी खेल होता है और आप ये ट्रेलर में देखेंगे तो दांतों तले उंगलियां चबा जाएंगे। फिल्म का ट्रेलर सच में बहुत खतरनाक है।धर्मा प्रोडक्शन और सिख्या एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन में बनी फिल्म का ट्रेलर उनके इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया है। इसके कैप्शन में लिखा गया, एड्रेनालाईन रश के लिए तैयार हो जाओ।

ट्रेलर देखना मत भूलना। फिल्म थिएटर्स में 5 जुलाई को रिलीज होगी।ट्रेलर के कैप्शन में एक वॉर्निंग भी दी गई है। जिसमें लिखा है, इस फिल्म में हिंसक सामग्री है जो कुछ दर्शकों के लिए तीव्र और परेशान करने वाली हो सकती है। दर्शक इसे सोच-समझकर ही देखें। जरा सोचिए जिस फिल्म के ट्रेलर में ऐसी वॉर्निंग मेकर्स दे रहे हों तो वो फिल्म कैसी होगी। अगर आपको एक्शन-थ्रिलर के साथ ऐसी चीजें देखना पसंद है तो 5 जुलाई को तैयार हो जाइए।फिल्म के ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि एक लव स्टोरी होती है और ट्रेन में वो शुरू होती है। इसके बाद ट्रेन में ही खून-खराबा दिखाया जा रहा है। रिपोर्ट्स की माने तो इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग चलती ट्रेन में ही हुई है। फिल्म किल का निर्देशन निखिल भट ने किया है। फिल्म में लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल, तान्या मनक्ताला, अभिषेक चौहान, हर्ष छाया और आशीष विद्यार्थी अहम रोल में नजर आएंगे लेकिन खूनी खेल लक्ष्य लालवानी खेलते नजर आएंगे।

दूसरी पत्नी को छोड़ इस हसीना संग रोमांस करते दिखे मुनव्वर फारूकी

मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी अपने काम से ज्यादा पर्सनल लाइफ की वजह से सुर्खियों में रहने लगे हैं। बिग बॉस 17 में मुनव्वर का नाम कई हसीनाओं के साथ जुड़ा था, लेकिन शो से बाहर आते ही उन्होने शादी रचाकर हर किसी को हैरान कर दिया। मुनव्वर फारूकी ने सीक्रेटली महजबीन कोटवाला से निकाह किया। महजबीन कई बार मुनव्वर की फोटो पोस्ट कर उन पर अपना प्यार लुटा चुकी हैं, लेकिन अब मुनव्वर को किसी और हसीना के साथ देखा गया है। दरअसल, मुनव्वर फारूकी की कुछ फोटोज धड़ल्ले से इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में वह एक टीवी एक्ट्रेस के साथ नजर आ रहे हैं। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि अनेरी वजानी हैं, जो कई शोज में दिखी हैं। मुनव्वर फारूकी और अनेरी वजानी इन फोटोज में काफी रोमांटिक पोज देते दिख रहे हैं। इस फोटो में भी दिख रहा है कि एक्ट्रे ने मुनव्वर के सीने पर हाथ रखा है। मुनव्वर ने अनेरी को कमर से पकड़ा है।मुनव्वर फारूकी और अनेरी वजानी ने हाल ही में एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया, जो रोमांटिक म्यूजिक वीडियो है। अनेरी ने इस गाने से जुड़े सीन्स की फोटोज ही सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें वह मुनव्वर के काफी करीब हैं। इस फोटो में देखा जा सकता है कि अनेरी और मुनव्वर की परछाई सी दिख रही है। दोनों ने एक दूसरे का हाथ पकड़ रखा है और दोनों ही प्यार से एक दूसरे को निहार रहे हैं। ये फोटो शानदार है।मुनव्वर फारूकी और अनेरी वजानी इन फोटोज में मस्ती करते हुए भी दिखे। यहं पर देखा जा सकता है कि अनेरी मुनव्वर को पकड़ने की कोशिश कर रही हैं और मुनव्वर आगे की ओर भाग रहे हैं। मुनव्वर फारूकी और अनेरी वजानी की फोटोज इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं। लोग मुनव्वर और अनेरी की केमिस्ट्री को पसंद कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग यहां पर मजे लेना भी नहीं भूल रहे हैं।मुनव्वर फारूकी और अनेरी वजानी की फोटोज पर एक यूजर ने लिखा, 'मुनव्वर भाई क्या हो आप। हर लड़की के साथ अच्छे लगते हो।' कई लोगों ने मुनव्वर और अनेरी की जोड़ी को क्यूट का टैग दिया।बता दें कि मुनव्वर फारूकी और अनेरी वजानी के गाने का नाम तेरी यादें हैं, जो लोगों को खूब पसंद आ रहा है। इस गाने में इन फोटोज के अलावा भी ढेर सारे रोमांटिक सीन्स भरे हुए हैं, जो आप देख सकते हैं।

अनन्या पांडे ने क्रॉप टॉप पहने हुए शेयर किया बेहद क्यूट लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही क्यूट लुक्स में तस्वीरें क्लिक करवाई हैं, जिसमें उनकी खूबसूरती देखकर फैंस का दिल मचल गया है।एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने हाल ही में अपने लेटेस्ट क्यूट अंदाज में फोटोशूट करवाया है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस अक्सर उनके हर एक फोटोज पर अपना दिल हार जाते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी अनन्या पांडे का स्टनिंग लुक देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर का क्रॉप टॉप और लोअर पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा क्यूट और हॉट लग रही हैं।दरअसल, एक्ट्रेस अनन्या पांडे की ये तस्वीरें एक इवेंट के दौरान की है, जहां उनका ये खूबसूरत और प्यारा सा अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

लेटेस्ट शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस अनन्या पांडे कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक हॉट अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं, साथ ही उनका ये लुक फैंस की धड़कनें भी बढ़ा रहा है।अनन्या पांडे की इन तस्वीरों पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो क्यूट। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- आप बहुत सुंदर हैं। फिर तीसरे यूजर ने लिखा है- सो अमेजिंग।एक्ट्रेस अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें। स्थिति में सुधार आएगा। पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी–मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता–पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है।

राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीयै नमः मंत्र का जप करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है.।

आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेंगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेंगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी है किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है।

आपके भाई–बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक–झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता–पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 14 जून 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी 12:05 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी अहोरात्र
योग : सिद्धि रात्रि 07:06 तक
करण : विष्टि प्रातः 10:49 तक
चन्द्रराशि : सिंह प्रातः 11:55 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी, मिथुन संक्रान्ति रात्रि 12:47 से , धूमावती जयंती , भद्रा प्रातः 10:48 तक , संक्रांति पुण्यकाल रात्रि 12:47 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

समृद्ध और खुशहाल किसान के लिए राजस्थान सरकार प्रतिबद्ध है : भजनलाल

गंगापुरसिटी, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को किसानों को सशक्त बनाने के लिए संकल्पित बताते हुए कहा है कि वह और केन्द्र सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतिगत निर्णयों के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है।

श्री शर्मा ने गुरूवार को टोडाभीम के मूंडिया में कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम एवं विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नल बैंसला ने अपना पूरा जीवन देश एवं समाज की सेवा में समर्पित किया। उनके जीवन से युवाओं को राष्ट्र को प्रथम मानकर देश–सेवा और सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समृद्ध एवं खुशहाल किसान की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मूंडिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने कहा कि कर्नल बैंसला के स्मरण में स्थानीय क्षेत्र की आवश्यकता मद्देनजर उनके नाम से शैक्षणिक संस्थान खोलने पर राज्य सरकार विचार करेगी।

उन्होंने कहा कि सामान्य परिवार में जन्मे श्री बैंसला ने अपनी लगन एवं मेहनत से एक ऊंचा मुकाम हासिल किया। शिक्षक की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने करीब तीन दशक तक भारतीय सेना में रहते हुए चीन एवं पाकिस्तान के खिलाफ युद्धों में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिब्राल्टर की चट्टान श्री बैंसला ने सेना से सेवानिवृत्ति के बाद समाज में असमानता, अशिक्षा और पिछड़ेपन के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल विवाह, शादियों में फिजूलखर्ची और दहेज–प्रथा जैसी कुरीतियों को खत्म करने में अहम योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पदभार ग्रहण करते ही सबसे पहले किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त जारी करने का काम किया है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत प्रथम चरण में राशि छह हजार रुपये से बढ़ाकर आठ हजार रुपये की गई है। श्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल के संकल्प से प्रदेशवासियों को वंचित रखा। राज्य में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने केवल लुभावने वादे किए थे, गरीब से उनका कोई सरोकार नहीं था। गांवों में सड़क–पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं किया गया लेकिन अब हमारी सरकार प्रदेशवासियों से किए प्रत्येक वादे को पूरा करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान में किसानों की पेयजल एवं सिंचाई की समस्या को दूर करने के लिए हमारी सरकार ने काफी अरसे से लंबित ईआरसीपी परियोजना को मंजूरी देकर धरातल पर उतारने का काम शुरू कर दिया है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गेंहू के एमएसपी पर 125 रुपये बोनस प्रदान कर 2,400 रुपये करना, किसानों को बिजली बिलों में आठ हजार करोड़ रुपये का अनुदान देना, फसली ऋण वितरण योजनान्तर्गत 10 हजार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाने, 41 हजार 137 नवीन कृषकों को ऋण उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

श्री शर्मा ने किसानों के हित में लिए गए निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 40 हजार से अधिक कृषि कनेक्शन तथा 50 हजार से अधिक किसानों के खेतों में सोलर पंप स्थापित करने की स्वीकृति जारी की है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में पांच लाख गोपालकों को एक लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही 248 मोबाइल वेटेनरी इकाइयों के माध्यम से पशुओं को त्वरित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने मूंडिया गांव स्थित प्रेरणास्थल पर कर्नल बैंसला की प्रतिमा का अनावरण किया तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह के दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, पूर्व सांसद रंजीता कोली, विजय बैंसला सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

छह और पाक विस्थापितों को मिली भारतीय नागरिकता

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में राज्य सरकार ने जयपुर में छह और पाकिस्तान के विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान की है। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि अतिरिक्त जिला कलेक्टर (दक्षिण) शैफाली कुशवाहा ने गुरुवार को पाकिस्तान से आए कविता बाई, निर्मलदास, शभागु मल, पूरी बाई, मुकेश लाल एवं शंकरलाल को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे। जयपुर जिला प्रशासन द्वारा अब तक कुल 325 पाकिस्तान विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जा चुकी है।

अरसे बाद नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने पर शंकर लाल की आंखें छलक आईं। शंकर लाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि कई सालों का लंबा इंतजार आज खत्म हुआ है और अब हम फख्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकता का प्रमाण नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था, लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद न केवल उन्हें पहचान मिली है बल्कि अब सरकारी योजनाओं की मदद से वे अपने परिवार का भरण पोषण बेहतर तरीके से कर पायेंगे।

उधर, आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि पाक विस्थापितों के हक–हकूक एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा काफी संवेदनशील है। उनके निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन पाक विस्थापितों को नियम एवं पात्रता अनुसार भारतीय नागरिकता प्रदान कर रहा है।

सिरसा में ग्रामीणों का मटका फोड़ प्रदर्शन धरना पर बैठे एक किसान की मौत

सिरसा, 13 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा में गुरुवार को ग्रामीणों ने बिजली व पेयजल की क़िल्लत को लेकर मटका फोड़ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने रोष प्रदर्शन के बाद एसडीएम राजेंद्र सिंह को राज्य सरकार के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा।

गौरतलब है कि सिरसा जिला के राजस्थान की सरहद से सटे गांव जमाल के खेतिहर लोग ढाणियों में रहते हैं। ढाणी में पेयजल व बिजली की किल्लत है जिसके कारण ये ग्रामीण पिछले 37 दिनों से धरना लगा कर बैठे हैं। इस दौरान लू लग जाने से निहाल सिंह खीचड़ नामक ग्रामीण की मौत भी हो चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार द्वारा बारंबार ढाणियों को बिजली सुविधा देने की बात कही जा रही है मगर धरातल पर ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि सिरसा देश भर में गर्म स्थलों में से एक है,बावजूद इसके शासन व प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा।

सैकड़ों ग्रामीण, जिनमें महिलाएं भी शामिल थी, आज सिरसा के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में पहुंचे। वहां से हाथों में बैनर व पोस्टर लेकर लघु सचिवालय की ओर बढ़े, इस दौरान ग्रामीण जिला प्रशासन व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन की दृष्टिगत भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। ग्रामीण जब लघु सचिवालय परिसर में घुसने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। ग्रामीणों ने यहीं पर साथ लेकर आये मटकों को फोड़ना शुरू कर दिया। ग्रामीणो की पुलिस के साथ काफी देर तक बहस व जोर आजमाइश हुई। एसडीएम राजेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लिया। इस दौरान किसान नेता प्रकाश ममेरा ने कहा कि सरकार समाधान शिविर की बात कर रही है जबकि उन्हें लघु सचिवालय में घुसने तक नही दिया जा रहा। समाधान शिविर एक जुमला ही नजर आ रहा है।

हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बननी चाहिए : सैलजा

टोहाना, 13 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा सीट से कांग्रेस की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि लोकसभा चुनाव का पड़ाव पार कर दिया है, अभी हरियाणा में अगला पड़ाव पार और करना है, सब मिलजुल कर रहें देखना प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

सुश्री सैलजा ने गुरुवार धन्यवादी दौरे में टोहाना के एक मैरिज पैलेस में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करने पहुंची थी। उन्होंने कहा कि जो कल तक किसी को अपने पास में खड़ा तक नहीं होने देते थे, आज वे दूसरे लोगों का हाथ पकड़कर चल रहे हैं और उन्हें गले लगा रहे हैं, यहीं लोकतंत्र है और यहीं लोकतंत्र की ताकत है जो अच्छे– अच्छे तानाशाह का अहम और वहम दोनों दूर कर देती है। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य बलजिंदर सिंह ठरवी और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया और फूल मालायें पहनाकर उन्हें जीत की बधाई दी।

सुश्री सैलजा ने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुये कहा कि टोहाना क्षेत्र से जनता ने उन्हें जो मान सम्मान दिया है, वह उसे कभी नहीं भूलेंगीं, उन्होंने कहा कि इस मान–सम्मान को डबल करके हर कार्यकर्ता को लौटाउंगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और जोश देखकर लग रहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई मुख्यमंत्री की दावेदारी करता है, तो उसे यह सोचना चाहिये कि इस दौड़ में कोई और भी शामिल हैं। उधर कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वे ही नहीं पूरा हरियाणा सुश्री सैलजा को मुख्यमंत्री के पद पर देखना चाहता है।

अलर्ट मिलने के बावजूद पानी निकासी के काम अधूरे पड़े हैं : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने गुरुवार को कहा कि इस साल अधिक बारिश होने का अलर्ट मिलने के बावजूद हरियाणा में पानी निकासी, ड्रेनेज निर्माण, ड्रेनेज चौड़ा करने, स्टड लगाने, तटबंध मजबूत करने के 80 प्रतिशत से ज्यादा योजनाओं पर काम अधूरे पड़े हैं।

श्री चौटाला ने कहा कि बारिश को आने में सिर्फ कुछ ही दिन बचे हैं। पिछले साल बाढ़ के कारण 12 जिलों के लोगों को जानमाल के साथ पशुओं की मौत और फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान झेलना पड़ा था। जहां बाढ़ के कारण लोगों के तो भूख और प्यास से मरने की नौबत थी, उनकी फसलें और घर उजड़ गये थे, बजाय उनकी सहायता करने के मुख्यमंत्री, मंत्री समेत नेता विपक्ष अपनी पब्लिसिटी के लिये ट्रैक्टरों पर चढ़ कर बेशर्मी से फोटो सेशन करवा रहे थे। अब भी बाढ़ आने के बाद ऐसा ही करेंगे। हकीकत यह है कि आज तक भी बहुत सारे बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले साल अगर समय रहते ड्रेनों की सफाई हो जाती तो प्रदेश के लोगों को बाढ़ आपदा से बचाया जा सकता था। उन्होंने कहा कि 2023 में फ्लड कंट्रोल बोर्ड की स्टेट लेवल मीटिंग में बाढ़ आपदा के लिये 528 प्रोजेक्ट के 1326 करोड़ रूपए मंजूर किये गये थे। ऐसे ही हर साल बाढ नियंत्रण के लिये हजारों करोड़ रुपये का बजट तय किया जाता है, जिसे विभाग के अधिकारी और मंत्री मिल कर केवल कागजों में दिखा कर अपनी जेब भरते हैं।

सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल में आग लगने से अफरा–तफरी

श्रीगंगानगर, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल में गुरुवार को आग लगने से अफरा– तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल में ड्यूटी रूम के सामने प्रथम तल को जाने वाली सीढ़ियों के पास इलेक्ट्रिक पैनल सिस्टम में अचानक आग लगने से पूरे गलियारे, ओपीडी के कमरों एवं नजदीक ही महिला एवं पुरुषों के दो वार्डों में धुआं भर गया। सभी चिकित्सक, चिकित्सा कर्मी, अन्य कर्मचारी, इलाज करवाने के लिये आये लोग एवं वार्डों में भर्ती मरीजों को बाहर निकला गया। महिला एवं पुरुष वार्डों के मरीजों को दूसरे वार्डों में भेजा गया।

सूत्रों ने बताया कि अस्पताल के कर्मचारी पूर्ण भाटिया, अनिल गोदारा, सूरज आदि ने अस्पताल में ही लगे फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिये। सूचना मिलने पर नगर पालिका के दमकल वाहन लेकर भी दमकल कर्मी पहुंच गये। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक इलेक्ट्रिक पैनल सिस्टम लगभग पूरी तरह से जल गया था। अस्पताल की इलेक्ट्रिक वायरिंग भी जल गयी, जिससे काफी नुकसान हुआ। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

महिला एवं पुरुष वार्डों में काफी मरीज थे, जिनको दूसरी तरफ के वार्डों में ले जाया गया। इलेक्ट्रिक पैनल और वायरिंग जलने से पूरे अस्पताल में बिजली ठप हो गयी। इसी अस्पताल परिसर में ट्रॉमा सेंटर भी है, लेकिन वहां कोई नुकसान नहीं हुआ। जानकार सूत्रों ने बताया कि हाल के दिनों में कई संस्थाओं एवं दानदाताओं ने अस्पताल को एयर कंडीशनर भेंट किये हैं। करीब सभी वार्डों, ओपीडी एवं अन्य कमरों में एसी लगे हुये हैं। मगर अस्पताल की वायरिंग पुरानी ही है। संभवतः आग लगने का यही कारण माना जा रहा है।

विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई जनसुनवाई

जयपुर,13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देश पर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार से आमजन की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए गुरुवार से जनसुनवाई शुरू हुई।

भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि जनसुनवाई के पहले दिन प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल, श्रवण सिंह बगडी, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत और अजीत मांडण ने आमजन की समस्यायें सुनी। इस दौरान 200 से अधिक पीड़ित अपनी समस्याओं के निस्तारण के लिये भाजपा कार्यालय पहुंचे।

प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान अधिकतर लोगों ने प्रशासन गांवों संग अभियान में फर्जी पट्टे बनाये जाने और पुलिस प्रशासन द्वारा पीड़ित पक्ष की सुनवाई नहीं करने जैसी समस्यायें भाजपा पदाधिकारियों के समक्ष रखी।

शुभ लाभ DAILY

महाराजगंज में भाजपा समर्थक की हत्या

घर पर पार्टी का झंडा लगाया था, नहीं हटाने पर चाकू गोदकर मार डाला

पटना (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद मतगणना भी संपन्न हो गया है। महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र (सारण जिला) में में दो पार्टियों के बीच मुकाबले में भाजपा की जीत हुई। लेकिन, दोनों पार्टियों के समर्थकों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। आज एक भाजपा समर्थक की हत्या कर दी गई। कारण बस इतना था कि उसने अपने घर पर लगे पार्टी के झंडे को हटाने से मना किया था। इतनी सी बात पर विरोधियों ने चाकू गोदक उसकी हत्या कर दी। आननफानन में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। हालांकि, घटना के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। परिजनों ने चौकीदार पर रसूलपुर के थानाध्यक्ष सहित कई अन्य पर पक्षपात का आरोप लगाया गया है। झंडा हटाने को लेकर उत्पन्न विवाद में चाकूबाजी की घटना में एक युवक की जान गवानी पड़ गई है। घर पर लगे चुनावी झंडे को जबरदस्ती उतारने को लेकर हुए विवाद में चाकू गोदकर युवक की हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। महाराजगंज लोकसभा चुनाव में कांग्रेस समर्थको पर हत्या का आरोप लगाया गया है।

लोगों का कहना है कि चुनावी झंडे को हटाने को लेकर उपजा विवाद इस कदर तक हावी हो जाएगा। इसका अंदाजा किसी को नही था। लेकिन जो घटना हुई है वह सुन कर आपके भी होश उड़ जाएंगे।

क्योंकि मामूली सी विवाद को लेकर युवक को चाकू गोद कर मार डाला। घटना रसूलपुर थाना क्षेत्र के चपरैठा गांव की बताई जा रही है। मृतक की पहचान स्थानीय गांव निवासी सुजीत कुमार गिरी के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि युवक ने भाजपा का झंडे को अपने घर की छत पर लगया था। इसे लेकर चुनाव के पूर्व से विवाद चल रहा था। आज पुनः दबंगो ने भाजपा कार्यकत्ताओं पर चाकू से बार कर दिया, जिसमें एक की मौत हो गयी है।

घटना की सूचना मिलने पर एकमा पुलिस अस्पताल पहुंची तो परिजन पुलिस से उलझ गए और सरेआम चौकीदार और थानाध्यक्ष पर धमकी देकर केश वापस कराने का आरोप लगाने लगे।

हालांकि, पुलिस के लिखित शिकायत के बाद कार्रवाई का भरोसा दिया गया तो मामला शांत हुआ। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

दिनदहाड़े गोली मारकर छात्र की हत्या

सीवान (एजेंसियां)। सीवान के महाराजगंज मुख्य बाजार में गुरुवार को कहासुनी में युवकों ने इंटर के छात्र पर ताबड़तोड़ फायर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

जानकारी के अनुसार दरौंदा थाना क्षेत्र के रुकुंदीपुर निवासी सुधीर कुमार सिंह के पुत्र भानु कुमार सिंह उम्र 15 वर्ष जो इंटर का छात्र था। वो रुकुन्दीपुर से महाराजगंज कोचिंग करने गया था।

कोचिंग से पढ़कर वह महाराजगंज मुख्य बाजार पर एक चाय की दुकान पर पहुंचा। वहां 5 से 6 लड़के भी पहुंचे और दोनों में कहासुनी हुई। देखते ही देखते लड़कों ने भानु कुमार सिंह पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

फायरिंग में भानु प्रताप सिंह को सीने में एक गोली लगी है। इसके बाद से भानु जमीन पर गिर गया और वहां भगदड़ मच गई। आसपास के लोगों की मदद से भानु कुमार सिंह को पास ही के पस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उसे मृत घोषित कर दिया है। परिजनों का कहना है कि आये दिन महाराजगंज थाना क्षेत्र में गोलीबारी कि घटना हमेशा घटित होती हैं। मुख्य बाजार पर इस तरह कि घटना से छात्रों में दहशत कायम है। परिजनों के अनुसार जिन लड़कों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है। वह पेशेवर अपराधी बताई जा रहे हैं। हालांकि ये पुलिस या जांच का मामला है।

सीवान जिले के महाराजगंज में दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना के बाद महाराजगंज थाना अध्यक्ष ने बताया के आपस में झगड़े के बाद गोलीबारी हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सीवान मोर्चरी भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

पटना (एजेंसियां)। मधेपुरा के उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र में बुधवार की रात सड़क हादसे में तीन युवक की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान बराही आनंदपुरा नेमुआ वार्ड आठ निवासी हरदेव यादव के बेटे मोहन कुमार (22) कुंवर यादव के बेटे अवधेश कुमार (20) उरेन यादव के बेटे अमरेश कुमार (21) के रूप में हुई। घटना उदाकिशुनगंज पेट्रोल पंप के समीप की है।

बताया गया कि अवधेश कुमार आलमनगर में अपने ननिहाल में था। बुधवार की शाम अपने दोनों दोस्त मोहन और अमरेश कुमार को बुलाया।

रात करीब 11 बजे तीनों एक ही बाइक पर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक तेज रफ्तार हाइवा ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दिया। इस हादसे में दो युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल युवक ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया।

बराही आनंदपुरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मो. सद्दाम ने बताया कि दो युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक को लोगों ने उदाकिशुनगंज रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे गच्छधढ मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मेडिकल कॉलेज में उसने दम तोड़ दिया। उदाकिशुनगंज एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि पुलिस ने तीनों युवक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पूर्णिया में चार घरों में भीषण डकैती

दो को मारी गोली, बमबाजी-गोलीबारी कर सोना, चांदी और कैश लूटे

पटना (एजेंसियां)। पूर्णिया में बमबाजी और गोलीबारी कर भीषण डकैती की वारदात को अंजाम दिया हैं। करीब 24 डकैतों ने चार परिवारों के घरों में पहले डकैती की और दहशत फैलाने के लिए बमबाजी और कई राउंड फायरिंग भी की। इसके बाद 12 भर सोना (करीब 120 ग्राम), 2 किलो चांदी और 2 लाख रुपए कैश लूटकर फरार हो गए।

जब डकैतों का पीछा किया तो पूर्व वार्ड पार्षद सदस्य समेत दो लोगों को गोली मार दी। गोली लगने के बाद दोनों की स्थिति काफी गंभीर है। जिसे परिजनों ने इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हायर हॉस्पिटल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने गांव में नदी से एक हथोड़ा, 11 जोड़ी जूता-चप्पल, मोबाइल कवर और बुलेट्स और कई अन्य चीजें भी बरामद की हैं। घटना बीते रात्रि बायसी थाना क्षेत्र ताराबाड़ी गांव की हैं। डकैती की घटना ताराबाड़ी गांव निवासी मो. नईम, मो. नौशाद, मो. अहिजुल, मो. अरशद के घर पर हुई है।

पीड़ित के पीड़ित परिवार फरहाज ने बताया कि रात के करीब 12 बज रहे थे। सब लोग सोने की तैयारी में थे। तभी बाहर से ताबड़तोड़ फायरिंग और बमबाजी की आवाज आने लगी। खिड़की से झांक कर देखा तो करीब दो दर्जन की संख्या में कुछ लोग घर की तरफ आ रहे थे। सभी बदमाश हथियार के लैस थे। कुछ ही देर बाद वे नईम और उनके रिश्तेदारों के घर में घुस गए। हथियार का भय दिखाकर नईम से मारपीट करते हुए घर में रखे 12 भर सोना और करीब 2 किलो चांदी समेत 1 लाख 40 हजार कैश लूट ले गए।

वहीं डकैतों का पीछा करने पर पूर्व वार्ड पार्षद सदस्य समेत दो लोगों को गोली मार दी। परिजन ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां पूर्व वार्ड पार्षद सदस्य आफाक आलम की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। गोली आफाक के हाथ में लगी। भागने के क्रम में अपराधी गांव से लगी नदी किनारे से एक हथौड़ा, 11 जोड़ी जूता-चप्पल, बांस-डंडे, सिगरेट का डब्बे और पानी का बोतल एक गोली और मोबाइल का कवर छोड़ गए। जानकारी मिलते ही बायसी थाना अध्यक्ष संजीव कुमार, डगरूआ थाना अध्यक्ष रविन्द्र कुमार मौके पर पहुंचे और कई जरूरी एविडेंस कलेक्ट किए। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

खनुआ नदी में नहाने गए युवक की मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)। जिले के विजयीपुर थाना क्षेत्र के छितौना टोला परसौनी गांव के 37 वर्षीय युवक की चखनी घाट खनुआ नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद से गांव में मातम छाया हुआ है।

बताया जाता है कि बुधवार की शाम सुनील कुमार कुछ लोगों के साथ गांव के समीप चखनी घाट खनुआ नदी में नहाने गया था कि फुलवरिया भटनी रेलखंड के अर्ध निर्मित चखनी घाट रेलपुल के नीचे निकली लोहे की छड़ में फंसकर डूब गया। साथ नहाने गए युवकों ने जब कुछ देर तक सुनील को नहाते नहीं देखा तो उसे नदी में ढूंढने लगे। कुछ देर बाद अन्य युवकों ने पुल के नीचे पीलर से निकली लोहे की छड़ में सुनील को निकाला। उसे गांव पर लाया गया जहां ग्रामीण चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पाकर पहुंची विजयीपुर ने शव को कब्जे में लेकर देर रात पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतक सुनील कुमार परिवार का एक मात्र कमाऊ सदस्य था। उसके मरने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है । मजदूरी कर मां बाप तथा अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

वृद्ध मां, पत्नी तथा तीन पुत्रियों को छोड़कर चले जाने से अब भरण पोषण की भी आफत आ पड़ी है। पत्नी का नाम रीता देवी है तथा बड़ी बेटी 14 वर्ष, मझली 11 वर्ष तथा छोटी बेटी की उम्र 7 वर्ष है। ग्रामीण मुन्ना पांडे ने बताया कि अति निर्धन परिवार है। मजदूरी कर आजीविका चलाता था। वृद्ध मां, पत्नी और बेटीयां बेसहारा हो गई।

कचरा संग्रह केंद्र में मिला युवक का शव

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा में अर्ध निर्मित कचरा संग्रह केंद्र में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मामला रहुई थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदुआरा और पितौंजीया स्थित अर्ध निर्मित कचरा संग्रह केंद्र का है। फिलहाल युवक के शव की पहचान नहीं की जा सकी है।

इस मामले में रहुई थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह मवेशी चरा रहे लोगों से जानकारी मिली कि खून से लथपथ एक शव अर्धनिर्मित कचरा संग्रह केंद्र में पड़ा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। वहां देखा कि सिर को ईंट से कूच दिया गया है। वहीं, शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान हैं। पास में खून लगा ईंट भी पड़ा हुआ है। युवक की उम्र करीब 20 से 25 साल के बीच है।

अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी लड़ेगी बिहार विधानसभा चुनाव

संजय सिंह ने बताई पूरी बात

पटना (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आप के राज्यसभा सांसद संजय कुमार सिंह स्पष्ट कहा है कि बिहार में हमारी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

आम आदमी पार्टी के चुनावी तैयारी शुरू कर दे। ताकि आगामी चुनाव के बाद अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली में दिए जा रहे गुड गवर्नेंस का लाभ बिहार को भी मिल सके। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ेगी यह तय है। लेकिन, कितने सीटों पर लड़ेगी? यह हमलोग बाद में तय करके बताएंगे। अब तक यह स्पष्ट है कि हमलोग बिहार में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि इंडी गठबंधन की सहयोगी पार्टियों में से एक आम आदमी पार्टी बिहार में भी गठबंधन धर्म का पालन करेगी। इंडी गठबंधन में सीट बंटवारे के फॉर्मूला तय होने के बाद ही आप अपनी सीटों का खुलासा करेगी। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी बिहार विधानसभा में उतरती है तो सीधे तौर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को ही टक्कर देगी। खास तौर पर केजरीवाल सीएम नीतीश कुमार की पार्टी और पीएम मोदी की नेतृत्व वाली भाजपा को चुनौती देंगे।

आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पिछले साल 22 जून को पटना आए थे। केजरीवाल को सीएम नीतीश कुमार ने न्यौता दिया था। उस वक्त सीएम नीतीश कुमार इंडी गठबंधन के साथ थे। केजरीवल भी इंडी गठबंधन की मीटिंग में शामिल होने आए थे। हालांकि, उस वक्त उन्होंने बिहार विधानसभा के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं थी। केवल लोकसभा पर फोकस करने की बात कही। अब उनकी पार्टी के सांसद संजय सिंह के बयान ने सियासी गलियारे में हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, आम आदमी पार्टी इससे पहले भी बिहार विधानसभा चुनाव अपना भाग्य आजमा चुकी है। लेकिन, उसमें सफलता हाथ नहीं लगी थी।

नीट परीक्षा लेने वाली प्राइवेट एजेंसी को हटाएं, बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो : पप्पू यादव

पटना (एजेंसियां)। पूर्णिया के नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर से नीट परीक्षा पर सवाल उठाया। साथ ही केंद्र सरकार और प्राइ-वेट एजेंसियों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा प्राइ-वेट एजेंसी द्वारा नहीं करवाई जाए। पहली प्रमुख मांग यह है कि जो भी प्राइवेट एजेंसी हायर की गई है, उसकी जांच करवाई जाए। साथ ही प्राइवेट एजेंसी को परीक्षा लेने के अधिकार से वंचित कर दिया जाए। चाहे वह जय शाह का हो या किसी और का। जिस दिन लोकसभा का परिणाम आया, उस दिन नीट परीक्षा का रिजल्ट जारी किया गया। एक ही जगह के 68 बच्चों का रिजल्ट देना संदेहास्पद है। पटना और हजारीबाग में कई ऐसे उदाहरण हैं, जहां एक लॉज में अगर 12 बच्चे हैं तो उन्हें एक ही नंबर आया है।

पप्पू यादव ने कहा कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से इस मामले की जांच करवाई जाए। हमलोग सदन में भी इसकी जांच की मांग उठाएंगे। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए पप्पू यादव ने कहा कि इस देश में आतंकी व्यवस्था अगर कुछ है तो वह प्रतिभावान बच्चों के साथ खिलवाड़ करने की साजिश है। इस देश में बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो, इसके लिए हमलोग आंदोलन करेंगे। चाहे इसके लिए हमलोगों को कुछ भी परिणाम भुगतना पड़े।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com